शर्मा হাৰ্ডৱেৰ
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित
राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील
विकसित भारत समाचार
वर्ष : 12 | अंक : 315 | गुवाहाटी | रविवार, 21 जून, 2026 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

विकसित भारत का सबसे बड़ा आधार पूर्वी भारत का विकास : पीएम मोदी पेज 2
बोको-छयगांव में महत्वपूर्ण सिंचाई परियोजनाओं का निरीक्षण करने... पेज 3
भाजपा केवल एक राजनीतिक संगठन नहीं समर्पित विचारधारा है : डॉ. अर्चना गुप्ता पेज 5
फीफा विश्व कप 2026 : कुन्हा के दो गोल से ब्राजील ने हैती को 3-0 से ... पेज 7

लेबनान पर इजराइली हमलों में 16 लोगों की मौत

होर्मुज फिर से बंद

नेतन्याहू बोले- अटैक जारी रहेगा, अलर्ट पर अमेरिकी सेना

तेहरान। अमेरिका-ईरान के बीच समझौते के बाद दोनों देशों ने होर्मुज को खोलने का निर्णय लिया था। लेकिन ईरान ने सीजफायर उल्लंघन के चलते फिर एक बार होर्मुज बंद कर दिया है। ईरानी मीडिया के मुताबिक, तेहरान ने फिर एक बार होर्मुज बंद करने का फैसला लिया है। ईरान का कहना है कि अमेरिका के भरोसा तोड़ने और लेबनान में इजरायल के युद्धविराम का उल्लंघन करने के कारण होर्मुज को बंद किया गया है। ईरान की शीर्ष संयुक्त सैन्य कमान ने कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद करने का फैसला अमेरिका द्वारा समझौते (एमओयू) की पहली शर्त के तहत *साफ तौर पर भरोसा तोड़ने और अपने वादे का उल्लंघन करने* के चलते लिया गया है। ईरानी सेना का दावा है कि दक्षिणी लेबनान में इजरायल ने हमला किया है, जो कि युद्धविराम का लगातार उल्लंघन है। इसी को देखते हुए होर्मुज को बंद कर दिया गया है। ईरानी सेना के दावे के साथ ही अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस का होर्मुज को लेकर बयान भी सामने आया है। वेंस का कहना है कि इस बात का कोई सबूत नहीं है कि ईरान होर्मुज को बंद कर रहा है। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने बताया कि उन्हें उम्मीद है कि वे ईरान के साथ बातचीत के लिए अगले कुछ दिनों में जेनेवा जाएंगे। उन्होंने बातचीत में हो रही प्रगति को लेकर उम्मीद जताई और भरोसा दिलाया कि हाल ही में घोषित युद्धविराम को बनाए रखा जा सकता है। जेडी वेंस ने बताया कि ईरान के साथ बातचीत चल रही है। इसके लिए अमेरिकी अधिकारी स्टीव विटकॉफ और जेरेड कुशनर पहले से ही ईरान के साथ बातचीत के लिए जेनेवा में मौजूद हैं। ईरान के होर्मुज बंद करने की प्रक्रिया अमेरिका पर दबाव है कि वह इजरायल को समझौता की पहली धारा को लागू करने के लिए मजबूर करे। ईरान का कहना है कि अमेरिका के साथ बातचीत करने वाला प्रतिनिधिमंडल जल्द ही स्विट्जरलैंड जाएगा। ईरानी मीडिया की रिपोर्ट है कि एक प्रतिनिधिमंडल स्विट्जरलैंड जाएगा ताकि आगे की कार्रवाई हो सके और अमेरिका से अंतरिम समझौते के तहत किए गए वादों को पूरा करने की मांग की जा सके। खबरों के अनुसार, ईरानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि स्विट्जरलैंड में, हमारा इरादा दूसरी पार्टी (अमेरिका) पर अपने वादों को पूरा करने के लिए दबाव डालना और यह स्पष्ट करना है कि वे अपनी जिम्मेदारियों पर कैसे -शेष पृष्ठ दो पर

यूरोपीय संघ ने असम के लिए जारी नकारात्मक यात्रा सलाह हटाई : सीएम

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शनिवार को कहा कि यूरोपीय संघ (ईयू) ने पूर्वोत्तर राज्य के लिए जारी नकारात्मक यात्रा सलाह को हटा दिया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर शर्मा ने इस कदम को एक सकारात्मक कदम बताया, जिससे यूरोपीय संघ के 27 देशों से पर्यटकों का आगमन बढ़ेगा और व्यापार और उद्योग में अधिक निवेश की संभावनाएं भी बेहतर होंगी। असम के लिए उत्साहजनक खबर। ऑस्ट्रेलिया और जापान के बाद, अब यूरोपीय संघ के सदस्य देशों ने भी अपनी यात्रा सलाहों में संशोधन किया है और राज्य का दौरा करने वाले अपने नागरिकों के लिए प्रतिबंधात्मक दिशानिर्देश हटा दिए हैं, मुख्यमंत्री ने एक्स पर पोस्ट किया। उन्होंने आगे कहा कि यूरोपीय संघ के राजनयिकों की हालिया यात्रा के बाद यह सामयिक घटनाक्रम असम में मजबूत विश्वास का प्रतीक है और यूरोपीय संघ-असम -शेष पृष्ठ दो पर

असम-मेघालय सीमा वार्ता का दूसरा दौर सीमांकन पर निर्भर करेगा : डॉ. शर्मा

शिलांग। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि मेघालय के साथ सीमा वार्ता का दूसरा दौर तभी आयोजित किया जाएगा जब पहले से तय किए गए छह क्षेत्रों का सौहार्दपूर्ण ढंग से सीमांकन हो जाएगा। एक सम्मेलन के दौरान यह घोषणा करते हुए शर्मा ने कहा कि सर्वे ऑफ इंडिया उन छह क्षेत्रों में *अपना काम कर रहा है* जहां दोनों राज्यों के बीच समझौता हुआ था। मार्च 2022 में दोनों पड़ोसी राज्यों के बीच मतभेदों के छह क्षेत्रों को लेकर एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए थे। इन क्षेत्रों में ताराबारी, गिजांग, हाहिम, बोकलापारा, खानापारा-पिल्लंगकाटा और रताचेरा शामिल हैं। समझौते के -शेष पृष्ठ दो पर

कलागुरु विष्णु प्रसाद राभा की स्मृति में आयोजित समारोह में शामिल हुए मुख्यमंत्री

विभिन्न पुरस्कारों का किया वितरण

गुवाहाटी (हि.स.)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने शनिवार को श्रीमंत शंकरदेव कलाक्षेत्र में आयोजित विष्णु राभा दिवस समारोह एवं राज्य तथा राष्ट्रीय स्तर के पुरस्कार वितरण कार्यक्रम में भाग लिया। इस अवसर पर उन्होंने कलागुरु विष्णु प्रसाद राभा को असम की सांस्कृतिक चेतना का चिरप्रकाशित नक्षत्र बताते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री ने कहा कि विष्णु प्रसाद राभा का व्यक्तित्व बरलुईत (ब्रह्मपुत्र) की तरह विशाल, आकाश की तरह व्यापक और सागर -शेष पृष्ठ दो पर

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

विद्या को चोर भी नहीं चुरा सकता।

- आचार्य चाणक्य

असम के 18.60 लाख किसानों को 372 करोड़ रुपए जारी

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने 20 जून को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ वर्चुअल रूप से कई परिवर्तनकारी पहलों के शुभारंभ में भाग लिया, जिनका उद्देश्य देश भर के नागरिकों को लाभ पहुंचाना है। सोशल मीडिया पर अपडेट साझा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम-किसान) योजना के तहत 23वीं किस्त भी जारी की गई। शर्मा के अनुसार, नवीनतम किस्त से असम के लगभग 18.60 लाख किसानों को लाभ होगा, और प्रमुख आय-सहायता कार्यक्रम के तहत पात्र लाभार्थियों को कुल 372 करोड़ रुपए सीधे -शेष पृष्ठ दो पर

पूर्वोत्तर में आए बदलाव के प्रतीक हैं 12 शांति समझौते और 10 हजार आत्मसमर्पण : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शनिवार को पूर्वोत्तर में पिछले एक दशक में हुए महत्वपूर्ण परिवर्तन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इस क्षेत्र के विकास का वृत्तांत उग्रवाद और अस्थिरता से हटकर शांति, अवसंरचना विकास, संपर्क और आर्थिक विकास की ओर लगातार बदल रहा है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट साझा करते हुए, शर्मा ने कहा कि असम इस क्षेत्र में व्याप्त शांतिपूर्ण माहौल का सबसे बड़ा लाभार्थी बनकर उभरा है, जिसने त्वरित विकास और निवेश को सक्षम बनाया है। मुख्यमंत्री ने लिखा कि पिछले कुछ वर्षों में, पूर्वोत्तर के विकास का वृत्तांत उग्रवाद और अस्थिरता से हटकर बुनियादी ढांचे, संपर्क और आर्थिक विकास की ओर लगातार बदलता रहा है, और असम मौजूदा शांतिपूर्ण माहौल का सबसे बड़ा लाभार्थी रहा है। यह पोस्ट प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पूर्वोत्तर में विकास के 12 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में केंद्र सरकार द्वारा चलाए जा रहे अभियान के तहत # 12 Years Of Rising North-East हैशटैग का उपयोग करते हुए साझा की गई थी। शर्मा द्वारा साझा की गई प्रचार सामग्री में उजागर किए गए आंकड़ों के अनुसार, 2014 से पूर्वोत्तर में कुल 12 प्रमुख शांति समझौते पर हस्ताक्षर किए गए हैं, जिन्होंने क्षेत्रीय स्थिरता और संघर्ष समाधान में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। -शेष पृष्ठ दो पर

भारत कोई धर्मशाला नहीं, घुसपैठियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी : अमित शाह

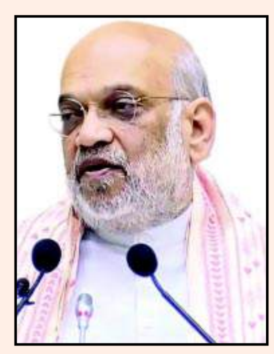

कोल्हापुर (हि.स.)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को कहा कि भारत कोई धर्मशाला नहीं है, घुसपैठियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी। उन्होंने घुसपैठ के मुद्दे पर विपक्ष पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि घुसपैठियों को लेकर सख्त नीति अपनाई जा रही है और देश की सुरक्षा से किसी भी तरह का समझौता नहीं किया जाएगा। अमित शाह आज महाराष्ट्र के कोल्हापुर में आयोजित कृतज्ञता कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कुछ लोग घुसपैठियों को *वोट बैंक* के रूप में इस्तेमाल करने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन भारत कोई *धर्मशाला* -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

आज कुछ पल के लिए गायब हो जाएगी आपकी परछाई

भोपाल (हि.स.)। खगोल विज्ञान में रुचि रखने वाले लोगों के लिए रविवार, 21 जून का दिन खास होने जा रहा है। इस दिन सूर्य अपनी उत्तरायण यात्रा पूरी करने जा रहा है। छह महीने पहले 21 दिसंबर से आरंभ हुई इस यात्रा का रविवार दोपहर 1 बजकर 57 मिनट पर समापन होगा। इस दौरान कुछ पल के लिए आपकी परछाई गायब हो जाएगी। मप्र की नेशनल अवार्ड प्राप्त विज्ञान प्रसारक -शेष पृष्ठ दो पर

समुद में महाराष्ट्र के आठ लोग डूबे, तीन बचाए गए और पांच लापता

मुंबई (हि.स.)। महाराष्ट्र के रत्नागिरी के गणपतिपुले समुद में शनिवार को घूमने आए संभाजीनगर के आठ लोगों में से पांच लोग समुद्र में लापता हो गए हैं। तीन को सफलतापूर्वक बचा लिया गया है। मौके पर रत्नागिरी पुलिस और गोताखोरों की टीम लापता पांच लोगों को ढूंढ रही है। इस घटना की छानबीन कर रहे पुलिस अधिकारी ने बताया कि -शेष पृष्ठ दो पर

अष्टलक्ष्मी ने वैश्विक मानचित्र पर बनाई मजबूत पहचान : केंद्रीय वित्त मंत्री

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को कहा कि पूर्वोत्तर भारत अब वैश्विक स्तर के कई खास स्थलों का घर बन चुका है, जो सतत और समावेशी विकास का उदाहरण पेश कर रहे हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में वित्त मंत्री ने कहा कि अष्टलक्ष्मी (अरुणाचल प्रदेश, असम, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड, सिक्किम और त्रिपुरा) अब वैश्विक मानचित्र पर मजबूती से अपनी पहचान बना चुकी है। उन्होंने कहा कि दुनिया के पहले 100 प्रतिशत ऑर्गेनिक राज्य से लेकर दुनिया की सबसे लंबी दो-लेन सुरंग और सबसे ऊंचे गर्डर रेल पुल तक, पूर्वोत्तर क्षेत्र ने कई वैश्विक उपलब्धियां हासिल की हैं। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने भी एक एक्स पोस्ट में कहा कि पूर्वोत्तर के आठ राज्य कभी विकास की मुख्यधारा से -शेष पृष्ठ दो पर

अब भारतीय रेलवे में बिना टिकट यात्रा पर चुकाना होगा दोगुना जुर्माना

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे ने बिना वैध टिकट यात्रा करने वाले यात्रियों पर जुर्माना बढ़ा दिया है। इस कदम का मकसद बिना टिकट या अनधिकृत यात्रा को रोकना और रेल संचालन को सुचारू बनाना है। रेलवे ने यात्रियों से बार-बार अपील की है कि वे ट्रेन से यात्रा करने से पहले वैध टिकट खरीदें। मई में, सेंट्रल रेलवे जोन ने 4.96 लाख बिना टिकट यात्रियों से 40.85 करोड़ रुपए वसूले। एक बयान में, राष्ट्रीय ट्रांसपोर्टर ने घोषणा की कि जन -शेष पृष्ठ दो पर

बंगाल के मालदा बॉर्डर पर तनाव

पुशबैक को लेकर बीएसएफ बीजीबी आमने-सामने

मालदा (हि.स.)। पश्चिम बंगाल में मालदा जिले के वैष्णवनगर के सुखदेवपुर स्थित भारत-बांग्लादेश सीमा पर शनिवार तड़के उस समय तनाव फैल गया, जब कथित बांग्लादेशी घुसपैठियों को वापस भेजने (पुशबैक) की प्रक्रिया के दौरान हालात बिगड़ गए। सूत्रों के अनुसार, पकड़े गए घुसपैठियों को शुक्रवार रात सीमा के जरिए बांग्लादेश भेजा गया था। लेकिन वहां की बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश (बीजीबी) ने -शेष पृष्ठ दो पर

भारत में मिला सोने का नया भंडार, चार ठिकानों से निकलेगा हजारों करोड़ का गोल्ड

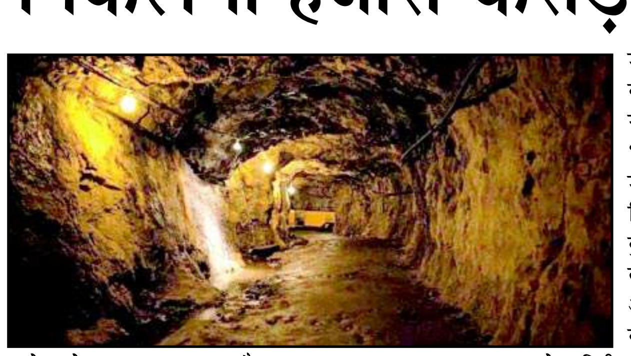

हैदराबाद। भारत में सोने के प्रति लोगों की दीवानगी जगजाहिर है, लेकिन अब इस दीवानगी को घरेलू स्तर पर एक बहुत बड़ी मजबूती मिलने वाली है। देश के दक्षिणी राज्य आंध्र प्रदेश से एक बेहद उत्साहजनक खबर सामने आई है, जहां के कुरनूल जिले में करीब 50 टन सोने के विशाल भंडार का पता चला है। अधिकारियों के मुताबिक, इस ऐतिहासिक खोज के बाद आंध्र प्रदेश आने वाले कुछ ही सालों में देश के भीतर सोने का सबसे बड़ा उत्पादक और सप्लायर बनकर उभर सकता है। इस भंडार से न केवल घरेलू स्तर पर सोने के उत्पादन में भारी तेजी आएगी, बल्कि विदेशों से होने वाले महंगे गोल्ड इम्पोर्ट पर भारत की निर्भरता भी काफी हद तक कम होने की उम्मीद है। आंध्र प्रदेश के माइंस विभाग के प्रधान सचिव मुकेश कुमार मीणा ने एक प्रेस कांफ्रेंस के दौरान इस बड़ी कामयाबी की आधिकारिक पुष्टि की। उन्होंने बताया कि विभाग ने केवल जोन्नागिरी ही नहीं, बल्कि राज्य में सोने के खनन के लिए चार और -शेष पृष्ठ दो पर

टीएमसी के खजाने पर लगा ताला, तीन बैंक अकाउंट में 440 करोड़ रुपए फ्रीज

कोलकाता। पश्चिम बंगाल पुलिस ने तृणमूल कांग्रेस के तीन बैंक अकाउंट में लगभग 440 करोड़ रुपए के बैंक अकाउंट फ्रीज कर दिए हैं। यह कार्रवाई बागी पार्टी विधायकों की शिकायतों के बाद की गई है, जिन्होंने आरोप लगाया था कि यह पैसा भ्रष्टाचार, अत्याचार और गैर-कानूनी कामों से कमाया गया हो सकता है। एचडीएफसी बैंक के तीन अकाउंट में फ्रीज की गई रकम 440 करोड़ रुपए है। पुलिस ने *डेबिट फ्रीज* की कार्रवाई की, जिसका मतलब है कि पैसे निकालने और बाहर जाने वाले ट्रांजैक्शन ब्लॉक कर दिए गए हैं, लेकिन क्रेडिट आना जारी रह सकता है। शिकायत बिधाननगर साइबर पुलिस स्टेशन में दर्ज की गई थी और अकाउंट शुक्रवार देर शाम फ्रीज कर दिए गए थे। फ्रीज करने के लिए दो स्टेज की शिकायत प्रोसेस अपनाई गई। सबसे पहले टीएमसी के पूर्व कोषाध्यक्ष और पश्चिम बंगाल में खेल, युवा मामले और बिजली मंत्री रहे अरूप विश्वास ने बैंक मैनेजर से संपर्क करके अकाउंट फ्रीज करने का अनुरोध किया। उन्होंने अपने साइन -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

असम में विष्णु प्रसाद राभा को गीत-संगीत के माध्यम से किया गया स्मरण

शोणितपुर (हिंस)। महान क्रांतिकारी कलाकार, साहित्यकार और सांस्कृतिक पुरोधा कलागुरू विष्णु प्रसाद राभा की पुण्यतिथि पर शनिवार को राज्य के विभिन्न स्थानों के साथ ही कलागुरू के जन्मस्थान तेजपुर में विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। वर्ष 1969 में इसी दिन उन्होंने अंतिम सांस ली थी। विष्णु राभा दिवस के अवसर पर तेजपुर स्थित प्रह्लाद चंद्र दास स्मृति नृत्यशाला में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में नई पीढ़ी के नृत्य विद्यार्थियों ने नृत्य प्रस्तुतियों के माध्यम से कलागुरु को श्रद्धांजलि दी।

मणिपुर में उग्रवादी संगठनों पर शिकंजा, कई सक्रिय कैडर गिरफ्तार

इंफाल (हि.स.)। मणिपुर में सुरक्षा बलों और पुलिस ने उग्रवादी संगठनों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत कई सक्रिय कैडरों को गिरफ्तार किया है। साथ ही, उग्रवादी संगठन में भर्ती किए जा रहे एक किशोर को भी सुरक्षित बचाया गया है। राज्य में यह कार्रवाई उखरूल पीएनबी बैंक डकैती कांड, 5वीं आईआरबी हथियार लूट मामले, जिरीबाम में हमार महिला की हत्या, चार कुकी लोगों के अपहरण एवं हत्या, नारायणसेना में सीआरपीएफ पर हमले तथा मुख्यमंत्री के काफिले पर हुए घात लगाकर हमले जैसे मामलों की जांच के बीच की गई है।

विकसित भारत का सबसे बड़ा आधार पूर्वी भारत का विकास : पीएम मोदी

तारकेश्वर (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को पश्चिम बंग दिवस समारोह में कहा कि भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प की सफलता पूर्वी भारत के विकास पर निर्भर है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार *मिशन पूर्वोदय* के तहत पूर्वी राज्यों के विकास को प्राथमिकता दे रही है और इसमें पश्चिम बंगाल की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है। पश्चिम बंगाल के हुगली जिले के तारकेश्वर में आयोजित पश्चिम बंग दिवस समारोह को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि बाबा तारकनाथ के आशीर्वाद वाली इस पवित्र भूमि पर आना उनके लिए सौभाग्य की बात है। उन्होंने कहा कि चुनाव और शपथ ग्रहण के बाद जनता के बीच आने का यह उनका पहला अवसर है और उन्हें बंगाल में बदलाव की नई ऊर्जा और नई उम्मीद दिखाई दे रही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि पश्चिम बंग दिवस केवल एक तिथि नहीं, बल्कि बंगाल के संघर्ष, त्याग, विरासत और अस्मिता का स्मरण करने का अवसर है। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद बंगाल के उज्ज्वल भविष्य का जो सपना देखा गया था, अब पहली बार वह साकार होता दिखाई दे रहा है और राज्य एक नए इतिहास की ओर बढ़ रहा है। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने रेलवे, कृषि, ग्रामीण विकास, मत्स्य पालन और पशुपालन क्षेत्रों से जुड़ी अनेक विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। साथ ही प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम-किसान) की 23वीं किस्त जारी करते हुए देशभर के 9.44 करोड़ से अधिक किसानों के खातों में प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के माध्यम से राशि हस्तांतरित की। प्रधानमंत्री ने कहा कि दशकों तक वामपंथी दलों और तृणमूल कांग्रेस की सरकारों के कारण पश्चिम बंगाल विकास की दौड़ में पीछे चला गया। उन्होंने आरोप लगाया कि इन सरकारों ने राज्य की प्रगति की राह में बाधाएं खड़ी कीं, जबकि अब डबल इंजन सरकार तेजी से विकास कार्यों को आगे बढ़ा रही है। उन्होंने कहा कि रेल, सड़क, कृषि और मत्स्य पालन से जुड़ी नई परियोजनाएं राज्य की अर्थव्यवस्था को मजबूती देंगी और ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर बढ़ाएंगी। मोदी ने कहा कि औपनिवेशिक शासन और विभाजन के दौरान बंगाल ने अत्यंत कठिन दौर देखा। वर्ष 1946 के कोलकाता हिंसा और नोआखाली दंगों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि राज्य ने भारी पीड़ा और बलिदान झेले, लेकिन अपनी सांस्कृतिक पहचान और अस्मिता को बचाए रखा। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल का गठन उन प्रयासों का परिणाम था, जिनके कारण पूरे बंगाल को भारत से अलग करने की साजिश सफल नहीं हो सकी। प्रधानमंत्री ने कांग्रेस पर विभाजन के समय बंगाल की उपेक्षा करने का आरोप लगाया और कहा कि बाद के वर्षों में तुष्टिकरण की राजनीति ने राज्य को नुकसान पहुंचाया। उन्होंने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के योगदान को भी राजनीतिक कारणों से पर्याप्त सम्मान नहीं दिया गया। उन्होंने कहा कि गुरुदेव रवींद्रनाथ ठाकुर, बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय, स्वामी विवेकानंद, नेताजी सुभाषचंद्र बोस और ईश्वरचंद्र विद्यासागर जैसी महान विभूतियों की धरती पर दशकों तक ऐसी नीतियां लागू की गईं, जिन्होंने राज्य की मूल पहचान को कमजोर किया। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य को अवैध घुसपैठियों का अड्डा बनने दिया गया, जिससे संसाधनों और अवसरों पर दबाव बढ़ा। प्रधानमंत्री ने कहा कि वर्षों के कुशासन के कारण बड़े उद्योगों का पलायन हुआ, छोटे उद्योग बंद होते गए और युवाओं के रोजगार के अवसर कम हुए।

परभणी में निर्माणाधीन हनुमान मंदिर का एक हिस्सा गिरने से चार की मौत, 18 घायल

मुंबई (हि.स.)। महाराष्ट्र के परभणी जिले के मानवत तहसील स्थित यशवाड़ी में शनिवार को निर्माणाधीन हनुमान मंदिर की छत का एक हिस्सा गिर जाने से चार लोगों की मौत हो गई और करीब 18 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी घायलों को इलाज के लिए नजदीकी अस्पतालों में भेजा जा गया है। मौके पर जिलाधिकारी की टीम और पुलिस राहत और बचाव कार्य जारी है। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय विधायक राजेश तुपेकर मौके पर पहुंचे और राहत और बचाव कार्य शुरु किया। इसके बाद राजेश तुपेकर ने पत्रकारों को बताया कि इस घटना में अब तक चार लोगों की मौत हो गई है और 18 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। सभी का इलाज स्थानीय अस्पताल में हो रहा है। घटनास्थल पर भी ग्रामीण और जिलाधिकारी की टीम राहत और बचाव कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने घटना पर दुख जताते हुए कहा कि परभणी जिले के यशवाड़ी में बन रहे हनुमान मंदिर की छत का एक हिस्सा गिरने से हुए दुखद हादसे में कुछ श्रद्धालुओं की मौत हो गई है।

N0.SCDB/15th FC-504/PM/2020-21/16 *Dated: 9/06/2026*

SHORT NOTICE INVITING TENDER

Sealed tender affixing a non refundable court fee stamp of Rs, 8.25 (Rupees eight & twenty five palse) only with a validity period of 180 days, which will subsequently to be converted and drawn up in the printed F-2 form are invited from the registered contractors of Class -I (ABC), Class- II and Class- III category of Assam PWD (Roads & Building),according to ,their eligibility for submitting tenders for the works under 15"' FC (Tied & untied Grant) for the year 2024-25 during 2025-26 as stated below. The tenders will be received by the undersigned up to 1.30 PM on 30/06/202G and will be opened on the same date & place at 2.PM.

SL No.	Name of works	Estimate Amount	Tender Value	Time of completion
1	Const, of Community Toilet at Gossaigaon Club,	Rs. 11.00.000/-	Rs. 11,00.000/-	3 month
2	Const, of Community Toilet at Surabastl Brahma Mandlf at No. 1 Bhagyapur.	Rs. 11,00,000/-	Rs.l 1,00,000/-	3 month
3	Const, of Community Toilet at Gwbwrki Daily Bazar.	Rs. 11,00,000/-	Rs. 11,00,000/-	3 month
4	Const, of Community Toilet at Singreb Dwisa Raijw Jptumsali,	Rs. 11,00,000/-	Rs. 11,00,000/-	3 month
5	Const, of Community Toilet at Runtkhata Bathou Biap.	Rs. 11,00,000/-	Rs. 11,00,000/-	3 month
6	Installation of Drinking water supply at Bwripara village at Ananda BGtni VCDC.	Rs. 10,00,000/-	Rs. 10,00,000/-	3 month
7	Installation of Drinking water supply at North Khayerbari near Lama house at Malivita VCDC.	Rs. 10,00,000/-	Rs. 10,00,000/-	3 month
8	Installation of Drinking water supply at Jonata Gwjwnpuri village at Ananda Betni VCDC.	Rs. 10,00,000/-	Rs. 10,00,000/-	3 month
9	Installation of Drinking water supply at Chachipur Urang Basti at Malivita VCDC.	• Rs. 10,00,000/-	Rs. 10,00,000/-	3 month
10	Installation of Drinking water supply at Gwjwnpuri at MalivitaVCDC.	Rs. 10,00,000/-	Rs,10,00,000/-	3 month
11	Installation of Drinking water supply at Joypur village near Chereal house at Malivita VCDC.	Rs. 10,00,000/-	Rs. 10,00,000/-	3 month
12	Const, of road with CC Block road from Demdema to No.2 Gorsingpara LP Schooi village.	Rs. 15,00,000/-	Rs. 15,00,000/-	3 month
13	Imp. of road with Const, of 2 Cell Culvert at No.1 Kagrabari.	Rs. 19,00,000/-	Rs. 19,00,000/-	3 month

Details NIT may be seen in all working days during office-hours-in the office of the undersigned. Tender-papers will be issued to the contractors or their authorized representatives from 9/06/2026 to 30/06/2026 irt the office of the undersigned on payment of .03% cost of tender paper in the form of demand draft from any Nationalized Bank duly pledged in favour of the Principal Secretary, BTC, Kokrajhar, Payable at Kokrajhar.

Sd/-
Block Dev. Officer
Sidli-Chirang Dev. Block, Sidli

IPR(BTC)/C/2026-27/604

बांग्लादेश में कट्टरपंथियों ने 81 फुट ऊंची श्रीराम प्रतिमा का निर्माण रोका

विरोध में सड़कों पर उतरे हजारों हिंदू

ढाका। बांग्लादेश की राजधानी ढाका में शुक्रवार रात हजारों हिंदू सड़कों पर उतर आए। प्रदर्शनकारियों ने मशाल जुलूस निकालकर उत्तरी बांग्लादेश के गैबांधा जिले में प्रस्तावित विशाल श्रीराम प्रतिमा परियोजना को रोकने के फैसले का विरोध किया। शाहबाग से नेशनल प्रेस क्लब तक निकाले गए मार्च में *जय श्रीराम* के नारे गूंजे। प्रदर्शन में विभिन्न हिंदू संगठनों, छात्रों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने हिस्सा लिया। विवाद का केंद्र गैबांधा जिले के पलाशबाड़ी क्षेत्र में बन रही 81 फुट ऊंची भगवान श्रीराम की प्रतिमा है। परियोजना में 53 फुट ऊंची भगवान कृष्ण और 30 फुट ऊंची भगवान शिव की प्रतिमा भी प्रस्तावित थी। करीब 22 करोड़ बांग्लादेशी टका की लागत वाले इस प्रोजेक्ट की शुरुआत 2025 में निजी फंडिंग से की गई थी। परियोजना का संचालन स्थानीय मंदिर समिति द्वारा किया जा रहा था। मंदिर समिति का आरोप है कि कुछ कट्टरपंथी इस्लामी संगठनों ने परियोजना का विरोध किया और निर्माण कार्य रोकने के लिए दबाव बनाया। हिंदू संगठनों का यह भी दावा है कि विरोध प्रदर्शन के दौरान भगवान राम की तस्वीर का अपमान किया गया और उसे नुकसान पहुंचाया गया। प्रदर्शनकारियों ने सरकार को 72 घंटे का अल्टीमेटम देते हुए मांग की है कि दोषियों को तुरंत गिरफ्तार किया जाए। राम प्रतिमा परियोजना को फिर से शुरू कराया जाए। हिंदू धार्मिक स्थलों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए। धार्मिक अल्पसंख्यकों के अधिकारों की रक्षा की जाए। संगठनों ने चेतावनी दी है कि मांगें पूरी नहीं होने पर देशव्यापी आंदोलन चलाया जाएगा। विरोध कर रहे कुछ इस्लामी संगठनों, जिनमें इमाम-उलमा परिषद का नाम भी सामने आया है, ने परियोजना की फंडिंग पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने मांग की है कि इसकी वित्तीय जांच कराई जाए और यह पता लगाया जाए कि धन कहां से आया।

पृष्ठ एक का शेष

होर्मुज फिर से...

अमल करने की योजना बना रहे हैं। वहीं एक दूसरी न्यूज एजेंसी ने एक रिपोर्ट में कहा है कि प्रतिनिधिमंडल कुछ ही मिनटों में स्विट्जरलैंड के लिए रवाना होगा। प्रवक्ता ने यह भी कहा कि अगर अमेरिका अपने वादों को पूरा करने से इनकार करता है, तो ईरान जरूरी कदम उठाकर जवाब देगा।

यूरोपीय संघ ने असम ...

के बीच गहन संबंधों के लिए शुभ संकेत है... इस दिशा में आगे बढ़ने में सहयोग देने के लिए भारत में यूरोपीय संघ के राजदूत, महामहिम हरवे डेल्फिन के प्रति हम आभारी हैं। इस महीने की शुरुआत में, यूरोपीय संघ के एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने व्यापार और व्यवसाय के लिए राज्य के साथ अधिक जुड़ाव की संभावनाओं का पता लगाने और समावेशी और टिकाऊ विकास को बढ़ावा देने के लिए संयुक्त परियोजनाओं के लिए दो दिवसीय दौरे पर असम का दौरा किया। इस यात्रा के दौरान असम औद्योगिक विकास निगम लिमिटेड और फेडरेशन ऑफ यूरोपियन बिजनेस इन इंडिया के बीच निवेश जागरूकता, बी2बी और बी2जी संबंधों और ज्ञान के आदान-प्रदान को बढ़ावा देने के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर भी हस्ताक्षर किए गए। फेसबुक लाइव पर बोलते हुए, शर्मा ने कहा कि यूरोपीय संघ के इस कदम से पर्यटकों का प्रवाह बढ़ेगा और उन्होंने असम के उद्यमियों से आग्रह किया कि वे होमस्टे स्थापित करके और राज्य के विविध भोजन और संस्कृति को मेहमानों के सामने पेश करके एक संपूर्ण अनुभव प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित करें। उन्होंने कहा कि हमारे राज्य में पांच सितारा होटल हैं। लेकिन यूरोपीय संघ से आने वाले पर्यटक विभिन्न प्रकार के अनुभवों की तलाश में आएंगे और हमें उन्हें वह प्रदान करने के लिए तैयार रहना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह सुनिश्चित करने के प्रयास जारी हैं कि संयुक्त राज्य अमेरिका और कनाडा अपने उन नागरिकों के लिए जारी प्रतिबंधात्मक यात्रा सलाह को हटा दें जो असम की यात्रा कर रहे हैं। शर्मा ने उल्लेख किया कि प्रतिबंधात्मक सलाह तीन जिलों - चराइदेउ, शिवसागर और डिब्रुगढ़ - के लिए लागू रहेगी, जहां विवादास्पद सशस्त्र बल (विशेष शक्तियां) अधिनियम, जो सुरक्षा बलों और सेना को उग्रवाद से निपटने के लिए अपार शक्तियां प्रदान करता है, अभी भी लागू है।

असम-मेघालय सीमा ...

तहत, सर्वे ऑफ इंडिया दोनों राज्यों के बीच सीमांकन करेगा। आइए छह क्षेत्रों में सहमत सिद्धांत के अनुसार काम पूरा करें और एक बार जब सर्वे ऑफ इंडिया अपना काम पूरा कर ले और दोनों राज्य सौहार्दपूर्ण ढंग से अपनी सीमाएं निर्धारित कर लें, तो अंतिम चरण शुरू किए जा सकते हैं, शर्मा ने कहा। दोनों राज्यों के बीच सीमा पर विवाद के छह और क्षेत्र हैं। इनमें लैंगपिह, नोंगवाह-मौतमुर, देशदूमरेह, ब्लॉक 1, ब्लॉक 2 और खांडुली और सियार शामिल हैं। शर्मा ने कहा कि दोनों राज्यों ने हाल ही में कार्बी आंगलोंग क्षेत्र में एक विवाद को अस्थायी रूप से सुलझा लिया है। उन्होंने आगे कहा कि असम आगे चर्चा करने को तैयार है। ये संवेदनशील मुद्दे हैं, इसलिए हम सावधानीपूर्वक आगे बढ़ रहे हैं। ये टिप्पणियां असम और मेघालय के मुख्यमंत्रियों द्वारा गुवाहाटी में हुई बैठक के दौरान चल रही सीमांकन प्रक्रिया में तेजी लाने और विवादित क्षेत्रों के स्थायी समाधान की दिशा में काम करने पर सहमति जताने के कुछ हफ्तों बाद आई हैं। दोनों पक्षों ने लंबे समय से लंबित सीमा मुद्दे पर निरंतर संवाद जारी रखने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की थी।

कलागुरु विष्णु प्रसाद राभा ...

की भांति गहरा था। उनकी रचनाएं, आदर्श और विचारधारा पीढ़ी-दर-पीढ़ी असमिया समाज को मार्गदर्शन प्रदान करती रही हैं और आगे भी करती रहेंगी। विष्णु राभा दिवस के अवसर पर आयोजित समारोह में प्रतिष्ठित सत्रिया संस्कृति साधक मानिक बरबायन तथा विख्यात चित्रकार मधुसूदन दास को संयुक्त रूप से *विष्णु राभा पुरस्कार* से सम्मानित किया गया। वहीं, प्रख्यात साहित्यकार गीता उपाध्याय को *सती साधनी पुरस्कार* तथा जिकिर-जारी परंपरा के वरिष्ठ कलाकार मोहम्मद शामसुद्दीन अहमद को राष्ट्रीय स्तर का *आजान पीर पुरस्कार* प्रदान किया गया। मुख्यमंत्री ने सम्मानित हस्तियों की दीर्घकालीन साधना और समाज तथा संस्कृति के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान की सराहना करते हुए कहा कि उनका कार्य नई पीढ़ी के लिए प्रेरणा का स्रोत बना रहेगा। उन्होंने सभी पुरस्कार प्राप्तकर्ताओं को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं भी दीं।

असम के 18.60 लाख किसानों ...

हस्तांतरित किए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनता के लिए विभिन्न परिवर्तनकारी पहलों के शुभारंभ के अवसर पर आदरणीय नरेंद्र मोदी जी के साथ आभासी रूप से जुड़कर सम्मानित महसूस कर रहा हूं। कार्यक्रम के अंतर्गत, पीएम-किसान योजना की 23वीं किस्त भी जारी की गई, जिससे असम के 18.60 लाख किसानों को 372 करोड़ रुपए का लाभ मिलेगा। प्रधानमंत्री-किसान योजना देशभर के पात्र किसान परिवारों को प्रत्यक्ष वित्तीय सहायता प्रदान करती है, जिससे उन्हें कृषि और घरेलू खर्चों को पूरा करने में मदद मिलती है। उम्मीद है कि नवीनतम किस्त आगामी कृषि सीजन से पहले किसानों को समय पर सहायता प्रदान करेगी। धनराशि जारी करना केंद्र सरकार द्वारा ग्रामीण आजीविका को मजबूत करने और प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण के माध्यम से कृषि समुदाय का समर्थन करने के लिए किए जा रहे निरंतर प्रयासों का एक हिस्सा है।

पूर्वोत्तर में आए बदलाव ...

इस अभियान में यह भी दावा किया गया कि इस अवधि के दौरान पूर्वोत्तर में 10,000 से अधिक आतंकवादियों ने आत्मसमर्पण किया है, जो केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा शुरू की गई निरंतर शांति पहलों और पुनर्वास प्रयासों की सफलता को दर्शाता है। आंकड़ों से यह भी पता चला कि 2015 से उग्रवाद से जुड़ी नागरिक मौतों में 97 प्रतिशत की गिरावट आई है और 2014 से उग्रवाद से संबंधित घटनाओं में 82 प्रतिशत की कमी आई है। अभियान सामग्री में इस परिवर्तन को *पूर्वोत्तर में शांति, प्रगति और स्थिरता* की ओर एक यात्रा के रूप में वर्णित किया गया है, साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हवाले से कहा गया है कि क्षेत्र में शांति, सुरक्षा और आर्थिक परिवर्तन उनकी सर्वोच्च प्राथमिकताओं में से रहे हैं। पिछले एक दशक में, केंद्र सरकार ने लगातार पूर्वोत्तर को भारत की विकास गाथा के एक प्रमुख चालक के रूप में महत्व दिया है, जिसके तहत सड़कों, रेलवे, हवाई अड्डों, जलमार्गों, डिजिटल कनेक्टिविटी और सीमावर्ती बुनियादी ढांचे में बड़े पैमाने पर निवेश किया गया है। असम सरकार ने बार-बार यह कहा है कि बेहतर सुरक्षा माहौल ने निवेश आकर्षित करने, पर्यटन को बढ़ावा देने और राज्य भर में बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में तेजी लाने में मदद की है, जिससे क्षेत्र में व्यापक सामाजिक-आर्थिक विकास में योगदान मिला है।

अष्टलक्ष्मी ने वैश्विक मानचित्र...

काफी दूर माने जाते थे। लेकिन आज ये राज्य भारत की विकास यात्रा के नए इंजन के रूप में उभर रहे हैं, जो समृद्धि, शक्ति और अपार संभावनाओं से भरे हुए हैं। एक आधिकारिक फैक्ट शीट के अनुसार, पिछले 12 वर्षों में पूर्वोत्तर क्षेत्र के विकास परिदृश्य में उल्लेखनीय बदलाव देखने को मिला है। यह परिवर्तन लगातार नीतिगत समर्थन, बुनियादी ढांचे के विस्तार और समावेशी विकास कार्यक्रमों के कारण संभव हुआ है। सड़क, रेल, हवाई और डिजिटल कनेक्टिविटी में सुधार ने क्षेत्र की भौगोलिक दूरी और अलगाव को कम किया है। साथ ही इससे क्षेत्रीय एकीकरण और आर्थिक पहुंच को भी मजबूती मिली है। इसी दौरान स्वच्छ पेयजल, स्वच्छता, आवास, स्वास्थ्य सेवाओं और शिक्षा तक लोगों की पहुंच में भी उल्लेखनीय सुधार हुआ है। इन बदलावों का असर शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में साफ तौर पर दिखाई दे रहा है और लोगों के जीवन स्तर में सुधार आया है। फैक्ट शीट में कहा गया है कि पूर्वोत्तर क्षेत्र अब भारत की स्वच्छ ऊर्जा परिवर्तन यात्रा और *एक्ट ईस्ट* नीति का महत्वपूर्ण स्तंभ बनकर उभरा है। यह बदलाव जलविद्युत परियोजनाओं, गैस बुनियादी ढांचे और सीमा-पार कनेक्टिविटी में किए गए निवेश की बदौलत संभव हुआ है। इन सभी प्रयासों ने अष्टलक्ष्मी को विकसित भारत के भीतर सतत और समावेशी विकास के एक मॉडल के रूप में स्थापित किया है। वर्ष 2014 से लगातार मिल रहे नीतिगत समर्थन के मार्गदर्शन में यह विकास यात्रा आगे बढ़ी है। इसमें विकास को पर्यावरणीय संवेदनशीलता, संसाधनों के कुशल उपयोग और दीर्घकालिक स्थिरता के साथ संतुलित किया गया है। पूर्वोत्तर भारत अब अवसरों और अंतर्राष्ट्रीय जुड़ाव के नए प्रवेश द्वार के रूप में अपनी पहचान बना रहा है। आज अष्टलक्ष्मी एक ऐसे क्षेत्र का प्रतीक बन चुकी है, जो पहले से अधिक जुड़ा हुआ, अधिक मजबूत और भविष्य की चुनौतियों के लिए बेहतर तरीके से तैयार है।

अब भारतीय रेलवे में बिना ...

विश्वास अधिनियम, 2026 के प्रावधानों के तहत, रेलवे अधिनियम, 1989 की धारा 137 और 138 के अंतर्गत न्यूनतम जुर्माना 20 जून, 2026 से बढ़ाकर 500 रुपए कर दिया गया है। इसमें कहा गया है कि जन विश्वास एक्ट, 2026 के प्रावधानों के अनुसार, रेलवे एक्ट, 1989 की धारा 137 और 138 के तहत कम से कम जुर्माना 20 जून 2026 से 250 रुपए से बढ़ाकर 500 रुपए कर दिया गया है। यात्रियों से अनुरोध है कि वे जुर्माना भरने से बचने के लिए वैध टिकट के साथ यात्रा करें और रेलवे के नियमों का पालन करें। खबरों के अनुसार, किसी और के टिकट पर यात्रा करने वाले यात्रियों के खिलाफ भी सख्त कार्रवाई हो सकती है। उनका टिकट जब्त कर लिया जाएगा और उन्हें किराया, अतिरिक्त शुल्क और 500 का जुर्माना भरना होगा। रेलवे अधिकारी ट्रेनों और रेलवे परिसर में बिना अनुमति सामान बेचने और भीख मांगने वालों के लिए भी सख्त सजा का प्लान बना रहे हैं। नियम तोड़ने वालों पर 2,000 का जुर्माना लग सकता है, जबकि बार-बार ऐसा करने वालों को एक साल तक की जेल हो सकती है।

पुशबैक को लेकर बीएसएफ...

उन्हें अपने क्षेत्र में प्रवेश की अनुमति नहीं दी। इसके बाद सीमा पार बड़ी संख्या में लोग इकट्ठा हो गए और दोबारा भारत में घुसने की कोशिश करने लगे। आरोप है कि इस दौरान उन्होंने भारतीय सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों पर हमला करने की कोशिश भी की। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए बीएसएफ ने सख्त रुख अपनाया। बताया जा रहा है कि इस इलाके में करीब 1200 मीटर सीमा अभी भी बिना कंटीले तार (फेंसिंग) के है, जिसका फायदा उठाकर बार-बार घुसपैठ और जमीन कब्जाने की शिकायतें सामने आती रही है। इस मामले पर स्थानीय विधायक राजू कर्मकार ने कहा कि राज्य सरकार के निर्देश पर घुसपैठियों को वापस भेजा जा रहा था, लेकिन बांग्लादेश अपने नागरिकों को स्वीकार नहीं कर रहा।

भारत कोई धर्मशाला ...

नहीं है। उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार घुसपैठियों के खिलाफ कार्रवाई कर रही है और आगे भी ऐसे मामलों में सख्ती जारी रहेगी। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने उद्धव ठाकरे की राजनीति पर भी निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि विपक्ष चुनावी लाभ के लिए गलत नीतियों का समर्थन कर रहा है। उन्होंने कहा कि देश में वास्तविक नागरिक वही हैं जो भारत में जन्मे हैं और सरकार सीमा सुरक्षा एवं आंतरिक सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। उन्होंने पश्चिम बंगाल चुनाव परिणामों का उल्लेख करते हुए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रति जनता के समर्थन को पार्टी के लिए बड़ी जिम्मेदारी बताया। शाह ने शिवसेना के आंतरिक विभाजन का उल्लेख करते हुए कहा कि अब महाराष्ट्र की राजनीति में स्थिति बदल चुकी है और *असली शिवसेना* के रूप में एकनाथ शिंदे के नेतृत्व को देखा जा रहा है। महाराष्ट्र की राजनीति में इस समय शिवसेना (यूबीटी) और शिंदे गुट के बीच टकराव जारी है और दोनों पक्षों के बीच बयानबाजी तथा संगठनात्मक गतिविधियों को लेकर तनाव बना हुआ है।

भारत में मिला सोने ...

संभावित स्थलों को चिन्हित किया है। इन जगहों में रामागिरी, जव्वकुला और चिगुरुकुंटा बिस्नाटम जैसी साइट्स शामिल हैं। हालांकि, इन सभी में जोन्नागिरी सबसे प्रमुख है, जहां अकेले ही 50 टन सोना मौजूद होने का मजबूत अनुमान जताया गया है। राज्य सरकार अब इन खनिज-समृद्ध इलाकों में आगे की खोज और उनके व्यापक विकास के लिए एक बड़ी कार्ययोजना तैयार कर रही है। इस खजाने के कमर्शियल प्रोडक्शन की तैयारियों पर बात करते हुए अधिकारियों ने बताया कि कुरनूल के जोन्नागिरी गांव में लगभग एक दशक पहले ही सोने के खनन के लिए 1,500 एकड़ जमीन आवंटित की गई थी। हालांकि, शुरुआती दौर में केवल 500 एकड़ क्षेत्र में ही खोज कार्य किया जा सका था, जहां लगभग 13 टन सोना मिलने की संभावना जताई गई थी। अब बची हुई 1,000 एकड़ जमीन पर भी जल्द ही नए सिरे से खोज का काम शुरू किया जाएगा। इस पूरे बेल्ट को मिलाकर कुल रिजर्व 50 टन के पार जाने की उम्मीद है। इस पूरी महत्वाकांक्षी परियोजना को गति देने के लिए मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू इसी महीने के अंत में आधिकारिक रूप से जोन्नागिरी गोल्ड माइनिंग के काम की शुरुआत करेंगे। भारतीय बाजार के मौजूदा समीकरणों के लिहाज से देखें तो जोन्नागिरी में मिले इस 50 टन सोने के भंडार की अनुमानित कीमत करीब 7,500 करोड़ रुपए से लेकर 9,000 करोड़ रुपए के बीच आंकी जा रही है। चूंकि सराफा बाजार में सोने के भाव रोजाना अंतर्राष्ट्रीय परिस्थितियों के हिसाब से बदलते रहते हैं, इसलिए इस खजाने की अंतिम वैल्यूएशन में थोड़ा बहुत उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है। बहरहाल, इतनी बड़ी मात्रा में सोने की उपलब्धता देश की अर्थव्यवस्था और स्थानीय रोजगार के परिदृश्य को बदलने की ताकत रखती है।

टीएमसी के खजाने पर ...

वाले बिना इस्तेमाल हुए या खाली चेक के गलत इस्तेमाल की संभावना पर चिंता जताई और चेतावनी दी कि लीडरशिप का झगड़ा सुलझने तक पार्टी के 500 करोड़ रुपए से ज्यादा के डिपॉजिट को ऑपरेट नहीं किया जाना चाहिए। इसके बाद, जयनगर से विश्वनाथ दास के नेतृत्व में 10 विधायकों के एक समूह ने गुरुवार रात बिधाननगर साइबर पुलिस स्टेशन में एक शिकायत दर्ज कराई, जिसमें एफआईआर और फंड के सोर्स की डिटेल्ड जांच की मांग की गई। बागी विधायकों की शिकायत में कहा गया है कि कुछ फंड, जो कथित तौर पर गैर-कानूनी कामों जैसे कि अपने असर का गलत इस्तेमाल, बेईमानी से फाइनेंशियल डीलिंग और पैसे के गलत कलेक्शन से आए हैं, उन्हें इन बैंक अकाउंट में भेजा और जमा किया गया होगा। इस पैटर्न से यह सही आशंका पैदा होती है कि डिजिटल प्लेटफॉर्म और ऑनलाइन बैंकिंग का इस्तेमाल ट्रांसफर और कमाई को छिपाने में मदद के लिए किया गया होगा। विधायकों ने खास तौर पर सवाल उठाया कि क्या फंड कट-मनी कलेक्शन, पब्लिक फंड के डायवर्जन या स्कैम से आया है। इस रोक ने टीएमसी के अंदर चल रही अंदरूनी लड़ाई को और तेज कर दिया है। यह सियासत की लड़ाई हाल के विधानसभा चुनावों में टीएमसी की हार के बाद शुरू हुई, जिसमें दोनों समूह पार्टी के संगठन और वित्तीय व्यवस्था पर कंट्रोल के लिए मुकाबला कर रहे थे। इस बीच, पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के वफादार विधायक कुणाल घोष ने साफ किया कि अरूप विश्वास अब कोषाध्यक्ष के पद पर नहीं हैं। अरूप विश्वास कभी पार्टी के कोषाध्यक्ष थे, लेकिन 5 जून को हुई एग्जीक्यूटिव कमेटी की मीटिंग में, यह एकमत से तय हुआ कि सुभाशीष चक्रवर्ती कोषाध्यक्ष होंगे, और वह तब से यह जिम्मेदारी निभा रहे हैं। यह विवाद टीएमसी पार्टी की ऑडिट रिपोर्ट जारी होने के कुछ दिनों बाद शुरू हुआ है, जिसमें पता चला है कि पार्टी की संपत्ति 625 करोड़ रुपए से ज्यादा हो गई है। इस फाइनेंशियल खुलासे ने फंड मैनेजमेंट को लेकर गुटों की अंदरूनी लड़ाई को और हवा दी है।

आज कुछ पल के ...

सारिका घारू ने शनिवार को इस खगोलीय घटना की जानकारी देते हुए बताया कि कर्क रेखा पर स्थित स्थानों में स्थानीय दोपहर के समय सूर्य बिल्कुल सिर के ऊपर होगा, जिससे इन स्थानों पर कुछ पल के लिए सीधे खड़े व्यक्ति या किसी खंभे की परछाई गायब हो जाएगी। इस घटना को जीरो शैडो डे कहा जाता है। उन्होंने बताया कि यह खगोलीय चमत्कार पूरे प्रदेश मे नहीं होगा, बल्कि केवल कर्क रेखा में आने वाले स्थानों पर ही सीमित रहेगा। इस दिन मध्य प्रदेश के 14 जिलों के कर्क रेखा पर स्थित नगरों एवं स्थानों पर इस घटना होगी। सारिका ने बताया कि 21 जून का यह दिवस इसलिए भी खास है कि क्योंकि यह इस साल का सबसे लंबी अवधि का दिन और सबसे छोटी रात भी रहेगी। इस दिन सूर्य उत्त्री गोलार्द्ध मे अपनी चरम सीमा पर होगा, जिसे वैज्ञानिक भाषा मे समर सॉल्सटिस कहा जाता है।

समुद में महाराष्ट्र के आठ...

आज सुबह छत्रपति संभाजीनगर के कुछ टूरिस्ट गणपतिपुले घूमने आए थे। सुबह उनमें से कुल 8 लोग समुद्र में गए थे। अचानक आई लहरों और समुद्र के पानी के अचानक बदलने की वजह से वे सभी पानी में बहने लगे। जैसे ही स्थानीय नागरिकों को पता चला कि पर्यटक समुद्र में डूब रहे हैं, लोकल लाइफगार्ड और लोग तुरंत मदद के लिए दौड़े। 8 में से 3 पर्यटकों को समुद्र से सुरक्षित निकाल लिया गया। हालांकि, बाकी 5 अभी भी लापता हैं। पुलिस और क्षेत्रीय प्रशासन के अधिकारी मौके पर पहुंच गए हैं और सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है।

बोको-छयगांव में महत्वपूर्ण सिंचाई परियोजनाओं का निरीक्षण करने पहुंचे मंत्री पीयूष हजारिका

कामरूप (हिंस)। असम सरकार के सिंचाई मंत्री पीयूष हजारिका ने शनिवार को बोको-छयगांव क्षेत्र में आधुनिकीकृत कमांड एरिया विकास (एमसीएडी) पायलट परियोजना के तहत संचालित सिंगुआ फ्लो इरिगेशन स्कीम (एफआईएस) क्लस्टर तथा सौर ऊर्जा संचालित मोबाइल लिफ्ट इरिगेशन स्कीम का निरीक्षण कर परियोजनाओं की प्रगति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान मंत्री ने परियोजना स्थलों का विस्तृत अवलोकन किया और अभियंताओं, तकनीकी विशेषज्ञों तथा संबंधित अधिकारियों के साथ चर्चा की। उन्होंने परियोजनाओं के तकनीकी पहलुओं, कार्यान्वयन प्रक्रिया, नवाचारपूर्ण विशेषताओं और संभावित लाभों के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त की। साथ ही स्थानीय किसानों और ग्रामीणों से संवाद कर उनकी अपेक्षाओं तथा अनुभवों को भी जाना। मंत्री ने भारत सरकार के जल शक्ति मंत्रालय के आधुनिकीकृत कमांड एरिया विकास (एमसीएडी) कार्यक्रम के अंतर्गत कार्यान्वित सिंगुआ एफआईएस क्लस्टर परियोजना की प्रगति की समीक्षा की। जल उपयोग दक्षता बढ़ाने और आधुनिक सिंचाई प्रबंधन प्रणाली विकसित करने के उद्देश्य से शुरू की गई यह परियोजना क्षेत्र के किसानों को बेहतर सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराकर कृषि उत्पादन बढ़ाने

में सहायक होगी। इसके अतिरिक्त उन्होंने सौर ऊर्जा संचालित मोबाइल लिफ्ट इरिगेशन स्कीम का भी निरीक्षण किया। दूरदराज और बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में कम लागत पर सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से तैयार इस अभिनव परियोजना में सौर ऊर्जा संचालित फ्लोटिंग पंप स्टेशन के माध्यम से खेतों तक प्रभावी ढंग से पानी पहुंचाने की व्यवस्था की गई है। मंत्री ने परियोजना की तकनीकी विशेषताओं और किसानों के लिए इसकी उपयोगिता के बारे में विस्तार से जानकारी ली। परियोजनाओं के समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण क्रियान्वयन पर जोर देते हुए मंत्री ने संबंधित अधिकारियों को निर्धारित समयसीमा के भीतर कार्य पूरा करने के निर्देश दिए, ताकि किसानों को जल्द से जल्द इसका लाभ मिल सके। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार किसान कल्याण, कृषि उत्पादन में वृद्धि और आधुनिक सिंचाई अवसंरचना के विकास के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। निरीक्षण कार्यक्रम में विधायक राजू मेष, सिंचाई विभाग के वरिष्ठ अधिकारी, तकनीकी विशेषज्ञ, परियोजना सलाहकार तथा स्थानीय जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

वीरांगना सती साधनी को श्रद्धांजलि, सुतिया छात्र संघ के मुख्यालय व छात्रावास का मुख्यमंत्री ने किया उद्घाटन

गुवाहाटी (हिंस)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने शनिवार को वीरांगना सती साधनी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए गुवाहाटी में सदौ असम सुतिया छात्र संघ के नवनिर्मित मुख्यालय तथा सुतिया समुदाय के मेधावी छात्र-छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य के निर्माण के उद्देश्य से स्थापित एक आधुनिक छात्रावास का उद्घाटन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए अनुकूल वातावरण तैयार कर असम के युवाओं को ज्ञान, कौशल और आत्मविश्वास से समृद्ध बनाना राज्य सरकार की प्रमुख प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने कहा कि यह छात्रावास प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक सुविधाएं उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षित, सक्षम और जागरूक युवा समाज ही विकसित असम की मजबूत नींव है। उन्होंने समाज के सभी वर्गों से शिक्षा के महत्व को समझने और नई पीढ़ी को सशक्त बनाने के लिए सामूहिक प्रयास करने का आह्वान किया। डॉ. शर्मा ने विश्वास

व्यक्त किया कि इस प्रकार की शैक्षणिक और सामाजिक पहलें सुतिया समुदाय सहित राज्य के सभी युवाओं के सर्वांगीण विकास में सहायक सिद्ध होंगी तथा उन्हें भविष्य की चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार करेंगी।

राभा दिवस पर कलागुरू को केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल की श्रद्धांजलि

गुवाहाटी (हिंस)। केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने राभा दिवस के अवसर पर महान सांस्कृतिक पुरोधा विष्णु प्रसाद राभा को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उनकी अमर रचनाएं और सांस्कृतिक चेतना असमिया समाज को पीढ़ी-दर-पीढ़ी प्रेरित और मार्गदर्शन करती रही हैं। सोनोवाल ने अपने संदेश में कहा कि कलागुरू की आभा और उनके विचार असम के राष्ट्रीय जीवन को सदैव आलोकित करते रहेंगे। उन्होंने कहा कि कला, संस्कृति, साहित्य, संगीत और सामाजिक जीवन के क्षेत्र में कलागुरू का योगदान अतुलनीय है तथा उन्हें असम की सांस्कृतिक चेतना के अग्रदूत के रूप में सदैव याद किया जाएगा।

स्वास्थ्य मंत्री ने किया विभागीय कार्यालयों का निरीक्षण, की नीट परीक्षा तैयारियों की समीक्षा

गुवाहाटी (हिंस)। असम के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री अशोक सिंघल ने शनिवार को राज्य की स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक सशक्त, आधुनिक और जनमुखी बनाने के उद्देश्य से स्वास्थ्य सेवा निदेशालय, स्वास्थ्य सेवा निदेशालय (परिवार कल्याण), राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) असम तथा चिकित्सा शिक्षा निदेशालय के कार्यालयों का दौरा कर विभिन्न विकासात्मक योजनाओं और चल रही परियोजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान मंत्री ने संबंधित विभागों के अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ विचार-विमर्श किया तथा स्वास्थ्य क्षेत्र के समग्र विकास, सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार और आम जनता तक अधिक प्रभावी स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने के लिए उठाए जा रहे कदमों की जानकारी ली। उन्होंने स्वास्थ्य सेवा निदेशालय के कार्यालय के साथ-साथ हेल्थ इमरजेंसी ऑपरेशन सेंटर की कार्यप्रणाली का भी अवलोकन किया। रविवार को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) के मद्देनजर मंत्री ने चिकित्सा शिक्षा निदेशालय के नियंत्रण कक्ष में विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों एवं पुलिस प्रशासन के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक में भाग लेकर तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने परीक्षा की पारदर्शिता, सुरक्षा और विश्वसनीयता सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक कड़े कदम उठाने के निर्देश दिए। इसके बाद मंत्री ने चिकित्सा शिक्षा निदेशालय परिसर के निकट निर्माणाधीन *स्वास्थ्य भवन* के निर्माण कार्य का भी निरीक्षण किया।

विधायक ने 500 नागा साधुओं के साथ की कामाख्या मंदिर तक पदयात्रा

गुवाहाटी (हिंस)। अंबुबासी मेला के दौरान शनिवार सुबह 9-30 बजे लगभग 500 नागा साधुओं के साथ मध्य गुवाहाटी के विधायक विजय गुप्ता ने कामाख्या गेट नर्सरी से कामाख्या मंदिर परिसर तक पदयात्रा की। यह धार्मिक पदयात्रा श्रद्धा और आस्था के वातावरण में आयोजित की गई, जिसमें बड़ी संख्या में साधु-संत शामिल हुए। पदयात्रा कामाख्या गेट से प्रारंभ होकर मंदिर परिसर तक पहुंची। विधायक विजय गुप्ता इस पदयात्रा के दौरान नागा साधुओं की सेवा की तथा उनके साथ शामिल होकर उनका साथ दिया।

लोक भवन असम ने पश्चिम बंगाल स्थापना दिवस मनाया

गुवाहाटी। *एक भारत श्रेष्ठ भारत* पहल के तहत, लोक भवन असम ने पश्चिम बंगाल स्थापना दिवस मनाया। इस कार्यक्रम में 20 जून, 1947 को राज्य के गठन को याद किया गया और भारत की सामाजिक-सांस्कृतिक एकता की भावना को प्रदर्शित किया गया। यह कार्यक्रम असम के राज्यपाल श्री लक्ष्मण प्रसाद आचार्य की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। उन्होंने असम राज्य संग्रहालय के कनकलाल बरुआ ऑडिटोरियम में आयोजित समारोह में भाग लिया और पश्चिम बंगाल के लोगों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर बोलते हुए, राज्यपाल श्री आचार्य ने पश्चिम बंगाल की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और भारत के इतिहास, साहित्य, शिक्षा, विज्ञान, आध्यात्मिकता और स्वतंत्रता आंदोलन में इसके महत्वपूर्ण योगदान

पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि राज्य ने देश की चेतना को आकार देने में अहम भूमिका निभाई है और देश की सामाजिक, सांस्कृतिक, शैक्षणिक, बौद्धिक और आर्थिक प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान देना जारी रखा है। राज्यपाल ने कहा कि पश्चिम बंगाल भारतीय पुनर्जागरण का केंद्र और स्वामी विवेकानंद, महर्षि अरबिंदो, राजा राममोहन राय, ईश्वर चंद्र विद्यासागर, रवींद्रनाथ टैगोर और नेताजी सुभाष चंद्र बोस जैसी महान हस्तियों की जन्मभूमि रहा है, जिनके योगदान ने देश को समृद्ध किया है। उन्होंने असम और पश्चिम बंगाल के बीच गहरे ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और आर्थिक संबंधों पर भी जोर दिया। *विकसित भारत* की यात्रा में पश्चिम बंगाल की निरंतर भूमिका पर भरोसा जताते हुए, राज्यपाल ने युवाओं से ज्ञान, अनुशासन, नवाचार, सेवा और देशभक्ति के मूल्यों को अपनाने का आग्रह किया। उन्होंने पश्चिम बंगाल के लोगों के लिए खुशी, समृद्धि, अच्छे स्वास्थ्य और निरंतर प्रगति की कामना की। इस अवसर पर, राज्यपाल श्री आचार्य ने *राभा दिवस* पर कलागुरु विष्णु प्रसाद राभा को पुष्पांजलि अर्पित की और असम के सांस्कृतिक पुनर्जागरण तथा राष्ट्रीय एकता में उनके अमूल्य योगदान को याद किया। इस कार्यक्रम में राज्यपाल के आयुक्त और सचिव श्री एसएस मीनाक्षी सुंदरम; नागरिक सुरक्षा के महानिदेशक, होम गार्ड्स के कमांडेंट जनरल, सीआईडी के विशेष महानिदेशक और असम पुलिस हाउसिंग कॉर्पोरेशन लिमिटेड के अध्यक्ष मुन्ना प्रसाद गुप्ता; दैनिक जुगशंख के मुख्य संपादक विकास सरकार सहित कई अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

राष्ट्रपति को मुख्यमंत्री ने दी जन्मदिवस की शुभकामनाएं

गुवाहाटी (हिंस)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु को उनके जन्मदिन पर शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया के अपने आधिकारिक हैंडल से एक पोस्ट शेयर करते हुए कहा है कि देश के प्रथम नागरिक के रूप में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का जीवन कठिन परिश्रम और लगन का अनोखा उदाहरण है। सरलता, सम्मानजनक नेतृत्व, सामाजिक न्याय के प्रति अडिग प्रतिबद्धता और समाज के वंचित-उपेक्षित वर्गों के कल्याण के लिए उनका दिल से किया गया प्रयास करोड़ों भारतीयों को प्रेरित करता आया है। उनकी दूरदर्शी मार्गदर्शन और आशीर्वाद से हमारा देश और अधिक प्रगति, समृद्धि और गौरव के शिखर पर पहुंचे। मां कामाख्या और महापुरुष श्रीमंत शंकरदेव गुरुजनों के चरणों में उनके लंबे, स्वस्थ और मंगलमय जीवन के लिए प्रार्थना करता हूं।

असमिया संस्कृति के प्रतीक थे विष्णु प्रसाद राभा

कोकराझाड़ जिला प्रशासन ने दी कलागुरु को भावभीनी श्रद्धांजलि

कोकराझाड़ (विभास)। कोकराझाड़ जिला प्रशासन द्वारा आज डीसी कांफ्रेंस हॉल में *कलागुरु* विष्णु प्रसाद राभा की पुण्यतिथि *राभा दिवस* पूरी श्रद्धा और गरिमा के साथ मनाई गई। इस अवसर पर महान सांस्कृतिक प्रतीक, क्रांतिकारी कलाकार और समाज सुधारक के जीवन और उनके योगदान को नमन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत कलागुरु विष्णु प्रसाद राभा के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि देने के साथ हुई। बोड़ोलैंड विश्वविद्यालय की सहायक प्रोफेसर दीपामणि वैश्य ने मुख्य वक्ता के रूप में उनके जीवन पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि विष्णु प्रसाद राभा एक बहुआयामी व्यक्तित्व थे। एक कलाकार, साहित्यकार, गायक, संगीतकार, नाटककार, अभिनेता, नर्तक और क्रांतिकारी विचारक के रूप में उनका योगदान असमिया सांस्कृतिक पुनर्जागरण में अद्वितीय है। उनके विचार और आदर्श आज भी लाखों लोगों के लिए प्रेरणा के स्रोत बने हुए हैं। स्मृति सभा में *नाहोर* समूह के सदस्यों ने *राभा संगीत* की समूह प्रस्तुति देकर कलागुरु की संगीतमय विरासत को याद किया। इसके साथ ही मलय डेका, दीप्ति तालुकदार, चित्रा दास भौमिक सहित अन्य सदस्यों ने कविता पाठ कर कार्यक्रम में भावपूर्ण वातावरण का संचार किया। इस अवसर पर कोकराझाड़ के अतिरिक्त उपायुक्त (एडीसी) अनीस रसूल मजूमदार, कृष्ण डेका, हिमाद्रि शेखर बोरदोलोई, पलाश राजकुमार होम, सहायक आयुक्त शुभम सिन्हा, नम्रता बरुआ सहित जिला प्रशासन के अन्य अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

एएसआरएलएम, एवाईयूएसएच विभाग के साथ मिलकर पूरे ग्रामीण असम में मनाएगा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

गुवाहाटी। असम राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन (एएसआरएलएम) पंचायत और ग्रामीण विकास विभाग, असम सरकार के एवाईयूएसएच विभाग के साथ मिलकर, 21 जून 2026 को पूरे असम में स्वयं-सहायता समूह (एसएचजी) के सदस्यों की सक्रिय भागीदारी के साथ अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाएगा। जहां गुवाहाटी में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का मुख्य कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा, जिसमें भारत सरकार की माननीय केंद्रीय वित्त और कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण और असम के माननीय मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्वा शर्मा शामिल होंगे, वहीं पीएंडडी मंत्री अतुल बोरा गोलाघाट में योग कार्यक्रम में भाग लेंगे। राज्य-व्यापी इस पहल का उद्देश्य एसएचजी सदस्यों और उनके परिवारों के बीच स्वस्थ जीवन शैली के एक अभिन्न अंग के रूप में योग को बढ़ावा देना है, जिससे ग्रामीण समुदायों में शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक कल्याण को बढ़ावा मिल सके। इस आयोजन के हिस्से के रूप में, 23, 498 गांवों में 37, 383 स्थानों पर योग सत्र आयोजित किए जाएंगे, जिसमें 32, 19, 898 एसएचडी सदस्यों के भाग लेने की उम्मीद है। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की तैयारी के लिए, एवाईयूएसएच विभाग ने एसएचजी सदस्यों के लिए बुनियादी योग आसनों वाला एक *कॉमन योग प्रोटोकॉल* तैयार किया है, और राज्य भर के एसएचजी सदस्य 1 जून 2026 से इस प्रोटोकॉल का अभ्यास कर रहे हैं। एवाईयूएसएच विभाग ने राज्य भर में योग गतिविधियों को बड़े पैमाने पर लागू करने में मदद के लिए क्षमता-निर्माण सहायता, प्रशिक्षित संसाधन व्यक्ति और आवश्यक उपकरण व सामग्री भी उपलब्ध कराई है। यह आयोजन एएसआरएलएम की समग्र सशक्तिकरण के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है, जिसमें महिलाओं के समूहों और ग्रामीण आजीविका को मजबूत करने के अपने चल रहे प्रयासों के साथ स्वास्थ्य और कल्याण संबंधी पहलों को एकीकृत किया गया है। इस संयुक्त प्रयास के माध्यम से, एएसआरएलएम, एवाईयूएसएच विभाग एसएचजी सदस्यों को योग को नियमित अभ्यास के रूप में अपनाने के लिए प्रोत्साहित करना और पूरे ग्रामीण असम में स्वस्थ समुदायों को प्रेरित करना चाहते हैं।

धुबड़ी में मुख्यमंत्री पोषण प्रकल्प के तहत संप्रीति भोजन सप्ताह का आयोजन संपन्न

धुबड़ी (विभास)। असम सरकार के *मुख्यमंत्री पोषण प्रकल्प* के तहत संप्रीति भोजन सप्ताह 2023 के अवसर पर धुबड़ी गर्ल्स एकेडमी उच्च विद्यालय में बुधवार को एक विशेष सामुदायिक भोजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. हेमंत विश्व शर्मा के निर्देशानुसार राज्य भर में आयोजित इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्राओं, शिक्षकों, अभिभावकों और समाज के विभिन्न स्तर के लोगों के बीच सद्भावना समानता और सामाजिक एकता का संदेश पहुंचाना था। विद्यालय परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम में छात्राओं ने बड़े उत्सव के साथ भाग लिया। विद्यालय के अध्यक्ष हेमेंद्र नाथ राय ने इस कार्यक्रम का उद्घाटन किया और संप्रीति भोजन सप्ताह के महत्व पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि इस तरह के कार्यक्रम से शिक्षक संस्थानों में आपसी सद्भावना और सामाजिक बंधनों को और मजबूत करते हैं। कार्यक्रम में विद्यालय प्रबंधन समिति के विशेष सदस्य पीयूष कांति दत्त, वरिष्ठ पत्रकार प्रणबाशीष राय सहित कई जाने मान्य व्यक्ति उपस्थित थे। कार्यक्रम में मौजूद कई अन्य वक्ताओं ने कहा कि संप्रीति भजन केवल एक खाद्य कार्यक्रम नहीं है, बल्कि यह सामाजिक सद्भावना पारंपरिक श्रद्धा और एकता का एक प्रतीक है। इसके अलावा वहीं पीजूष कांति दत्त ने कहा कि सरकार की यह पहला छात्रों, शिक्षकों, अभिभावकों और जगरूक नागरिकों को एक साथ लेकर मध्याह्न भोजन योजना के बारे में फीडबैक साजा करने का एक महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करती है। वरिष्ठ पत्रकार प्रणबाशीष राय के अनुसार यह उत्सव विद्यालय की छात्राओं शिक्षकों को प्रबंधन समिति और समाज के विभिन्न वर्गों के बीच समन्वय और सोहार्द का एक मिलन स्थल है।

धुबड़ी : राम दिवस के साथ निर्मल प्रभा बरदलै दिवस मनाया गया

धुबड़ी (विभास)। धुबड़ी शहर मैं स्थित एक नंबर वार्ड में धुबड़ी गर्ल्स एकेडमी हाईस्कूल में भव्य कार्यक्रम के साथ-साथ राम दिवस और डॉ. निर्मल प्रभा बरदलै दिवस का आयोजन किया गया। इससे पहले सुबह विष्णु राभा और डॉक्टर निर्मल प्रभा बरदलै के प्रतिमा पर माल्यार्पण करने के साथ-साथ सभा, संगीत और कविता पाठ सहित विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इसके अलावा उक्त दिवस के अवसर पर एक खुली बैठक आए जनसभा भी आयोजन किया की गई तथा इस सभा में *महाभारत की कहानी* नामक पुस्तक का विमोचन किया गया।

एआई पर डब्लूपीयू गोवा ने उच्च शिक्षा में कई विषयों की जानकारी होने की वकालत की

गुवाहाटी। जैसे-जैसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और तेजी से बदलते तकनीकी परिदृश्य दुनियाभर के उद्योगों को नया आकार दे रहे हैं, विश्वविद्यालयों को छात्रों को सिर्फ उनकी पहली नौकरी के लिए तैयार करने से आगे सोचना होगा। इसके बजाए संस्थानों को छात्रों को इस तरह सक्षम बनाना चाहिए ताकि वे अपने जीवन में करियर के विभिन्न बदलावों और पड़ावों को सफलतापूर्वक संभाल सकें, ऐसा वर्ल्ड पीस यूनिवर्सिटी (डब्लूपीयू) गोवा में आयोजित *ओपन हाउस* में वक्ताओं ने कहा। इस ओपन हाउस का आयोजन 20 जून को हुआ था। इस कार्यक्रम में भविष्य की उच्च शिक्षा और एक बेहद अप्रत्याशित होती दुनिया में विश्वविद्यालयों से बदलती अपेक्षाओं पर चर्चा के लिए भावी छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों को एक साथ लाया गया। इस बातचीत के केंद्र में डब्लूपीयू गोवा का *ट्रांसडिसिप्लिनरी* शिक्षा मॉडल था। यह मॉडल किसी एक विषय की गहराई को विभिन्न क्षेत्रों में सोचने, बदलाव के अनुकूल ढलने और वास्तविक दुनिया की जटिल चुनौतियों का समाधान करने की क्षमता के साथ जोड़ने का प्रयास करता है। वाइस चांसलर प्रोफेसर वाल्टर लील ने कहा, डब्ल्यूपीयू गोवा की स्थापना एक ट्रांसडिसिप्लिनरी दृष्टिकोण के साथ की जा रही है, जो फैकल्टी और छात्रों को किसी एक विषय की सीमाओं से परे सोचने और जुड़ने के लिए प्रोत्साहित करता है। यहां पढ़ाई के साथ-साथ व्यावहारिक अनुभव, उद्योग से जुड़ाव, वैश्विक दृष्टि और खुद से सीखने परपर जोर दिया जाता है। इसका मकसद छात्रों को इस तरह तैयार करना है कि वे जीवन भर सीखते रहें, हर परिस्थिति में ढल सकें और नेतृत्व कर सकें। इसके अलावा, यह शिक्षा छात्रों के लिए निजी और सरकारी दोनों क्षेत्रों में अच्छे करियर के रास्ते भी खोलती है, ताकि वे अपनी सीख का सही उपयोग कर सकें। डब्लूपीयू गोवा के प्रो-वाइस चांसलर डॉ. आशीष भारद्वाज ने कहा कि विश्वविद्यालय अब यह मानकर नहीं चल सकते कि छात्रों को उनकी पहली नौकरी के लिए तैयार कर देना ही काफी है। इससे भी अधिक महत्वपूर्ण सवाल यह है कि क्या हम छात्रों को उन कई बदलावों, संक्रमणों और अवसरों के लिए तैयार कर रहे हैं जिनका सामना वे अपने पूरे जीवन में करेंगे। भविष्य केवल विशेषज्ञों का नहीं है, बल्कि उन लोगों का है जो निरंतर सीख सकते हैं, विभिन्न क्षेत्रों के विचारों को आपस में जोड़ सकते हैं।

केएएसी 23 जून को अपना 75वां स्थापना दिवस मनाएगा

डिफू। कार्बी आंग्लांग स्वायत्त परिषद (केएएसी) 23 जून, 2026 को अपना 75वां स्थापना दिवस (प्लैटिनम जुबली) मनाएगी। यह कार्यक्रम रंगसिना सरपो अहोंगजाई, तारालांग्सो, डिफू और केएएसी सचिवालय, डिफू में कई औपचारिक, सांस्कृतिक और यादगार कार्यक्रमों के साथ आयोजित किया जाएगा। यह आयोजन भारत के संविधान की छठी अनुसूची के तहत लोकतांत्रिक स्व-शासन के 75 वर्षों का प्रतीक होगा। दिन के कार्यक्रमों की शुरुआत सुबह 8 बजे रंगसिना सरपो अहोंगजाई, तारालांग्सो, डिफू में परिषद के 75वें स्थापना दिवस स्थल और केएएसी सचिवालय, डिफू में राष्ट्रीय ध्वज फहराने के साथ होगी। सुबह 8-30 बजे, रंगसिना सरपो अहोंगजाई, तारालांग्सो और डिफू शहर में उनकी मूर्तियों वाले निर्धारित स्थानों पर कार्बी हस्तियों- सेमसन सिंग इंगती, खोरसिंग तेरंग और सारसिंग तेरोन (लांगकुंग हेबे) को श्रद्धांजलि दी जाएगी। मुख्य खुला सत्र सुबह 11 बजे कार्बी आंग्लांग स्वायत्त परिषद, डिफू के अध्यक्ष राजू टिसो की अध्यक्षता में आयोजित किया जाएगा। केएएसी के मुख्य कार्यकारी सदस्य और 111-रोंगखांग (एसटी) एनएसी के विधायक डॉ. तुलिराम रंग्हांग मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम में शामिल होंगे, जबकि लोकसभा 6-डिफू (एसटी) संसदीय क्षेत्र के सांसद अमरसिंग टिसो सम्मानित अतिथि के रूप में कार्यक्रम की शोभा बढ़ाएंगे। इस कार्यक्रम में केएएसी के डिप्टी चेयरमैन अभिजीत क्रो; वेस्ट कार्बी आंग्लांग के लांगसिंग रंग्हांग, कार्बी रिचो, रंग अराक और रंग्हांग रंगबंग, 108-बोकाजन (एसटी) एलएसी के एमएलए सुरिया रोंगफार, 109-हावराघाट (एसटी) एनएसी के एमएलए लुनसिंग टेरॉन, 110-डिफू (एससी) एलएसी की एमएलए निशो तेरंग्पी और 112-अमरी (एससी) एलएसी के एमएलए डॉ. हैबी टेरॉन विशेष सम्मानित अतिथि के तौर पर शामिल होंगे। इसके अलावा, केएएसी के एग्जीक्यूटिव मेंबर और मेंबर; कार्बी आंग्लांग और वेस्ट कार्बी आंग्लांग के डिप्टी कमिश्नर और पुलिस सुपरिटेंडेंट; पूर्व चेयरमैन, डिप्टी चेयरमैन, चीफ एग्जीक्यूटिव मेंबर, एग्जीक्यूटिव मेंबर, ऑटोनॉमस काउंसिल के मेंबर, सांसद, विधायक, जाने-माने लोग, अलग-अलग बोर्ड और शहरी स्थानीय निकायों के चेयरमैन और वाइस चेयरमैन, प्रतिष्ठित नागरिक और सामाजिक व छात्र संगठनों के प्रतिनिधि भी इस जश्न में शामिल होंगे। शाम 5 बजे स्वर्गीय सुम रंग्हांग की याद में एक सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया जाएगा। वे संस्कृति को आगे बढ़ाने वाले, एआईआर कलाकार, केएएसी के पूर्व चीफ एग्जीक्यूटिव मेंबर और असम के पूर्व कैबिनेट मंत्री थे। इस सांस्कृतिक कार्यक्रम में कार्बी फीचर फिल्म *टीएएसएएम* की स्क्रीनिंग भी होगी। यह जश्न शाम 6:00 बजेकेएएसी सचिवालय भवन और कार्बी आंग्लांग ऑटोनॉमस काउंसिल के प्रशासनिक नियंत्रण वाले सभी सरकारी कार्यालयों में रोशनी किए जाने के साथ समाप्त होगा। 75वें स्थापना दिवस समारोह में बड़ी संख्या में गणमान्य व्यक्तियों, जन प्रतिनिधियों, अधिकारियों और नागरिकों के शामिल होने की उम्मीद है। यह कार्बी आंग्लांग ऑटोनॉमस काउंसिल की समृद्ध विरासत और इस क्षेत्र में स्व-शासन और विकास को मजबूत करने की निरंतर यात्रा को दर्शाता है।

संपादकीय

एक थोपे युद्ध का अंत

दुनिया ने राहत की सांस महसूस की होगी! आर्थिक मंदी, ऊर्जा-खाद्य संकट और तबाही की भयावहता अब नहीं डराएगी। ईरान का 47 साल लंबा वैश्विक वनवास और पाबंदियां अब समाप्त होंगी। होर्मुज जलडमरूमध्य मार्ग से ईरान के 11 जहाज कच्चा तेल लेकर गुजरे। कतर की एलएनजी के टैंकर, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात के जहाज भी गुजरने लगे हैं! युद्ध से पहले जो होर्मुज था, उसका वही स्वरूप और रास्ता खुलने लगा है। अमरीका ने भी होर्मुज-ओमान खाड़ी में अपनी सैन्य नाकेबंदी हटा ली है। अमरीकी सेनाएं भी धीरे-धीरे लौट जाएंगी। यह अमरीका-ईरान के बीच समझौते के मसविदे पर हस्ताक्षर कर सहमति देने के बाद के माहौल, उल्लास, निष्कंटक आवाजाही के दृश्य हैं। अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप ने पेरिस के 'वर्साय पैलेस' में, जी-7 सम्मेलन के दौरान ही, समझौते के दस्तावेज पर हस्ताक्षर किए और फिर ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने दस्तखत किए। इसी के साथ 110 दिन से जारी ईरान युद्ध समाप्त हो गया। बमबारी, मिसाइल, ड्रोन की भयानक आवाजें, विस्फोट, आग की लपटें और धुआं, अंततः विध्वंस का दौर थम गया। मानवता जिंदा रह सकेगी, फिलहाल यह तय किया गया है। अब आगे के 60 दिन वार्ताओं के दौर जारी रहेंगे। अंतिम समाधान और सहमति तय की जाएगी, लेकिन यह निश्चित है कि राष्ट्रपति ट्रंप अब युद्ध का आदेश नहीं देंगे। इस युद्ध ने उनकी कई गलतफहमियां दूर की हैं, युद्ध के बारे में वह आत्ममंथन कर रहे होंगे, शायद क्यूबा को भी बख्श देंगे और इस निष्कर्ष पर पहुंचेंगे कि हरेक देश वेनेजुएला नहीं होता। यह युद्ध-समाप्ति बेहद त्रासद रही है, क्योंकि कुल 7500 से अधिक मौतें हुईं। पेंटागन और ईरान वॉर कॉस्ट ट्रैकर के मुताबिक, दोनों देशों को करीब 162 लाख करोड़ रुपए का नुकसान झेलना पड़ा है। दुनिया के वे देश, जिनका युद्ध से प्रत्यक्ष संबंध नहीं था, उन्हें भी करीब 112 लाख करोड़ रुपए की चपत लगी। खाड़ी देशों को करीब 194 अरब डॉलर का नुकसान ही झेलना नहीं पड़ा, बल्कि करीब 36 लाख नौकरियां/रोजगार खत्म हो गए। करीब 40 लाख लोग गरीबी-रेखा के नीचे जाने को विवश हुए। अमरीका-इजरायल ने ईरान पर करीब 2500 हमले किए और उसे खंडहर बना दिया। अकेले ईरान को करीब 30 लाख करोड़ रुपए का नुकसान हुआ और अमरीका को भी करीब 10.64 लाख करोड़ रुपए फूंकने पड़े। उसकी 10 लाख करोड़ रुपए की मिसाइलें और ड्रोन ईरान ने तबाह कर दिए। अमरीका के 15 सैनिक भी मारे गए और खाड़ी देशों में उसके सैन्य ठिकानों को भी नष्ट कर दिया गया है। 'सुपर पॉवर' की छवि, बेशक, खंडित हुई है। यह माना जा सकता है कि राष्ट्रपति ट्रंप को इस समझौते के लिए तैयार होना पड़ा, कदाचित झुकना पड़ा। उन्होंने जी-7 बैठक के दौरान यह स्वीकार कर सभी को चौंका दिया कि चार सप्ताह में रिजर्व खत्म हो जाते। दुनिया भर के रिजर्व भी खत्म हो जाते। तेल-गैस खत्म हो जाते, तो दुनिया में अराजकता फैल जाती। महत्वपूर्ण और घातक हथियारों के भंडार भी खत्म हो रहे थे। उन्हें आगामी तीन सालों में भी भरा नहीं जा सकता। आर्थिक मंदी मंडरा कर डराने लगी थी, लिहाजा युद्ध समाप्त करने के अलावा, कोई और विकल्प नहीं था। बेशक ईरान के 3 परमाणु स्थल और 5 मिसाइल सेंटर क्षतिग्रस्त हुए। देश के सुप्रीम लीडर खामेनेई समेत 40 शीर्ष चेहरे और कमांडर आदि मारे गए, लेकिन ईरान बिखरा नहीं! हुकूमत के प्रति जुड़ाव रहा और दुश्मन का कड़ा विरोध किया। बेशक ईरान का एक बड़ा हिस्सा 'कब्रिस्तान-सा' हो गया, फिर भी ईरान इस युद्ध का 'सिकंदर' बनकर उभरा है। उसकी नैतिक जीत हुई है, क्योंकि अमरीका-इजरायल के जो भी मकसद और मंसूबे थे, वे अधूरे रहे, धराशायी हो गए। ईरान का परमाणु कार्यक्रम यथावत है, संवर्धित यूरेनियम उसके पास सुरक्षित है, अलबत्ता उसने परमाणु हथियार न बनाने की जरूर घोषणा की है। यह बड़े खामेनेई का आदेश भी था। अब ईरान औसतन 15 लाख बैरल कच्चा तेल हररोज बेच सकेगा। भारत जैसे बड़े ग्राहक देश के साथ नया करार कर सकेगा। उसकी जब्त संपत्तियां भी जारी होंगी। अमरीका और खाड़ी देशों की कंपनियां पुनर्निर्माण के लिए 28 लाख करोड़ रुपए से अधिक, 300 अरब डॉलर, का फंड बनाएंगी। ईरान अब खाड़ी का नया 'बॉस' होगा, क्योंकि अमरीकी सुरक्षा से खाड़ी देशों का मोहभंग हो चुका है। बहरहाल फिर भी स्थायी शांति की दरकार है।

> ईरान का 47 साल लंबा वैश्विक वनवास और पाबंदियां अब समाप्त होंगी। होर्मुज जलडमरूमध्य मार्ग से ईरान के 11 जहाज कच्चा तेल लेकर गुजरे। कतर की एलएनजी के टैंकर, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात के जहाज भी गुजरने लगे हैं। युद्ध से पहले जो होर्मुज था, उसका वही स्वरूप और रास्ता खुलने लगा है। अमरीका ने भी होर्मुज-ओमान खाड़ी में अपनी सैन्य नाकेबंदी हटा ली है। अमरीकी सेनाएं भी धीरे-धीरे लौट जाएंगी। यह अमरीका-ईरान के बीच समझौते के मसविदे पर हस्ताक्षर कर सहमति देने के बाद के माहौल, उल्लास, निष्कंटक आवाजाही के दृश्य हैं। अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप ने पेरिस के 'वर्साय पैलेस' में, जी-7 सम्मेलन के दौरान ही, समझौते के दस्तावेज पर हस्ताक्षर किए और फिर ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने दस्तखत किए। इसी के साथ 110 दिन से जारी ईरान युद्ध समाप्त हो गया। बमबारी, मिसाइल, ड्रोन की भयानक आवाजें, विस्फोट, आग की लपटें और धुआं, अंततः विध्वंस का दौर थम गया।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 ने इस सोच को नई दिशा प्रदान की

आँगनवाड़ी प्रणाली का बदलता स्वरूप और भारत का भविष्य

डॉ. प्रियंका सौरभ

> वैज्ञानिक शोध बताते हैं कि बच्चे के मस्तिष्क का लगभग 85 प्रतिशत विकास छह वर्ष की आयु तक हो जाता है। यही वह अवस्था है जब पोषण, स्वास्थ्य, भाषा, सामाजिक संपर्क और सीखने के अनुभव उसके संपूर्ण जीवन की दिशा निर्धारित करते हैं। इसलिए प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा (ECCE) को आज मानव विकास और आर्थिक प्रगति का सबसे महत्वपूर्ण आधार माना जाता है। भारत में लंबे समय तक आँगनवाड़ी व्यवस्था का प्रमुख उद्देश्य बच्चों को कुपोषण, बीमारी और मृत्यु के जोखिम से बचाना था। एकीकृत बाल विकास सेवा (ICDS) कार्यक्रम के अंतर्गत स्थापित आँगनवाड़ी केंद्रों ने लाखों बच्चों और माताओं को पोषण, टीकाकरण तथा स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान कर बाल मृत्यु दर और कुपोषण को कम करने में उल्लेखनीय योगदान दिया।

किसी भी राष्ट्र की वास्तविक शक्ति उसके प्राकृतिक संसाधनों या भौतिक संपदा में नहीं, बल्कि उसकी मानव पूंजी में निहित होती है। मानव पूंजी का निर्माण जन्म के बाद नहीं, बल्कि जीवन के प्रारंभिक वर्षों से ही आरम्भ हो जाता है। वैज्ञानिक शोध बताते हैं कि बच्चे के मस्तिष्क का लगभग 85 प्रतिशत विकास छह वर्ष की आयु तक हो जाता है। यही वह अवस्था है जब पोषण, स्वास्थ्य, भाषा, सामाजिक संपर्क और सीखने के अनुभव उसके संपूर्ण जीवन की दिशा निर्धारित करते हैं। इसलिए प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा (ECCE) को आज मानव विकास और आर्थिक प्रगति का सबसे महत्वपूर्ण आधार माना जाता है। भारत में लंबे समय तक आँगनवाड़ी व्यवस्था का प्रमुख उद्देश्य बच्चों को कुपोषण, बीमारी और मृत्यु के जोखिम से बचाना था। एकीकृत बाल विकास सेवा (ICDS) कार्यक्रम के अंतर्गत स्थापित आँगनवाड़ी केंद्रों ने लाखों बच्चों और माताओं को पोषण, टीकाकरण तथा स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान कर बाल मृत्यु दर और कुपोषण को कम करने में उल्लेखनीय योगदान दिया। किंतु बदलते समय और नई वैज्ञानिक समझ ने यह स्पष्ट कर दिया कि केवल बच्चों को जीवित रखना पर्याप्त नहीं है। यदि किसी बच्चे को पोषण तो मिल जाए, लेकिन सीखने, सोचने, संवाद करने और अपनी रचनात्मकता विकसित करने का अवसर न मिले, तो उसका संज्ञानात्मक विकास अधूरा रह जाता है। यही कारण है कि आज "सर्वाइवल" से "थ्राइविंग" अर्थात केवल जीवित रहने से समग्र विकास की ओर बढ़ने की आवश्यकता महसूस की जा रही है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 ने इस सोच को नई दिशा प्रदान की है। नीति ने तीन से आठ वर्ष की आयु को शिक्षा का आधारभूत चरण माना है और यह स्वीकार किया है कि प्रारंभिक वर्षों में प्राप्त अनुभव आगे की शिक्षा और व्यक्तित्व निर्माण को गहराई से प्रभावित करते हैं। इसी दृष्टिकोण के तहत आँगनवाड़ी प्रणाली को केवल पोषण वितरण केंद्र के रूप में नहीं, बल्कि प्रारंभिक शिक्षण और बाल विकास के केंद्र के रूप में विकसित करने का प्रयास किया जा रहा है। राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा (NCF-FS 2022) ने खेल-आधारित, गतिविधि-आधारित और अनुभवात्मक शिक्षण पर बल देकर बच्चों के भाषा विकास, तार्किक क्षमता, रचनात्मकता और सामाजिक कौशल को बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया है। हाल के वर्षों में सरकार ने सक्षम आँगनवाड़ी एवं पोषण 2.0 जैसी पहलों के माध्यम से आँगनवाड़ी केंद्रों को आधुनिक स्वरूप देने का प्रयास किया है। इन केंद्रों में बेहतर भवन, स्मार्ट शिक्षण सामग्री, डिजिटल रिकॉर्ड प्रबंधन और बच्चों के विकास की सतत निगरानी पर बल दिया जा रहा है। "पोषण ट्रैकर" जैसे डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से बच्चों की स्वास्थ्य और पोषण संबंधी जानकारी का रिकॉर्ड रखा जा रहा है, जिससे सेवा वितरण अधिक पारदर्शी और प्रभावी बन रहा है। साथ ही आँगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को बाल मनोविज्ञान, खेल-आधारित शिक्षण और प्रारंभिक शिक्षा के आधुनिक तरीकों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है ताकि वे बच्चों के संज्ञानात्मक विकास में अधिक प्रभावी भूमिका निभा सकें। यह परिवर्तन केवल सामाजिक कल्याण का विषय नहीं है, बल्कि इसके दूरगामी आर्थिक परिणाम भी हैं। अर्थशास्त्रियों का मानना है कि प्रारंभिक बाल्यावस्था में किया गया निवेश सबसे अधिक प्रतिफल देने वाला सार्वजनिक निवेश होता है। जो बच्चे प्रारंभिक वर्षों में बेहतर पोषण और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करते हैं, उनकी सीखने की क्षमता अधिक विकसित होती है, वे विद्यालय में बेहतर प्रदर्शन करते हैं और भविष्य में अधिक उत्पादक नागरिक बनते हैं। इस प्रकार आँगनवाड़ी प्रणाली में सुधार सीधे तौर पर मानव पूंजी निर्माण को मजबूत करता है, जो किसी भी अर्थव्यवस्था के विकास का मूल आधार है। संज्ञानात्मक विकास पर आधारित ECCE व्यवस्था भविष्य में कार्यबल की गुणवत्ता को भी बेहतर बनाएगी। बेहतर सोचने, समस्या समाधान करने और नवाचार करने की क्षमता वाले नागरिक देश की उत्पादकता में वृद्धि करते हैं। आज की वैश्विक ज्ञान-आधारित अर्थव्यवस्था में केवल शारीरिक श्रम पर्याप्त नहीं है, बल्कि बौद्धिक क्षमता और कौशल ही आर्थिक प्रतिस्पर्धा का आधार बनते जा रहे हैं। ऐसे में प्रारंभिक बाल्यावस्था में निवेश भारत को अधिक सक्षम और प्रतिस्पर्धी कार्यबल प्रदान कर सकता है। इसके अतिरिक्त, गुणवत्तापूर्ण आँगनवाड़ी सेवाएँ महिलाओं की श्रम शक्ति भागीदारी को भी बढ़ावा दे सकती हैं। जब परिवारों को बच्चों की सुरक्षित देखभाल और प्रारंभिक शिक्षा की व्यवस्था उपलब्ध होती है, तो महिलाएँ रोजगार, स्वरोजगार और उद्यमिता में अधिक सक्रिय रूप से भाग ले सकती हैं। भारत में महिला श्रम शक्ति भागीदारी दर को बढ़ाना आर्थिक विकास की महत्वपूर्ण आवश्यकता है, और आँगनवाड़ी प्रणाली इसमें सहायक भूमिका निभा सकती है। आँगनवाड़ी सुधार सामाजिक असमानताओं को कम करने का भी प्रभावी माध्यम बन सकते हैं। गरीब और वंचित वर्गों के बच्चों को अक्सर वह प्रारंभिक अवसर नहीं मिल पाता जो अपेक्षाकृत समृद्ध परिवारों के बच्चों को सहज रूप से उपलब्ध होता है। यदि आँगनवाड़ी केंद्र गुणवत्तापूर्ण ECCE सेवाएँ प्रदान करते हैं, तो यह अवसरों की समानता सुनिश्चित करने में मदद करेगा। इससे शिक्षा, रोजगार और आय के क्षेत्र में मौजूद असमानताओं को कम करने का मार्ग प्रशस्त होगा। हालाँकि इस परिवर्तन की राह पूरी तरह सरल नहीं है। देश के अनेक आँगनवाड़ी केंद्र अभी भी अवसंरचनात्मक कमियों से जूझ रहे हैं। कई स्थानों पर भवन, स्वच्छ पेयजल, शौचालय और शिक्षण सामग्री का अभाव है। आँगनवाड़ी कार्यकर्ताओं पर अनेक प्रशासनिक जिम्मेदारियाँ होने के कारण वे बच्चों के साथ पर्याप्त समय नहीं बिता पातीं। प्रशिक्षण, वित्तीय संसाधनों और तकनीकी सहायता की कमी भी प्रभावी क्रियान्वयन में बाधा बन सकती है। इसलिए केवल नीतिगत घोषणाएँ पर्याप्त नहीं होंगी, बल्कि इनके लिए पर्याप्त बजटीय समर्थन, नियमित प्रशिक्षण और मजबूत निगरानी तंत्र की भी आवश्यकता होगी। भारत वर्तमान में जनसांख्यिकीय लाभांश के महत्वपूर्ण दौर से गुजर रहा है। दुनिया की सबसे बड़ी युवा आबादी तभी आर्थिक शक्ति में परिवर्तित हो सकती है जब उसकी नींव मजबूत हो। यह नींव विद्यालय या विश्वविद्यालय में नहीं, बल्कि आँगनवाड़ी केंद्रों और प्रारंभिक बाल्यावस्था के अनुभवों में तैयार होती है। इसलिए आँगनवाड़ी प्रणाली का पोषण-केंद्रित मॉडल से समग्र संज्ञानात्मक विकास आधारित मॉडल की ओर संक्रमण केवल शिक्षा या बाल कल्याण का विषय नहीं है, बल्कि यह भारत के आर्थिक भविष्य, सामाजिक न्याय और सतत विकास से जुड़ा राष्ट्रीय एजेंडा है। यदि भारत अपने प्रत्येक बच्चे को जीवन के प्रारंभिक वर्षों में पोषण, सुरक्षा, स्नेह और गुणवत्तापूर्ण सीखने का वातावरण प्रदान करने में सफल होता है, तो यह निवेश आने वाले दशकों में अधिक उत्पादक नागरिकों, मजबूत अर्थव्यवस्था, कम असमानता और अधिक समावेशी विकास के रूप में प्रतिफल देगा। इस दृष्टि से आँगनवाड़ी प्रणाली में हो रहा वर्तमान परिवर्तन भारत के भविष्य को आकार देने वाला एक ऐतिहासिक कदम सिद्ध हो सकता है।

देश | दुनीया से

प्रकृति के पुनर्जन्म का भारत मॉडलः एक नई सभ्यता की शुरुआत

सभ्यताओं का भविष्य केवल संसदों में नहीं, खेतों की मिट्टी, जंगलों की हरियाली और जलस्रोतों की जीवनधारा में भी लिखा जाता है। ऐसे समय में जब दुनिया भूमि क्षरण, सूखे और मरुस्थलीकरण की गंभीर चुनौती से जूझ रही है, भारत ने आशा और संकल्प का अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत किया है। वर्ष 2011 से 2020 के बीच देश ने 21.76 मिलियन हेक्टेयर क्षतिग्रस्त भूमि को पुनर्जीवित किया है, जो 'बॉन चैलेंज' के 26 मिलियन हेक्टेयर लक्ष्य का लगभग 84 प्रतिशत है। यह केवल भूमि बहाली का आंकड़ा नहीं, बल्कि उस राष्ट्रीय दृष्टि का प्रमाण है जिसने विकास और प्रकृति को विरोधी नहीं, बल्कि सहयात्री माना। भारत ने दुनिया को दिखा दिया है कि जलवायु नेतृत्व संपन्नता से नहीं, बल्कि दूरदृष्टि, प्रतिबद्धता और सामूहिक प्रयासों से हासिल होता है। संकल्प और संवेदनशीलता के साथ यह यात्रा वर्ष 2015 में शुरू हुई, जब भारत ने 'बॉन चैलेंज' के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जताई। प्रारंभ में लक्ष्य 2020 तक 13 मिलियन हेक्टेयर और 2030 तक अतिरिक्त 8 मिलियन हेक्टेयर भूमि बहाली का था, जिसे बाद में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 2019 में यूएनसीसीडी के 14वें पक्षकार सम्मेलन के दौरान बढ़ाकर 26 मिलियन हेक्टेयर कर दिया गया। 17 जून 2026 को विश्व मरुस्थलीकरण विरोधी दिवस पर केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव द्वारा जारी दूसरी प्रगति रिपोर्ट ने इस प्रगति को वैश्विक मंच पर रखा। रिपोर्ट में तेलंगाना को सर्वाधिक भूमि पुनर्स्थापन करने वाला राज्य बताया गया, जबकि आंध्र प्रदेश, गुजरात, मध्य प्रदेश और ओडिशा का प्रदर्शन भी उल्लेखनीय रहा। इन राज्यों ने वनरोपण, जल संरक्षण, एग्रोफॉरेस्ट्री और प्राकृतिक पुनरुत्थान से अनुपयोगी भूमि को फिर से जीवन दिया। किसी भी पर्यावरणीय कार्यक्रम की सफलता तभी है जब उसका असर सीधे जनजीवन तक पहुंचे। भारत की भूमि बहाली यात्रा की सबसे बड़ी शक्ति यह है कि उसने हरियाली के साथ आजीविका भी पैदा की। रिपोर्ट के अनुसार लगभग 1.22 अरब व्यक्ति-दिवस रोजगार सृजित हुए।

ग्रामीण युवा, महिलाएं और सीमांत किसान इसके प्रमुख लाभार्थी बने। जहां कभी बंजर भूमि बेरोजगारी, पलायन और निराशा का प्रतीक थी, वहां आज हरे खेत, फलदार बाग और पशुधन के लिए चारा दिखाई देता है। इस पहल ने मिट्टी को उपजाऊ बनाया, ग्रामीण अर्थव्यवस्था को गति दी, गरीबी घटाई और गांवों को आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ाया। यह सामाजिक न्याय और आर्थिक समावेशन का ऐसा मॉडल है, जिसकी प्रासंगिकता लंबे समय तक रहेगी। इस उपलब्धि का पर्यावरणीय प्रभाव दीर्घकालिक है। स्वस्थ भूमि केवल फसल नहीं उगाती, बल्कि भविष्य की सुरक्षा भी सुनिश्चित करती है। पुनर्स्थापित भूमि कार्बन अवशोषण बढ़ाती है, मिट्टी की उर्वरता लौटाती है और जल चक्र को संतुलित करती है। इससे सूखा और बाढ़ जैसी आपदाओं की तीव्रता कम होती है। जैव विविधता को नया आवास मिलता है और पारिस्थितिक तंत्र मजबूत होता है। वैज्ञानिक लंबे समय से मानते हैं कि जलवायु परिवर्तन के विरुद्ध सबसे प्रभावी और कम खर्चीला उपाय स्वस्थ भूमि है। भारत ने इस सत्य को व्यवहार में बदलकर दिखाया है, इसलिए वैश्विक भूमि बहाली विमर्श में उसकी भूमिका अग्रिम पंक्ति में है। दुनिया के सामने 'बॉन चैलेंज' का लक्ष्य 2030 तक 350 मिलियन हेक्टेयर भूमि पुनर्स्थापन का है। इस वैश्विक अभियान में भारत का योगदान प्रेरक और नेतृत्वकारी दोनों माना जा रहा है। यह उपलब्धि ऐसे समय में हासिल हुई है जब कई विकसित देश अपने पर्यावरणीय लक्ष्यों और आर्थिक प्राथमिकताओं के बीच संतुलन साधने में संघर्ष कर रहे हैं। भारत ने सिद्ध किया है कि आर्थिक विकास और प्रकृति संरक्षण अलग राहें नहीं, बल्कि साथ-साथ चलने वाली प्रक्रिया हैं। यह उपलब्धि वैश्विक दक्षिण की क्षमता का संदेश है कि समाधान संसाधनों से नहीं, बल्कि दूरदर्शिता और प्रतिबद्धता से निकलते हैं। भारत की सफलता का मूल आधार उसकी नीतिगत स्पष्टता और जनभागीदारी है। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना, ग्रीन इंडिया मिशन, संयुक्त वन प्रबंधन समितियां और राज्यों की स्थानीय पहलें मिलकर काम कर रही हैं। स्थानीय समुदायों को भागीदार और संरक्षक बनाकर प्रयासों को स्थायित्व दिया गया है। एग्रोफॉरेस्ट्री ने खेती और वानिकी के बीच सहयोग बढ़ाया है, जबकि ड्रोन, सैटेलाइट निगरानी और भू-स्थानिक तकनीक ने निगरानी और मूल्यांकन को अधिक सटीक बनाया है। यही कारण है कि भारत का मॉडल एक सरकारी कार्यक्रम नहीं, बल्कि सहभागी विकास और पर्यावरण प्रबंधन का वैश्विक उदाहरण बन गया है। फिर भी आत्मसंतोष का कोई कारण नहीं है। देश में अभी भी विशाल क्षेत्र भूमि क्षरण की समस्या से प्रभावित है। 2030 तक निर्धारित शेष लक्ष्य की प्राप्ति के लिए प्रयासों की गति और व्यापकता दोनों बढ़ानी होंगी। निजी क्षेत्र, स्टार्टअप्स, अनुसंधान संस्थानों और युवा नवाचारकों को इस अभियान से अधिक गहराई से जोड़ना होगा। जलवायु वित्त की उपलब्धता बढ़ाना भी अनिवार्य है, ताकि छोटे किसान, वनवासी और आदिवासी समुदाय इस परिवर्तन के पूर्ण लाभार्थी बन सकें। साथ ही, सतत निगरानी, वैज्ञानिक मूल्यांकन और परिस्थितियों के अनुरूप रणनीतियों में निरंतर सुधार यह सुनिश्चित करेंगे कि प्राप्त उपलब्धियां टिकाऊ और दीर्घकालिक बनी रहें।

कुछ | अलग

स्वस्थ जीवन, संतुलित समाज और योग

हर वर्ष 21 जून को पूरी दुनिया में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया जाता है। योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि शरीर, मन और आत्मा के बीच संतुलन स्थापित करने वाली एक समग्र जीवन-पद्धति है। आज जब तनाव, अनियमित जीवनशैली और मानसिक स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियां बढ़ रही हैं, तब योग का महत्व पहले से कहीं अधिक बढ़ गया है। भारत की प्राचीन संस्कृति की यह अमूल्य धरोहर अब विश्वभर में स्वास्थ्य और शांति का संदेश दे रही है। योग के नियमित अभ्यास से अनेक लाभ प्राप्त होते हैं, जैसे शरीर लचीला और मजबूत बनता है। तनाव, चिंता और अवसाद को कम करने में सहायता मिलती है। श्वसन क्षमता और रक्त संचार बेहतर होता है। मधुमेह, उच्च रक्तचाप और मोटापे जैसी जीवनशैली संबंधी समस्याओं के जोखिम को कम करने में मदद मिल सकती है। एकाग्रता, स्मरण शक्ति और मानसिक संतुलन में सुधार होता है। अच्छी नींद और सकारात्मक सोच विकसित होती है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि संतुलित आहार और नियमित योग को जीवन का हिस्सा बनाया जाए, तो समग्र स्वास्थ्य में उल्लेखनीय सुधार संभव है। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में विद्यार्थी पढ़ाई, प्रतियोगी परीक्षाओं और डिजिटल उपकरणों के अत्यधिक उपयोग के कारण तनाव का सामना करते हैं। योग और ध्यान उन्हें मानसिक शांति, आत्मविश्वास और बेहतर एकाग्रता प्रदान कर सकते हैं। कई विद्यालयों, महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों में योग सत्र आयोजित किए जा रहे हैं ताकि विद्यार्थियों में स्वस्थ जीवनशैली की आदत विकसित हो। योग महिलाओं के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी लाभकारी माना जाता है।

आप का | नजरीया

कुछ लहरें कांगड़ा तक

मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू का कांगड़ा दौरा, इबारतों में नई सुर्खियां और सुर्खियों में नए समीकरण पिरो गया। स्मार्ट सिटी धर्मशाला के आंचल में स्मार्ट सिटी परियोजनाओं की कड़छी घुमा कर सत्तारूढ़ दल ने अपना कारवां लिखा, तो अगली फतह के मंसूबों में भाषा और भाषण संगठित किए गए। बड़ी बात यह कि कांगड़ा में सरकार का होना हमेशा राजनीति की लहरें देखना है और इसी परिप्रेक्ष्य में रिपोर्ट कार्ड सामने आता है। बेशक कांगड़ा को संबोधित करना अब नई वकालत की तरह बनता जा रहा है। कांगड़ा की सबसे बड़ी शक्ति उसके नेताओं में नहीं, बल्कि जनादेश में है जो हर बार सत्ता के विरुद्ध दमदार हो जाता है। यहां की सियासी जंजीरें इस बार दो नगर निगमों में परिभाषित होती हैं, तो नगर निकायों की कुल संपत्ति में सत्ता पक्ष के अपने कारनामे सिद्ध हो रहे हैं। कांगड़ा गतिविधियों का कुंज है, इसलिए इसका रेखांकन तरह-तरह से होता है। फिलवक्त जन प्रतिनिधियों के शपथ ग्रहण समारोह के बहाने कई शुभमुहूर्त हुए और प्रदर्शन में जमात की हौसला अफजाई भी। काफी देर बाद जिला मुख्यालय नींद से जागा, तो स्मार्ट सिटी परियोजनाओं ने सारी शाबाशियां सरकार को सौंप दीं। इसके आगे भी कुछ हस्ताक्षर अपना कर्मयोग कर रहे हैं और जब ढगवार का मिल्क प्लांट आंखें खोलेगा, तो एक नया सवेरा होगा। कांगड़ा को देखने या कांगड़ा में देखने का एक ही दर्पण नहीं है। अगर होता तो देहरा में केंद्रीय विश्वविद्यालय की इमारतें अब तक जादू कर चुकी होतीं, लेकिन यहां तो जदरांगल परिसर पर छाई मायूसी का हिसाब जारी है। पालमपुर का बस स्टैंड कुछ आशाओं के तिलक लगाता है, देहरा का प्रस्ताप नए बस स्टैंड निर्माण के 40 करोड़ की शपथ लेता है, लेकिन धर्मशाला बस स्टैंड के कंकाल पर जीएस बाली का नामकरण उपहास उड़ाता है। बाली पुत्र आर एस बाली के सामने नामकरण की संपत्ति टांडा मेडिकल कालेज में मदर एंड चाइल्ड केयर अस्पताल में अधूरी खड़ी है। बावजूद इसके पर्यटन विभाग के श्रेय में वह नगरोटा लूट रहे हैं, तो सडक़ पर मालरोड और क्लॉक टावर बनाकर वह अपनी प्राथमिकताएं बता रहे हैं। कांगड़ा के दिल में पर्यटन राजधानी के तमगे जब गिने जाएंगे, तो नगरोटा विधानसभा एक नया डेस्टिनेशन और देश के सबसे ऊंचे म्यूजिकल फाउंटेन में बहता संगीत अमर हो जाएगा। कांगड़ा के कई नेताओं को पद मिले, लेकिन पालमपुर के विधायक आशीष बुटेल ने नगर निगम की फतह से भाजपा की उछल कूद को सन्नाटे में बदल दिया, तो हिसाब कांगड़ा के अन्य नेताओं से भी होगा। देहरा के बनखंडी में चिडियाघर आकर्षण की एक अनूठी कैद होगी जो प्रवासी पक्षियों को भी सकते में डाल देगी। बहरहाल आई टी सलाहकार गोकुल बुटेल पता नहीं क्यों आजकल कांगड़ा में गूंजते नहीं। बात तो बड़े से आई टी पार्क की थी, लेकिन चैतड़ू का छोटा सा आई टी पार्क बन कर भी संवर नहीं सका। हैं इसी कांगड़ा में खोजे गए कुछ नेता जो सत्ता को अपने मुकाम पर खड़ा करते हैं। कृषि उपज विपणन समिति के अध्यक्ष निशु मोंगरा कुछ जमीन खोद पाए हैं, लेकिन एचआरटीसी के उपाध्यक्ष अजय वर्मा ने अपने दम पर कांगड़ा नगर परिषद का किला हासिल करके बता दिया कि बंदे में दम है। कुछ इसी तरह वह परिवहन मंत्री से कहीं आगे निकल कर कम से कम एचआरटीसी के बेड़े पर आशाजनक बात या उसके पक्ष में गवाही देते तो दिखाई देते हैं। कांगड़ा में पहले भी अलंकरण तो मुख्यमंत्री के शीतकालीन प्रवास, शीतकालीन राजधानी व शीतकालीन सत्र तक हुए, लेकिन इस बार इस परिपाटी में भी व्यवस्था परिवर्तन की उम्मीद जगी है।

> स्मार्ट सिटी धर्मशाला के आंचल में स्मार्ट सिटी परियोजनाओं की कड़छी घुमा कर सत्तारूढ़ दल ने अपना कारवां लिखा, तो अगली फतह के मंसूबों में भाषा और भाषण संगठित किए गए। बड़ी बात यह कि कांगड़ा में सरकार का होना हमेशा राजनीति की लहरें देखना है और इसी परिप्रेक्ष्य में रिपोर्ट कार्ड सामने आता है। बेशक कांगड़ा को संबोधित करना अब नई वकालत की तरह बनता जा रहा है। कांगड़ा की सबसे बड़ी शक्ति उसके नेताओं में नहीं, बल्कि जनादेश में है जो हर बार सत्ता के विरुद्ध दमदार हो जाता है। यहां की सियासी जंजीरें इस बार दो नगर निगमों में परिभाषित होती हैं, तो नगर निकायों की कुल संपत्ति में सत्ता पक्ष के अपने कारनामे सिद्ध हो रहे हैं। कांगड़ा गतिविधियों का कुंज है, इसलिए इसका रेखांकन तरह-तरह से होता है। फिलवक्त जन प्रतिनिधियों के शपथ ग्रहण समारोह के बहाने कई शुभमुहूर्त हुए और प्रदर्शन में जमात की हौसला अफजाई भी। काफी देर बाद जिला मुख्यालय नींद से जागा, तो स्मार्ट सिटी परियोजनाओं ने सारी शाबाशियां सरकार को सौंप दीं। इसके आगे भी कुछ हस्ताक्षर अपना कर्मयोग कर रहे हैं और जब ढगवार का मिल्क प्लांट आंखें खोलेगा, तो एक नया सवेरा होगा। कांगड़ा को देखने या कांगड़ा में देखने का एक ही दर्पण नहीं है।

दृष्टि | कोण

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवसः शांति, स्वास्थ्य और एकता का वैश्विक महामंत्र

दुनियाभर में मानव सभ्यता ने 21वीं सदी में जहां एक ओर तकनीकी और वैज्ञानिक मोर्चे पर अभूतपूर्व प्रगति की है, वहीं दूसरी ओर मानसिक तनाव, जीवनशैली से जुड़ी बीमारियां और आंतरिक अशांति जैसी गंभीर चुनौतियों का सामना भी किया है। भौतिकता की अंधी दौड़ में हांफती हुई मानवता को जब एक ऐसे संबल की तलाश थी जो बिना किसी कृत्रिम साधन के शरीर, मन और आत्मा को एकाकार कर सके, तब भारत ने दुनिया को 'योग' का शाश्वत उपहार दिया। प्रत्येक वर्ष 21 जून को मनाया जाने वाला अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस केवल एक कैलेंडर आयोजन नहीं है, बल्कि यह समूची मानवता को आरोग्य, शांति और एकात्मता के सूत्र में पिरोने का एक वैश्विक महाअभियान है। संयुक्त राष्ट्र संघ (यूएन) के इतिहास में सबसे तेजी से स्वीकृत होने वाले इस प्रस्ताव की पृष्ठभूमि, इसके पीछे का दर्शन, वैज्ञानिक आधार और वैश्विक यात्रा बेहद गौरवमयी रही है। 21 जून का दिन हमें याद दिलाता है कि भले ही हमारी भाषाएं, पहनावे, देश और संस्कृतियां अलग हों, लेकिन हमारी सांसें और आंतरिक चेतना एक ही हैं। योग की यह वैश्विक लहर पूरी मानवता को विनाश से विकास की ओर, अवसाद से आनंद की ओर और अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाने का एक सशक्त राजमार्ग बन चुकी है। यह आधुनिक युग का सबसे बड़ा जन-आंदोलन है, जो आने वाली पीढ़ियों को अधिक संवेदनशील, स्वस्थ और जागरूक बनाएगा।

संयुक्त राष्ट्र में भारत की कूटनीतिक विजय

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को वैश्विक मान्यता दिलाने का पूरा श्रेय भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन और भारत की मजबूत सांस्कृतिक कूटनीति को जाता है। संयुक्त राष्ट्र महासभा के 69वें सत्र को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पहली बार दुनिया के सामने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाने का प्रस्ताव रखा। उन्होंने वैश्विक नेताओं के सामने योग की महत्ता को रेखांकित करते हुए कहा था कि योग भारत की प्राचीन परंपरा का एक अमूल्य उपहार है। यह मन और शरीर, विचार और कर्म, संयम और पूर्ति की एकात्मकता का प्रतीक है। यह मनुष्य और प्रकृति के बीच सामंजस्य स्थापित करने वाला है। यह केवल व्यायाम नहीं है, बल्कि अपने आप में, दुनिया और प्रकृति के साथ एकात्मता की भावना को खोजने का माध्यम है। जलवायु परिवर्तन से निपटने में भी यह हमारी जीवनशैली को बदलकर चेतना जागृत कर सकता है। आइए, हम एक अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस शुरू करने की दिशा में काम करें। भारत द्वारा रखे गए इस प्रस्ताव का दुनिया के देशों ने अभूतपूर्व स्वागत किया। संयुक्त राष्ट्र महासभा में भारत के तत्कालीन स्थायी प्रतिनिधि ने प्रस्ताव संख्या 69/131 पेश की। इस प्रस्ताव को रिकॉर्ड 175 देशों का सह-प्रायोजन प्राप्त हुआ। संयुक्त राष्ट्र के इतिहास में आज तक किसी भी सामान्य सभा के प्रस्ताव को इतने बड़े पैमाने पर देशों का समर्थन नहीं मिला था। बिना किसी मतदान के, सर्वसिद्ध रूप से इस प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया गया और घोषणा की गई कि हर साल 21 जून को 'अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस' के रूप में मनाया जाएगा। इस पूरी प्रक्रिया में महज 75 दिनों का समय लगा, जो संयुक्त राष्ट्र में अपने आप में एक रिकॉर्ड है। इसी वजह से लगातार 12वें साल में प्रवेश कर चुका अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस अपनी चरम पर है।

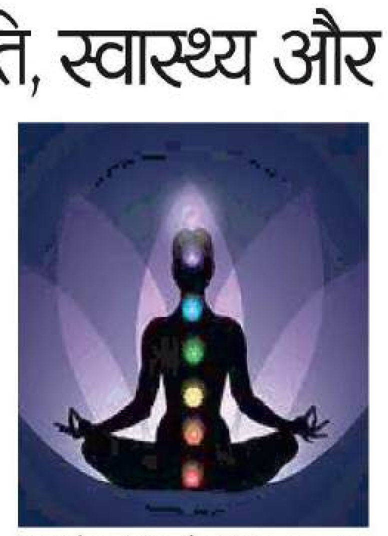

आदिगुरु से आधुनिक युग तक

योग का इतिहास हजारों वर्ष पुराना है। भारतीय सनातन परंपरा में भगवान शिव को 'आदिगुरु' या 'आदियोगी' माना गया है। उन्होंने ही सबसे पहले हिमालय पर कांति सरोवर के तट पर अपने सात शिष्यों (सप्तऋषियों) को योग का गूढ़ ज्ञान दिया था। यही ज्ञान बाद में दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में फैला। वेदों (विशेषकर ऋग्वेद) और उपनिषदों में योग का स्पष्ट उल्लेख मिलता है। श्रीमद्भगवद्गीता में भगवान कृष्ण ने योग को परिभाषित करते हुए कहा है कि कर्मों में कुशलता ही योग है। योग शब्द की उत्पत्ति संस्कृत की 'युज' धातु से हुई है, जिसका अर्थ है- जुड़ना, एकत्र होना या मिलना। आध्यात्मिक स्तर पर इसका अर्थ जीवात्मा का परमात्मा से मिलन है, जबकि व्यावहारिक स्तर पर यह शरीर, मन और चेतना के बीच पूर्ण सामंजस्य स्थापित करने की कला है। यानी शरीर, मन और चेतना का पूर्ण संतुलन योग के माध्यम से ही है।

भाजपा केवल एक राजनीतिक संगठन नहीं समर्पित विचारधारा है : डॉ. अर्चना गुप्ता

बोलीं, राष्ट्र निर्माण में बुद्धिजीवियों की भूमिका सर्वोपरि

गुरुग्राम (हिंस)। भाजपा की प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता ने कहा कि राष्ट्र निर्माण में बुद्धिजीवियों की भूमिका सर्वोपरि और अत्यंत महत्वपूर्ण है। समाज को सही दिशा देने, जनजागरण करने और सकारात्मक परिवर्तन लाने में प्रबुद्ध वर्ग का योगदान सदैव निर्णायक रहा है। यह बात उन्होंने शनिवार को भाजपा कार्यालय में आयोजित भाजपा के बुद्धिजीवी सम्मेलन में बोलते हुए कही। डॉ. अर्चना गुप्ता ने कहा कि विकसित भारत के निर्माण के संकल्प को साकार करने में बुद्धिजीवियों की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। डॉ. गुप्ता ने सभी का स्वागत करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी केवल एक राजनीतिक संगठन नहीं, बल्कि राष्ट्रहित और जनसेवा के लिए समर्पित एक विचारधारा है, जो समाज के हर वर्ग को साथ लेकर आगे बढ़ाने में विश्वास रखती है। डॉ. अर्चना गुप्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश ने पिछले वर्षों में विकास, सुशासन और आत्मनिर्भरता के क्षेत्र में उपलब्धियां हासिल की हैं। उन्होंने कहा कि आज भारत वैश्विक मंच पर एक मजबूत और प्रभावशाली राष्ट्र के रूप में अपनी पहचान स्थापित कर रहा है। यह परिवर्तन केवल सरकार के प्रयासों से नहीं, बल्कि समाज के सभी वर्गों के सहयोग और सहभागिता से संभव हुआ है। डॉ. अर्चना गुप्ता ने कहा कि भाजपा की कार्यशैली संवाद, सहभागिता और जनविश्वास पर आधारित है। बुद्धिजीवी वर्ग समाज की सोच और दिशा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। ऐसे में आवश्यक है कि राष्ट्रहित के मुद्दों पर सकारात्मक चर्चा हो तथा समाज को विकास और सामाजिक समरसता की दिशा में आगे बढ़ाने के लिए सामूहिक प्रयास किए जाएं। उन्होंने कहा कि भाजपा का लक्ष्य केवल चुनाव जीतना नहीं, बल्कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास की रोशनी पहुंचाना है। केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के हर वर्ग तक पहुंच रहा है। गरीब, किसान, युवा, महिलाएं और वंचित वर्ग आज विकास की मुख्यधारा से जुड़ रहे हैं। प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता ने उपस्थित प्रबुद्धजनों से आह्वान किया कि वे समाज में सकारात्मक सोच को बढ़ावा दें और विकसित भारत के संकल्प को जन-जन तक पहुंचाने में अपनी भूमिका निभाएं। बुद्धिजीवी सम्मेलन में कार्यक्रम के संयोजक एवं एनजीओ प्रकोष्ट के प्रदेश संयोजक बोधराज सीकरी, शिक्षक प्रकोष्ट के प्रदेश संयोजक मदन लाल गोयल, बुद्धिजीवी प्रकोष्ट के जिला संयोजक जसबीर यादव, कैबिनेट मंत्री राव नरबीर सिंह, विधायक मुकेश शर्मा, जिला प्रभारी संदीप जोशी, प्रदेश सचिव गार्गी कक्कड़, मेयर राजरानी मल्होत्रा के अलावा शिक्षाविदों, चिकित्सकों, अधिवक्ताओं, उद्योगपतियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, लेखकों तथा विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े प्रबुद्धजनों ने भाग लिया।

री-नीट 2026 परीक्षा : मेडिकल सीट का सपना लेकर परीक्षा देंगे 2.09 लाख अभ्यर्थी

जयपुर (हिंस)। री-नीट 2026 परीक्षा को निष्पक्ष और पारदर्शी बनाने के लिए राजस्थान में अभूतपूर्व सुरक्षा व्यवस्था की गई है। पिछले महीने पेपर लीक विवाद के बाद राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए), राज्य सरकार, पुलिस, स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी), इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी) और जिला प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड पर हैं। रविवार को आयोजित होने वाली परीक्षा में प्रदेशभर के करीब 2 लाख 9 हजार अभ्यर्थी शामिल होंगे। जिनके लिए 25 जिलों में 577 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। अकेले जयपुर जिले में 103 परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा आयोजित होगी। राजस्थान पुलिस मुख्यालय के निर्देश पर परीक्षा से एक दिन पहले शनिवार को जयपुर सहित विभिन्न जिलों के परीक्षा केंद्रों का व्यापक निरीक्षण किया गया। पुलिस, शिक्षा विभाग और प्रशासनिक अधिकारियों ने केंद्रों पर सुरक्षा व्यवस्थाओं, अभ्यर्थियों की प्रवेश प्रक्रिया, बायोमैट्रिक सत्यापन, प्रश्न-पत्रों की सुरक्षा, सीसीटीवी निगरानी और आपातकालीन व्यवस्थाओं का जायजा लिया। जयपुर के ब्रह्मपुरी स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, माणक चौक क्षेत्र के परीक्षा केंद्रों सहित कई केंद्रों पर पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों ने निरीक्षण किया। ब्रह्मपुरी थानाधिकारी हेमंत ने बताया कि परीक्षा के दौरान किसी प्रकार की अव्यवस्था न हो, इसके लिए केंद्रों पर तैनात स्टाफ को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए हैं। वहीं राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय चौड़ा रास्ता में माणक चौक थानाधिकारी राकेश ख्यालिया ने व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया और सुरक्षा मानकों की समीक्षा की। परीक्षा केंद्रों की निगरानी के लिए सीसीटीवी कैमरों का विशेष नेटवर्क तैयार किया गया है। जयपुर के सभी 103 परीक्षा केंद्र पुलिस मुख्यालय के कंट्रोल रूम से जुड़े रहेंगे। प्रत्येक केंद्र की गतिविधियों पर रियल टाइम निगरानी रखी जाएगी। इसके साथ ही नकल और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के दुरुपयोग को रोकने के लिए सभी केंद्रों पर जैमर लगाए गए हैं। संवेदनशील केंद्रों पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है। जयपुर पुलिस के अनुसार परीक्षा वाले दिन सुबह 9-30 बजे से सभी परीक्षा केंद्र पुलिस की निगरानी में आ जाएंगे। इसके बाद केंद्र परीक्षा प्रभारियों को सौंप दिए जाएंगे और परीक्षा पूरी तरह निर्धारित प्रोटोकॉल के तहत संचालित होगी। जयपुर जिला कलक्टर संदेश नायक ने बताया कि प्रश्न-पत्रों को केंद्रीय बैंकों के स्ट्रॉन्ग रूम में थ्री-लेयर सिक्योरिटी के बीच रखा गया है। इनकी सुरक्षा की जिम्मेदारी सीआरपीएफ को सौंपी गई है। पेपर लीक की किसी भी संभावना को खत्म करने के लिए एनटीए ने प्रश्न-पत्रों के अलग-अलग सेट तैयार किए हैं। परीक्षा के दिन ही अंतिम रूप से तय किया जाएगा कि किस सेट का उपयोग किया जाएगा। इससे पहले एयरफोर्स के हेलिकॉप्टर के माध्यम से प्रश्न-पत्र जयपुर लाए गए थे, जहां से उन्हें सड़क मार्ग से विभिन्न जिलों में भेजा गया। एनटीए ने परीक्षा केंद्रों की प्रत्येक कक्षा में विशेष घड़ियां लगवाई हैं। अभ्यर्थी और परीक्षा ड्यूटी में तैनात कर्मचारी किसी भी प्रकार की घड़ी, स्मार्ट वॉच या मोबाइल फोन लेकर केंद्र में प्रवेश नहीं कर सकेंगे। समय देखने के लिए केवल एनटीए द्वारा उपलब्ध कराई गई घड़ियों का उपयोग किया जाएगा।

जालंधर पुलिस ने फिरौती और फायरिंग गिरोह के चार सदस्य को किया गिरफ्तार

जालंधर (हिंस)। जालंधर कमिश्नरेट पुलिस ने जबरन वसूली और फायरिंग की वारदातों में शामिल एक बड़े गिरोह का पर्दाफाश करते हुए इसके चार सक्रिय सदस्यों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से तीन आधुनिक पिस्तौल और बड़ी मात्रा में जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। प्रारंभिक जांच में गिरफ्तार आरोपित विदेशों में बैठे आपराधिक हैंडलरों के सीधे संपर्क में थे और उनके इशारों पर ही वारदातों को अंजाम देते थे। पुलिस के अनुसार, इस गिरफ्तारी से पंजाब के दो जिलों में टारगेट किलिंग और दहशत फैलाने की एक बड़ी साजिश को विफल कर दिया गया है। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि कुछ अपराधी शहर में किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की फिराक में घूम रहे हैं। इसके बाद पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए जाल बिछाया और गिरोह के चार सदस्यों को हथियारों सहित गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के दौरान यह खुलासा हुआ कि आरोपी विदेशों में बैठे अपने आकाओं के निर्देश पर काम कर रहे थे। ये हैंडलर इंटरनेट कॉलिंग और सोशल मीडिया ऐप्स के माध्यम से उन्हें टारगेट और आर्थिक सहायता उपलब्ध कराते थे। पुलिस अधिकारियों के अनुसार गिरफ्तार आरोपी जालंधर और शहीद भगत सिंह नगर जिले में फायरिंग की कई घटनाओं की योजना बनाने और उन्हें अंजाम देने में शामिल थे। गिरोह का मुख्य उद्देश्य व्यापारियों और प्रभावशाली लोगों को डराकर उनसे मोटी रकम वसूलना था। पुलिस के मुताबिक गिरोह के सदस्यों ने हाल के दिनों में दहशत फैलाने के उद्देश्य से कई स्थानों की रेकी भी की थी। समय रहते की गई कार्रवाई के चलते संभावित बड़ी वारदातों को टालने में सफलता मिली है। इस मामले में जालंधर कमिश्नरेट के भार्गो कैंप थाने में संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है।

राजनीतिक दलों को तोड़कर तानाशाह शासक बनना चाहती है भाजपा : पूनम पासवान

अजमेर (हिंस)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की सचिव राजस्थान सप्रभारी पूनम पासवान ने अजमेर दक्षिण विधानसभा क्षेत्र के ब्लाक अध्यक्ष, वार्ड अध्यक्ष, मंडल अध्यक्षों से सीधे संवाद करते हुए कहा कि भाजपा के नेतृत्व वाली मौजूदा केंद्र सरकार विपक्ष के राजनीतिक दलों को तोड़कर तानाशाह शासक बनना चाहती है। पूनम पासवान एचएस पैराडाइज कल्याणीपुरा गार्डन में कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रही थी। उन्होंने कहा भाजपानीत सरकार हर मोर्चे पर विफल रही है, चाहे वह देश की विदेश नीति और आर्थिक नीति व शिक्षा नीति हो। नीट पेपर लीक को लेकर बच्चों को आत्महत्या करनी पड़ रही है। केंद्रीय शिक्षा मंत्री जिम्मेदारी ले नहीं रहे हैं। केंद्र सरकार सरकारी संसाधनों का दुरुपयोग कर केवल विपक्ष के राजनीतिक दलों को तोड़ने में लगी हुई है। महंगाई से आम जनता की कमर टूटी हुई है। उन्होंने कहा कि हम सभी कार्यकर्ताओं को अब कमर कस लेनी चाहिए और घर-घर जाकर भाजपा की विफलताओं और कुनीतियों को आम जनता तक पहुंचना होगा। देश की आम जनता पर प्रतिवर्ष कर्ज का भाग बढ़ता ही जा रहा है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से सीधे संवाद कायम कर संगठन की मजबूती के लिए सुझाव मांगे कार्यकर्ताओं को और सतही तौर पर आने वाली परेशानियों को सुना। उन्होंने संगठनात्मक स्तर पर खुले दिमाग से बिना किसी दवाब के संगठन हित में कार्य करने की सलाह दी। प्रदेश सचिव अर्चना सुराणा ने कहा पासवान एक कार्यकर्ता से ही संगठन में कार्य कर इस पद पर पहुंची हैं। वह बिहार से चलकर आपके बीच संगठनात्मक गतिविधियों को देखने और संगठन को बूथ स्तर तक पहुंचाने, आम कार्यकर्ता की पीड़ा को सुनने समझने के लिए ही आपके बीच आई हैं। अजमेर दक्षिण कांग्रेस प्रत्याशी डॉक्टर द्रोपदी कोली ने आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा नीत डबल इंजन की सरकार आम गरीब वर्ग का गला घोटने पर लगी हुई है, अब लोगों को समझ में आ गया है कि यह सरकार सिर्फ झूठे और भ्रामक वादे ही करती है। इस अवसर पर दोनों ब्लॉक अध्यक्ष चंदन सिंह व लक्ष्मी धोलाखेड़िया, महिला कांग्रेस अध्यक्ष लक्ष्मी बुंदेल, सेवादल महिला अध्यक्ष पुष्पा राजोरिया, इंद्रावती शुभम ने भी कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन ईश्वर राजोरिया ने किया।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर वायरल हुई झूठी खबर पर बिना पुख्ता जांच किए सेवामुक्त करना गलत

जोधपुर (हिंस)। राजस्थान उच्च न्यायालय की एकलपीठ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर वायरल हुई झूठी खबर पर बिना पुख्ता जांच किए सेवामुक्त करना गलत बताते हुए खाद्य सुरक्षा अधिकारी को सेवामुक्त करने के आदेशों पर रोक लगाई है। जिला प्रतापगढ़ में गत चार वर्षों से खाद्य सुरक्षा ऑफिसर/फूड सेफ्टी ऑफिसर पद पर कार्यरत याचिकाकर्ता सुनील कुमार पामेचा को सोशल मीडिया पर अवैध वसूली को लेकर हुई वायरल खबर को आधार बनाकर सेवामुक्त कर दिए जाने पर अधिवक्ता यशपाल हिलेरी के मार्फत रिट याचिका पेश कर चुनौती दी गयी। याची की ओर से अधिवक्ता खिलेरी ने बताया कि एफएसएसएआई, नई दिल्ली से आवश्यक प्रशिक्षण उपरान्त तथा गजट नोटिफिकेशन जारी कर खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण आयुक्तालय, जयपुर द्वारा याचिकाकर्ता की नियुक्ति खाद्य सुरक्षा अधिकारी पद पर 02 दिसंबर 2022 को की गई थी और तब से वह लगातार संतोषजनक सेवाएं दे रहा है। प्रतापगढ़ जिले में खाद्य पदार्थों के नमूने लेना, उसे सम्बन्धित लेबोरेट्री में जांच के लिए भेजना, नमूनों की जांच पश्चात उत्पाद खाद्य सुरक्षा मानकों पर खरा नहीं उतरने पर आवश्यक कार्यवाही करना इत्यादि सभी कार्य याचिकाकर्ता द्वारा ईमानदारी से किए जाने से दुकानदारों में भय व्याप्त हो गया और राज्यव्यापी अभियान के तहत 04 जून 2026 को ग्राम घंटाली एवं अरनोद में निरीक्षण टीम द्वारा विभिन्न दुकानों का निरीक्षण किया गया। जिससे आक्रोशित होकर स्थानीय सरपंच कचरुलाल निनामा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक झूठी खबर वायरल कर दी कि खाद्य सामग्री के निरीक्षण के नाम पर अवैध वसूली की जा रही हैं।

कांग्रेस व सपा सरकारों ने ललितपुर को कुल मिलाकर 1500 करोड़ रुपए भी नहीं दिए होंगे : मुख्यमंत्री

ललितपुर (हिंस)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि ललितपुर को आज एक साथ 1500 करोड़ रुपए से अधिक की परियोजनाओं की सौगात मिल रही है। कांग्रेस ने पांच दशक और सपा ने चार बार प्रदेश में शासन किया, लेकिन इन दलों ने कुल मिलाकर 1500 करोड़ रुपए भी ललितपुर को नहीं दिए होंगे, क्योंकि उनमें विकास की सोच नहीं थी। सपा के लिए सैफई ही परिवार था और कांग्रेस के लिए दिल्ली का परिवार ही देश था। दोनों इससे बाहर नहीं निकल सकते। लेकिन, हमारे लिए 25 करोड़ जनता ही परिवार है और उसे विकास, सुरक्षा, सम्मान देना हमारा दायित्व है। मुख्यमंत्री शनिवार को तुवन मंदिर मैदान में राजकीय मेडिकल कॉलेज सहित 1766 करोड़ रुपए की 221 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास करने के उपरांत जनसमूह को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर ललितपुर की विकास यात्रा पर लघु फिल्म भी दिखाई गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्राकृतिक सौंदर्य के लिए विख्यात बुंदेलखंड के सुंदरतम जनपदों में से एक ललितपुर हमारे हृदय में बसता है। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में उपस्थित जनता का अभिनंदन करते हुए आश्वासन दिया कि डबल इंजन सरकार यहां के विकास के लिए हरसंभव कदम उठाएगी। मुख्यमंत्री ने कांग्रेस व सपा पर निशाना साधते हुए कहा कि संकुचित सोच वाली इनकी सरकारों ने हर जनपद में एक-एक माफिया दिया था, जो जनता की गाढ़ी कमाई पर डकैती डालने के साथ अवैध खनन, वनों की अवैध कटान, गौतस्करी करते थे। प्रदेश को बंजर बनाते थे। इन लोगों ने यूपी को बीमारू बनाकर बुंदेलखंड के नौजवानों को पलायन पर मजबूर किया। बहन-बेटियों को कष्ट दिया था, लेकिन आज ललितपुर की बेटियां व नौजवान यूपी पुलिस समेत सरकारी नौकरियों में भर्ती होते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछली सरकारों की उपेक्षा का दंश झेलने वाला ललितपुर विकास की योजनाओं से कोसों दूर था। सड़क, बिजली, शिक्षा, स्वास्थ्य, विकास परियोजनाएं नहीं थीं। पानी होने के बावजूद खेती के लिए सिंचाई, गरीब के लिए आवास की सुविधा नहीं थी। मिट्टी के घड़े में पानी ढोते-ढोते माता-बहनों की जिंदगी व्यतीत हो जाती थी। यहां के संसाधनों व वन संपदा में लूट होती थी और मुट्ठी भर लोग अवैध खनन कर अव्यवस्था पैदा करते थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि ललितपुर अब विकास की ऊंचाइयों को प्राप्त कर नवाचार के लिए जाना जा रहा है। प्रदेश की पहली गोशाला देकर ललितपुर ने बताया था कि सरकार भी गोशाला का संचालन कर सकती है। तुवन सरकार की कृपा से तत्कालीन जिला प्रशासन ने पहली गोशाला प्रारंभ की थी। अब वहां से कंपोस्ट का निर्यात अन्य देशों को होने जा रहा है। अब ललितपुर के पास मेडिकल कॉलेज, अटल आवासीय विद्यालय भी है। 1500 एकड़ में यूपी का पहला फार्मा पार्क ललितपुर में बनेगा, इसकी तैयारी हो चुकी है। इससे हजारों नौजवानों को नौकरी मिलेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि अब बहन-बेटियां, माताएं सिर पर घड़ा लेकर नहीं जातीं, क्योंकि बुंदेलखंड में हर घर जल की योजना साकार हो रही है। हर घर तक शुद्ध पेयजल पहुंच रहा है। सीएम ने बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे की चर्चा करते हुए कहा कि हम लोग यूपी का सबसे बड़ा औद्योगिक शहर बुंदेलखंड में बसाने जा रहे हैं। पहले यहां का युवा पलायन करता था। ठोकर से घड़ा फूट जाता था तो माताएं-बहनें किस्मत पर रोती थीं। आपके पूर्वजों ने बुंदेलखंड को सजाया-संवारा था, लेकिन पिछली सरकारों के निकम्मेपन और माफियावृत्ति के कारण बुंदेलखंड पिछड़ा था। हर जनपद में माफिया नौजवानों की नौकरी पर डकैती डालता था। विकास योजनाओं पर गुंडों को बैठाकर जनता के हक को छीना जाता था, जिससे बुंदेलखंड ठगा महसूस करता था। योगी ने याद दिलाया कि सरकार ने बुंदेलखंड को भी डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग कॉरिडोर के हब के रूप में विकसित करने की बात कही थी। अभी इस कॉरिडोर में यूपी के अंदर ब्रह्मोस मिसाइल बन रही है। ऑपरेशन सिंदूर में जब यह मिसाइल दागी गई तो पाकिस्तान त्राहिमाम करते हुए जान की भीख मांग रहा था। प्रधानमंत्री मोदी नए भारत को ताकत दे रहे हैं। उनके नेतृत्व में उत्तर प्रदेश समेत बुंदेलखंड का कायाकल्प हो रहा है। यहां की पहचान अब नौजवानों को नौकरी, बहन-बेटियों की सुरक्षा-समृद्धि से हो रही है। महिला स्वयंसेवी समूह की बहनें बलिनी मिल्क प्रोड्यूसर के माध्यम से तेजी से कैसे आय बढ़ा सकती हैं, बुंदेलखंड, ललितपुर, झांसी इस मॉडल का प्रतीक बन रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि समग्र विकास का कोई विकल्प नहीं हो सकता। विकास ही जीवन में परिवर्तन लाएगा। नौजवान, किसान, कारीगर, हस्तशिल्पी, व्यापारी, बेटी-बहन समेत समाज के हर तबके को विकास का वाहक बनाना पड़ेगा, तब किस्मत बदलेगी और समृद्धि आएगी। डबल इंजन की भाजपा सरकार ने यही कार्य किया। लंबित सिंचाई परियोजनाओं को तेजी से बढ़ाया गया है। दशकों से लंबित अर्जुन सहायक परियोजना अब पूरी हो गई। रतौली बांध, बावनी बांध, कचनौदा बांध, चिल्ली सिंचाई आदि परियोजनाओं ने बुंदेलखंड के किसानों की किस्मत बदली है। किसानों की आमदनी अब कई गुना हो रही है। योगी ने कहा कि हमने गोरखपुर या उप मुख्यमंत्रियों के जनपदों के लिए नहीं, बल्कि ललितपुर के लिए मेडिकल कॉलेज स्वीकृत किया। सीएम युवा के माध्यम से युवा उद्यमी बनाए जा रहे हैं। पूर्वजों ने कहा था कि ललितपुर न छोड़ियो, जब तक मिले उधार। किंतु अब आपको उधार लेने की जरूरत नहीं, क्योंकि सरकार ब्याज-गारंटी मुक्त पैसा दे रही है। अपना व्यवसाय चलाइए और कुछ समय बाद पैसा वापस कर दीजिए। आपका व्यवसाय भी बढ़ेगा और आप उद्यमी भी हो जाएंगे। सीएम ने कहा कि अच्छा कार्य तब होता है, जब अच्छी सरकार आती है। अच्छी सरकार तब आती हैं, जब अच्छे विधायक-सांसद चुने जाते हैं। सीएम ने मन्नू कोरी व रामरतन कुशवाहा को ईमानदार, मेहनती तथा जनसेवा के प्रति पूरी तरह समर्पित बताते हुए कहा कि वे दिन-रात काम करते हैं। हमने उनसे कहा है कि मेहनत से जनता की सेवा करिए।

हुनर को रोजगार से जोड़ने निकला खादी विभाग, चुनार में लगाया जागरूकता शिविर

मीरजापुर (हिंस)। जिला खादी एवं ग्रामोद्योग कार्यालय की ओर से शनिवार को तहसील परिसर चुनार में विपणन विकास सहायता (एससीएसपी) योजना के अंतर्गत एक दिवसीय जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों ने गांधी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया। शिविर में खादी एवं ग्रामोद्योग विभाग की विभिन्न रोजगारपरक योजनाओं की जानकारी देकर लोगों को स्वरोजगार के लिए प्रेरित किया गया। जिला खादी एवं ग्रामोद्योग अधिकारी अमितेश सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम, मुख्यमंत्री ग्रामोद्योग रोजगार योजना तथा मुख्यमंत्री माटीकला रोजगार योजना के माध्यम से युवाओं और कारीगरों को स्वरोजगार से जोड़ा जा रहा है। उन्होंने बताया कि खादी विभाग द्वारा उत्पादों के विपणन को बढ़ावा देने के लिए प्रदर्शनियां, क्रेता-विक्रेता सम्मेलन और अन्य कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। साथ ही माटीकला टूल्स किट वितरण योजना सहित विभिन्न योजनाओं के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी। जिला अग्रणी प्रबंधक आनंद झा ने कहा कि खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड व्यक्तिगत उद्यम स्थापना के लिए बैंक ऋण उपलब्ध कराकर स्वरोजगार को बढ़ावा दे रहा है। वहीं वरिष्ठ सहायक पवन कुमार ने विभाग की योजनाओं और प्रशिक्षण कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए युवाओं को आवेदन करने के लिए प्रेरित किया।

पटना में 22 जून को होगा अति पिछड़ा सम्मेलन सामाजिक एकजुटता-जागरूकता पर रहेगा जोर

पटना (हिंस)। आगामी 22 जून को राजधानी पटना के श्रीकृष्ण मेमोरियल हॉल में अति पिछड़ा सम्मेलन, अभिनंदन सह आभार समारोह का आयोजन किया जाएगा। सम्मेलन सुबह 10 बजे से शुरू होगा। कार्यक्रम को लेकर शनिवार को होटल रेड वेल्वेट में आयोजित पत्रकार वार्ता में बिहार सरकार के मंत्री डॉ. प्रमोद कुमार चंद्रवंशी ने आयोजन की रूपरेखा और उद्देश्य की जानकारी दी। डॉ. प्रमोद कुमार ने कहा कि अति पिछड़ा समाज जनसंख्या के लिहाज से एक बड़ा वर्ग है, लेकिन उसकी वास्तविक ताकत तब सामने आएगी जब समाज एकजुट होकर अपने अधिकारों, हितों और विकास के मुद्दों पर संगठित रूप से आगे बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य समाज में जागरूकता बढ़ाना, सामाजिक एकजुटता को मजबूत करना और विभिन्न वर्गों के बीच संवाद स्थापित करना है। मंत्री ने कहा कि पिछले 12 वर्षों में केंद्र की सरकार द्वारा अति पिछड़ा समाज के उत्थान के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। उनके अनुसार, इन प्रयासों के कारण समाज के बड़े वर्ग का रुझान राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की ओर बढ़ा है। हालांकि, समय-समय पर कुछ लोग इस समाज को भ्रमित करने का प्रयास करते हैं, इसलिए जागरूकता और संवाद की आवश्यकता और बढ़ जाती है। उन्होंने कहा कि जननायक कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न से सम्मानित किए जाने से अति पिछड़ा समाज का गौरव बढ़ा है। इसके अलावा अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) आयोग को संवैधानिक दर्जा देकर समाज को सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई है। बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर से जुड़े पांच प्रमुख स्थलों को पंचतीर्थ के रूप में विकसित कर सामाजिक न्याय और समानता के संदेश को और मजबूत किया गया है। डॉ. प्रमोद कुमार ने बताया कि बिहार से भाजपा के अति पिछड़ा समाज के पांच सांसद हैं, जिनमें दो लोकसभा और तीन राज्यसभा सदस्य शामिल हैं। इसके अलावा बिहार मंत्रिमंडल में ओबीसी वर्ग से चार मंत्री तथा केंद्र सरकार में 28 ओबीसी मंत्री कार्यरत हैं। उन्होंने कहा कि हाल ही में बिहार में दो नए विधान परिषद सदस्यों के मनोनयन के बाद भाजपा से अति पिछड़ा समाज के कुल पांच विधान परिषद सदस्य हो गए हैं। मंत्री ने दावा किया कि केंद्र और राज्य सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं, जैसे मुफ्त राशन, आयुष्मान भारत योजना, हर घर नल का जल, बिजली, सड़क और स्वास्थ्य सुविधाओं से अति पिछड़ा समाज के जीवन स्तर में सकारात्मक बदलाव आया है। इन योजनाओं ने समाज के कमजोर और वंचित वर्गों में नई उम्मीद जगाई है।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस रविवार को, शहरभर में होंगे विविध आयोजन

जोधपुर (हिंस)। बारहवें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर रविवार को शहर के विभिन्न स्थानों पर योग एवं स्वास्थ्य जागरूकता से जुड़े कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। योग दिवस को लेकर पिछले कई दिनों से विभिन्न संस्थाओं, विद्यालयों, महाविद्यालयों एवं सामाजिक संगठनों की ओर से योगाभ्यास सत्रों का आयोजन किया जा रहा है। जिला प्रशासन एवं आयुष विभाग के तत्वावधान में जिला स्तरीय मुख्य कार्यक्रम सम्राट अशोक उद्यान में आयोजित होगा। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों, योग प्रशिक्षकों, विद्यार्थियों तथा बड़ी संख्या में आमजन की भागीदारी रहेगी। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के एक दिन पूर्व मरुधरा खेलकूद विकास संस्थान की ओर से शाला कीड़ा संगम गौशाला मैदान में योग अभ्यास एवं युवा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि पूर्व राज्यसभा सांसद राजेंद्र गहलोत ने कहा कि आज योग केवल भारत की परंपरा नहीं, बल्कि सम्पूर्ण मानवता के स्वास्थ्य, संतुलन और कल्याण का माध्यम बन चुका है। कार्यक्रम के दौरान राजस्थान सशस्त्र कांस्टेबुलरी के विशेष कमांडो दल द्वारा युवाओं एवं महिलाओं के लिए विशेष सेल्फ डिफेंस प्रदर्शन एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण के माध्यम से महिलाओं और युवाओं में आत्मरक्षा, आत्मविश्वास तथा सुरक्षा के प्रति जागरूकता का संदेश दिया गया। साथ ही वर्ष 2026 में राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं एवं युवा खिलाड़ियों का सम्मान समारोह भी आयोजित किया गया। कार्यक्रम में राजस्थान भाजपा युवा मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष शंकर गौरा, शहर विधायक अतुल भंसाली, आईपीएस पंकज यादव, भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष नरेंद्र कच्छवाहा, जगत नारायण जोशी आदि उपस्थित रहे। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में क्रीड़ा भारती जोधपुर महानगर द्वारा आयोजित योग सप्ताह कार्यक्रमों की श्रृंखला के अंतर्गत जसवंत थड़ा परिसर में सामूहिक योग सत्र का आयोजन किया गया। क्रीड़ा भारती जोधपुर महानगर अध्यक्ष वरुण धनाडिया ने बताया कि कार्यक्रम में शहर विधायक अतुल भंसाली की उपस्थिति में योग प्रशिक्षक गजराज सिंह ने प्रतिभागियों को विभिन्न योगासन, प्राणायाम एवं ध्यान के अभ्यास करवाया। अक्षिता कच्छवाहा ने उपस्थित लोगों को स्वास्थ्य के साथ मानसिक शांति के लिए मेडिटेशन भी करवाया। क्रीड़ा भारती जोधपुर महानगर के सचिव नीरज कौशिक ने बताया कि अहमदाबाद में संपन्न हुई प्रथम वर्ल्ड योगासन चैंपियनशिप ओर दिल्ली में संपन्न हुई द्वितीय एशियन योगासन चैंपियनशिप के विजेता खिलाड़ियों का सम्मान किया गया। राजस्थान उच्च न्यायालय जोधपुर द्वारा प्रदत्त निर्देशों के क्रम में 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर जोधपुर में विभिन्न स्थानों पर सामूहिक योग कार्यक्रम एवं योग शिविर आयोजित किए जाएंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार प्रातः 7 बजे से 7.30 बजे तक जिला एवं सेशन न्यायालय परिसर जोधपुर में सामूहिक योग कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इसके पश्चात प्रातः 8 बजे केंद्रीय कारागृह में योग शिविर तथा प्रातः 9 बजे सर प्रताप विधि महाविद्यालय में योग शिविर का आयोजन प्रस्तावित है।

ग्लैम अप फेस्ट 2026 : जेन-जी और नान-मेट्रो इंडिया की वजह से फ्लिपकार्ट ब्यूटी में 50 फीसदी की ग्रोथ

नई दिल्ली

ई-कामर्स क्षेत्र की प्रमुख कंपनी फ्लिपकार्ट ने शुक्रवार को घोषणा की कि उसकी ब्यूटी और पर्सनल केयर कैटेगरी में साल-दर-साल 50 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। इस प्लेटफार्म पर अब ब्यूटी से जुड़ी कुल खरीदारी में से करीब 60 फीसदी खरीदारी जेन-जी कर रहे हैं।

ई-कामर्स मार्केटप्लेस, फ्लिपकार्ट की ओर से नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित ग्लैम अप फेस्ट 2026 के चौथे एडिशन में यह जानकारी सामने आई, जिसमें 100 से ज्यादा बड़े ब्यूटी ब्रांड्स और 6 हजार से ज्यादा क्रिएटर्स, इन्फ्लुएंसर्स और सेलिब्रिटीज़ शामिल हुए। इस इवेंट में फ्लिपकार्ट ने अपना ग्लोबल लक्स ब्यूटी स्टोर भी लान्च किया, जिसका अनावरण जाह्नवी कपूर ने किया।

ग्लैम अप फेस्ट 2026 में फ्लिपकार्ट ने क्वांटम कंज्यूमर साल्यूशंस के साथ मिलकर तैयार की गई अपनी एनुअल ब्यूटी ट्रेंड्स रिपोर्ट 2.0 जारी की। यह रिपोर्ट भारतीय खरीदारों के ब्यूटी के प्रति बदलते नजरिए को दिखाती है। रिपोर्ट के मुताबिक अब प्लेटफार्म पर ब्यूटी से जुड़ी कुल खरीदारी में से लगभग 60 फीसदी खरीदारी जेन-जी कर रहे हैं। इस तेज़ी को बढ़ाने में टियर 2 और टियर 3 शहरों के खरीदारों की बड़ी भूमिका है।

इस रिपोर्ट के अनुसार, एक समय लोग सौंदर्य को सिर्फ अपनी आकांक्षाओं वाली श्रेणी मानते थे, लेकिन आज इसे आत्म देखभाल और व्यक्तिगत पहचान को रोजाना जरूरत के रूप में देख रहे हैं। फ्लिपकार्ट पर ब्यूटी से जुड़ी हर तीन में से दो सर्च नान-मेट्रो शहरों से आते हैं। कटक, बर्धमान, गोरखपुर, कोट्टायम, गुंटूर, जामनगर और सांगली जैसे कई शहर देश में ब्यूटी ट्रेंड्स और खरीदारी के फैसलों को तेज़ी से आकार दे रहे हैं। ई-कामर्स क्षेत्र की प्रमुख कंपनी फ्लिपकार्ट की रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत के सौंदर्य एवं व्यक्तिगत देखभाल (बीपीसी) उत्पाद बाजार के वर्ष 2030 तक 39 अरब यूएस डालर पर पहुंचने का अनुमान है।

ग्लैम अप फेस्ट 2026: हर पल के लिए ब्यूटी - ग्लैम अप फेस्ट 2026 इवेंट में फ्लिपकार्ट ने अपना ग्लोबल लक्स ब्यूटी स्टोर भी लान्च किया, जिसका अनावरण जाह्नवी कपूर ने किया। इससे भारतीय खरीदारों को डर्मा केयर, खुशबू (फ्रैगरेंस) और के-ब्यूटी जैसे इंटरनेशनल ब्यूटी प्रोडक्ट्स तक पहुंच मिली। इस स्टोर में 100 से ज्यादा ब्रांड्स शामिल हैं, जिनमें केल्विन क्लाइन, गुच्ची, नाटिका, यूसेरिन, मेडिक्यूब, डीअल्बा, सेटाफिल, सेरावे, ब्यूटी आफ जोसोन और टिर टिर जैसे ब्रांड्स शामिल हैं।

न्यूज़ ब्रीफ

यूपी में महंगी होगी बिजली! नोएडा के 2.5 लाख उपभोक्ताओं पर पड़ेगा सीधा असर

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में बिजली जल्द महंगी हो सकती है। इसकी शुरुआत नोएडा और ग्रेटर नोएडा के ढाई लाख उपभोक्ताओं से होगी, जहां नोएडा पावर कंपनी लिमिटेड (एनपीसीएल) की 10 फीसदी छूट खत्म हो सकती है। यह फैसला उत्तर प्रदेश विद्युत नियामक आयोग द्वारा कंपनी की सरप्लस (अधिशेष) राशि के पुनरीक्षण के बाद आया है। नियामक आयोग ने एनपीसीएल की पहले अनुमानित 1500.62 करोड़ की सरप्लस राशि को घटाकर अब 593.81 करोड़ कर दिया है। यह निर्णय एनपीसीएल द्वारा अपीलीय न्यायाधिकरण में वर्ष 2018 से 2025 तक के बिजली टैरिफ मामले में अपील के बाद पुनर्विचार के तहत लिया गया। सरप्लस राशि में इस भारी कमी से एनपीसीएल को उपभोक्ताओं को मिलने वाली करीब 10 फीसदी की छूट घटानी या खत्म करनी पड़ सकती है, जिससे नोएडा और ग्रेटर नोएडा के लाखों उपभोक्ताओं के बिजली बिल बढ़ जाएंगे। केवल नोएडा ही नहीं, पूरे प्रदेश में भी नया बिजली टैरिफ जल्द जारी होने वाला है, जिसमें बिजली महंगी होने की आशंका है। विद्युत उपभोक्ता परिषद ने नियामक आयोग के इस फैसले का विरोध करते हुए याचिका दाखिल की है। परिषद का दावा है कि प्रदेश की अन्य बिजली वितरण कंपनियों (डिस्कॉम) पर भी उपभोक्ताओं का करीब 51,000 करोड़ रुपए का सरप्लस बनता है। ऐसे में एनपीसलएल के इस मामले से भविष्य में अन्य कंपनियों के सरप्लस की जांच की मांग भी उठ सकती है, जिसका अंतिम फैसला नियामक आयोग के टैरिफ आदेश के बाद ही स्पष्ट होगा।

बान्ड बाजार की शार्ट-टर्म खुशी पर आरबीआई का ब्रेक! महंगाई बनी चिंता

नई दिल्ली। विदेशी निवेशकों को लुभाने के सरकार के हालिया प्रयासों ने बान्ड बाजार में जबरदस्त उछाल

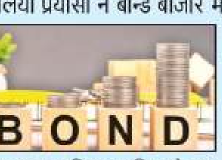

ला दिया है, खासकर कम अवधि वाले सरकारी बान्ड में। हालांकि यह उत्साह अल्पकालिक साबित हो सकता है क्योंकि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) जल्द ही बाजार से अतिरिक्त नकदी को सोखने के लिए कदम उठा सकता है। बढ़ती महंगाई की चिंताएं और बैंकिंग सिस्टम में अनुमानित भारी अधिशेष नकदी, आरबीआई को सख्ती बरतने पर मजबूर कर सकती हैं, जिससे विदेशी निवेशकों की उम्मीदों पर पानी फिरने और बान्ड यील्ड में गिरावट पर ब्रेक लगने की आशंका है। 5 जून को सरकार द्वारा विदेशी निवेशकों के लिए बान्ड निवेश को आसान बनाने के बाद से, विदेशी पूंजी का प्रवाह बढ़ा है। इसके परिणामस्वरूप, पांच साल वाले सरकारी बान्ड की यील्ड 6.49 फीसदी तक गिर गई, जो बान्ड की बढ़ती कीमतों का संकेत है। सरकार ने रुपये को मजबूत करने और विदेशी निवेश बढ़ाने के लिए प्रवासी भारतीयों के लिए विशेष जमा योजनाओं और सरकारी कंपनियों को विदेशी बान्ड के जरिए पैसा जुटाने की छूट जैसे कई अन्य कदम भी उठाए हैं, जिससे लगभग 80 अरब डालर के निवेश का अनुमान है। हालांकि, इस तेजी पर अब भारतीय रिजर्व बैंक का रुख भारी पड़ सकता है। आरबीआई के लिए महंगाई एक बड़ी चिंता बनकर उभरी है। मई में थोक महंगाई दर 9.68 फीसदी पर पहुंच गई है और कमजोर मानसून की आशंकाएं कीमतों पर और दबाव डाल सकती हैं।

ब्रिटेन में 15 जुलाई से लागू होगा सामाजिक सुरक्षा समझौता, सालाना 500 करोड़ पाउंड की बचत

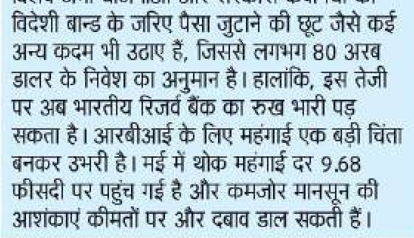

नई दिल्ली। भारत और ब्रिटेन के बीच डबल कंट्रीब्यूशन कन्वेंशन (डीसीसी) या सामाजिक सुरक्षा समझौता 15 जुलाई से लागू होने जा रहा है। यह समझौता ब्रिटेन में कार्यरत भारतीय कंपनियों के भारतीय पेशेवरों के लिए सालाना 500 मिलियन (करीब 5,000 करोड़) की महत्वपूर्ण बचत का मार्ग प्रशस्त करेगा, जिससे उनकी परिचालन लागत में कमी आएगी और व्यापार सुगमता बढ़ेगी। यह द्विपक्षीय समझौता भारतीय पेशेवरों और उनके नियोक्ताओं को ब्रिटेन में सामाजिक सुरक्षा योगदान के दोहरे भुगतान से छूट प्रदान करता है, बशर्ते वे भारत में पहले से ही योगदान दे रहे हों। दो सरकारी अधिकारियों के अनुसार, इस कदम से ब्रिटेन में कार्यरत लगभग 75,000 भारतीय इंट्रा-कार्पोरेट ट्रांसफरी (अस्थायी असाइनमेंट पर काम करने वाले पेशेवर) और 900 से अधिक भारतीय कंपनियों को सीधा लाभ मिलेगा। अनुमान है कि इनमें से 90-95 फीसदी पेशेवरों को इस समझौते का लाभ मिलेगा। वर्तमान में ब्रिटेन में कार्यरत भारतीय पेशेवरों को वहां के सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रम में 10 वर्षों तक निरंतर योगदान देने पर ही लाभ मिलता है, जिसका लाभ अस्थायी असाइनमेंट पर रहने वाले पेशेवरों को नहीं मिल पाता।

मर्सिडीज-बेंज ने पेश की अपनी नई एस-क्लास लग्जरी कार

नई दिल्ली

भारतीय ग्राहकों के लिए लग्जरी वाहन निर्माता कंपनी मर्सिडीज-बेंज ने अपनी नई एस-क्लास पेश कर दी है। सबसे बड़ी खासियत यह है कि पहली बार भारतीय बाजार में एस-क्लास को प्लग-इन हाइब्रिड तकनीक के साथ पेश किया गया है, जिससे यह न केवल अधिक शक्तिशाली बल्कि पहले से अधिक ईंधन-किफायती भी बन गई है। कंपनी ने इस प्रतिष्ठित लग्जरी सेडान के अद्यतन संस्करण को कई तकनीकी और डिज़ाइन सुधारों के साथ बाजार में उतारा है। कंपनी ने इस नई कार की शुरुआती कीमत 2.20 करोड़ रुपये (एक्स-शोरूम) निर्धारित की है। फिलहाल इसे केवल एस 450 ई संस्करण में उपलब्ध कराया गया है और इसकी बुकिंग शुरू कर दी गई है, जिसकी डिलीवरी इस वर्ष दीपावली के आसपास मिलने की संभावना है। नई एस-क्लास की शुरुआती कीमत पुराने माडल की तुलना में लगभग 35 लाख रुपये अधिक रखी गई है, जो इसमें शामिल नई तकनीक और उन्नत शक्ति प्रणाली को दर्शाता है। भारतीय बाजार में इसका

मुकाबला मुख्य रूप से बीएमडब्ल्यू की 7 सीरीज से माना जा रहा है। इस नई लग्जरी कार में तीन लीटर क्षमता का टर्बो पेट्रोल इंजन और एक विद्युत मोटर का संयोजन दिया गया है। दोनों प्रणालियों को मिलाकर वाहन लगभग 435 ब्रेक हार्सपावर की शक्ति और 680 न्यूटन मीटर का टार्क उत्पन्न करता है। कंपनी का दावा है कि यह कार केवल विद्युत शक्ति पर लगभग 115 किलोमीटर तक चल सकती है और शून्य से सौ किलोमीटर प्रति घंटे की गति केवल 5.7 सेकंड में प्राप्त कर सकती है।

इसकी बैटरी को लगभग 20 मिनट में 10 प्रतिशत से 80 प्रतिशत तक चार्ज किया जा सकता है। एस-क्लास के बाहरी स्वरूप में नई ग्रिल, विशेष सितारा आकृति वाली रोशनी और नए डिजाइन वाले पहिए दिए गए हैं। अंदरूनी हिस्सा पहले से कहीं अधिक आधुनिक और तकनीक से भरपूर बनाया गया है। भारतीय बाजार में इसे लंबे व्हीलबेस वाले संस्करण में पेश किया गया है, जिससे पीछे बैठने वाले यात्रियों को भरपूर स्थान मिलता है। सीटों में वेंटिलेशन, ताप नियंत्रण और मालिश जैसी सुविधाएं दी गई हैं। इसका सबसे बड़ा तकनीकी आकर्षण नया डिजिटल सुपरस्क्रीन सिस्टम है, जिसमें बड़ी ओएलईडी स्पर्श स्क्रीन और सहयात्री के लिए अलग डिजिटल स्क्रीन उपलब्ध कराई गई है।

मारुति सुजुकी ने अपने ग्राहकों के लिए पेश किया स्मार्ट मेंटेनेंस प्लान

नई दिल्ली। अपने ग्राहकों के लिए मारुति सुजुकी कंपनी ने स्मार्ट मेंटेनेंस प्लान नामक एक नई और सुविधाजनक रखरखाव योजना पेश की है। यह योजना निजी और व्यावसायिक दोनों प्रकार के वाहन मालिकों के लिए उपलब्ध है। इस पहल का उद्देश्य वाहन मालिकों को सेवा और रखरखाव से जुड़े खर्चों पर बेहतर नियंत्रण देना, भविष्य में बढ़ने वाली सेवा लागतों से बचाना और वाहन स्वामित्व के अनुभव को अधिक सुविधाजनक बनाना है। ग्राहक चाहे तो नया वाहन खरीदते समय ही इसे अपना सकते हैं, वहीं पहले से वाहन उपयोग कर रहे ग्राहक भी देशभर में स्थित किसी भी अधिकृत मारुति सुजुकी सेवा केंद्र से इसे खरीद सकते हैं। इस योजना की सबसे बड़ी विशेषता इसका लचीलापन है। वाहन मालिक अपनी जरूरत और बजट के अनुसार विभिन्न प्रकार के सेवा पैकेज चुन सकते हैं। इनमें केवल श्रम शुल्क वाले पैकेज, पुर्जों और श्रम दोनों को शामिल करने वाले पैकेज, व्यावसायिक वाहनों के लिए विशेष रखरखाव सेवाएं तथा इंजन आयल और शीतलक द्रव से संबंधित सुविधाएं शामिल हैं। कुछ चुनिंदा पुर्जों जैसे क्लच और ब्रेक के लिए घिसावट और सामान्य उपयोग से होने वाले नुकसान की सुरक्षा का विकल्प भी उपलब्ध है। कंपनी के अनुसार, इस योजना का लाभ लेने वाले ग्राहकों को श्रम शुल्क में कम से कम दस प्रतिशत तक की बचत हो सकती है और विभिन्न पुर्जों पर भी अतिरिक्त आर्थिक लाभ मिल सकता है। चूंकि यह एक पूर्व भुगतान आधारित योजना है, इसलिए ग्राहक सेवा पैकेज खरीदते समय ही भविष्य के रखरखाव खर्च को तय कर सकते हैं, जिससे आने वाले वर्षों मे सेवा शुल्क बढ़ने की स्थिति में भी उन्हें अतिरिक्त आर्थिक बोझ नहीं उठाना पड़ेगा। निजी वाहन मालिक दो वर्ष या बीस हजार किलोमीटर से लेकर दस वर्ष या एक लाख किलोमीटर तक के विकल्प चुन सकते हैं, जबकि व्यावसायिक वाहनों के लिए यह सुविधा दस वर्ष या एक लाख साठ हजार किलोमीटर तक उपलब्ध होगी। कंपनी के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने कहा है कि यह योजना ग्राहकों को अधिक विकल्प, बेहतर सुविधा और खर्चों में पारदर्शिता उपलब्ध कराएगी, जिससे वाहन स्वामित्व को आसान बनाने में मदद मिलेगी।

भारत बनेगा कुशल सेमीकंडक्टर पेशेवरों का केंद्र : अश्विनी वैष्णव

नई दिल्ली

केंद्रीय इलेक्ट्रानिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने घोषणा की है कि भारत वैश्विक सेमीकंडक्टर उद्योग में कुशल मानव संसाधन का एक प्रमुख केंद्र बनने के लिए तैयार है। उन्होंने पटना में कहा कि इस क्षेत्र में 10 लाख पेशेवरों की वैश्विक कमी को देखते हुए, यह देश के लिए एक बड़ा अवसर है।

मंत्री वैष्णव ने बताया कि लगभग 800 अरब डालर का वर्तमान सेमीकंडक्टर उद्योग एक वर्ष के भीतर 1 ट्रिलियन डालर को पार कर जाएगा, जिससे 2032 तक लगभग 10 लाख नई नौकरियां पैदा होंगी। उन्होंने कहा कि इस अवसर का लाभ उठाने के लिए भारत को सेमीकंडक्टर डिजाइन और विनिर्माण पर विशेष ध्यान देना होगा। वैष्णव ने पुष्टि की कि सरकार देश में विश्वस्तरीय सेमीकंडक्टर डिजाइन

मंत्री वैष्णव ने 10 लाख पेशेवरों की कमी को भारत के लिए बड़ा अवसर बताया

क्षमता विकसित करने पर काम कर रही है, ताकि भारतीय छात्र वैश्विक स्तर पर सर्वश्रेष्ठ प्रतिभाओं में गिने जाएं। उन्होंने बताया कि सेमीकंडक्टर डिजाइन से जुड़े विभिन्न कार्यक्रमों से अब तक लगभग 75,000 छात्रों को आकर्षक अवसर मिले हैं, और लक्ष्य इस संख्या को 5 लाख तक पहुंचाना है। उन्होंने यह भी कहा कि भारत में सेमीकंडक्टर निर्माण गतिविधियां पहले ही शुरू हो चुकी हैं, और उत्पादन बढ़ने के साथ कौशल विकास कार्यक्रम भी तैयार किए जाएंगे।

मंत्री ने अपने एसटीपीआई केंद्र के दौरे के दौरान टियर-2 और टियर-3 शहरों में स्टार्टअप इकोसिस्टम को मजबूत करने के सरकार के प्रयासों पर भी प्रकाश डाला, नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने पर जोर दिया। उन्होंने युवा उद्यमियों के साथ बातचीत की और सरकारी सहायता को बेहतर बनाने के उपायों पर चर्चा की।

बीते सप्ताह सोना 2,800 रुपए, चांदी 10,600 रुपए से ज्यादा सस्ती हुई

नई दिल्ली। बीते हफ्ते भारतीय सर्राफा बाजार में सोना और चांदी की कीमतों में भारी गिरावट दर्ज की गई है। सोने की कीमत 2,800 रुपए से अधिक और चांदी 10,600 रुपए से ज्यादा सस्ती हुई है, जिससे खरीदारों को कुछ राहत मिली है। वैश्विक अस्थिरता और अमेरिकी केंद्रीय बैंक के ब्याज दरें बढ़ाने की आशंका ने कीमती धातुओं पर दबाव बनाया है। इंडिया बुलियन ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के आंकड़ों के मुताबिक, 24 कैरेट सोने का दाम 2,830 रुपए कम होकर 1,44,970 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया है, जो पहले 1,47,800 रुपए पर था। इसी तरह, 22 कैरेट सोने की कीमत 1,32,793 रुपए और 18 कैरेट सोने का दाम 1,08,728 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया है, जिनमें उल्लेखनीय कमी आई है। सोने के साथ-साथ चांदी की कीमतों में भी तेज गिरावट देखने को मिली है। चांदी का दाम 10,609 रुपए कम होकर 2,31,973 रुपए प्रति किलो पर आ गया है, जबकि पहले यह 2,42,582 रुपए प्रति किलो था। विशेषज्ञों का मानना है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सोने का दाम 4,170 डालर प्रति औंस और चांदी का दाम 64 डालर प्रति औंस के करीब पहुंचने के साथ ही अमेरिकी फेड के चेयरमैन केविन वार्श की ब्याज दरों में बढ़ोतरी संबंधी टिप्पणी और डालर के मजबूत होने से बुलियन मार्केट में कमजोरी आई है।

नोवो नॉर्डिस्क के सिस्टम में सेंधमारी, हैकर्स ने मांगी 2.5 करोड़ डॉलर की फिरौती

फार्मा कंपनी ने मामले को गंभीरता से लिया, जांच जारी

मुंबई

फार्मास्युटिकल दिग्गज नोवो नार्डिस्क कथित साइबर हमले की चपेट में आ गई है। हैकिंग समूह ने कंपनी से 2.5 करोड़ डालर की फिरौती मांगी थी, जिसे कंपनी ने ठुकरा दिया है। हमलावरों ने कंपनी का 1 टेराबाइट से अधिक डेटा चुराने का दावा किया है। डेनमार्क की फार्मास्युटिकल कंपनी नोवो नार्डिस्क ने इस दावे पर संज्ञान लिया है कि उसके सिस्टम से अवैध रूप से डेटा कापी करके आनलाइन प्रकाशित किया गया है। ऐसी खबरें सामने आई हैं कि एक हैकिंग समूह ने कंपनी से 2.5 करोड़ डालर की फिरौती मांगी थी, जिसे कंपनी ने ठुकरा दिया। हैकरों ने 1 टेराबाइट से अधिक डेटा चुराने का दावा किया है। नोवो नार्डिस्क ने एक आधिकारिक बयान में कहा है कि वह इस मामले को गंभीरता से ले रही है और अपने प्रमुख प्लेटफार्म पर सामान्य परिचालन बनाए रखते हुए लगातार अपने सिस्टम की निगरानी कर रही है। कंपनी ने पुष्टि की है कि इस घटना को लेकर वह संबंधित अधिकारियों के संपर्क में है और दुनिया भर में मरीजों को दवाओं तथा सहायक सेवाओं की अबाध डिलीवरी सुनिश्चित करने के साथ-साथ अपने सिस्टम की सुरक्षा और विश्वसनीयता बनाए रखना उसकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। हालांकि, नोवो नार्डिस्क ने कथित सेंधमारी के पैमाने या प्रामाणिकता की पुष्टि नहीं की है। कंपनी का यह बयान उन चिंताओं के बीच आया है कि बड़ी बहुराष्ट्रीय कंपनियों को फिरौती के लिए निशाना बनाया जा रहा है, खासकर स्वास्थ्य सेवा और दवा जैसे अहम क्षेत्रों में। इन क्षेत्रों में महत्वपूर्ण अनुसंधान, रोगी-संबंधित जानकारी और स्वामित्व वाले डेटा को अक्सर मूल्यवान लक्ष्य माना जाता है। हाल के समय में डेटा एक्सटार्शन (डेटा चुराकर फिरौती मांगने) की घटनाएं तेजी से बढ़ी हैं, जहां हमलावर बड़े स्तर पर डेटा चोरी का दावा करके फर्मों पर फिरौती देने का दबाव बनाते हैं। कंपनियों द्वारा अक्सर यह चेतावनी दी जाती है कि जब ऐसे दावे सार्वजनिक किए जाते हैं, तो जरूरी नहीं कि उनकी स्वतंत्र रूप से पुष्टि की गई हो। नोवो नार्डिस्क ने इस कथित घटना के बारे में कोई तकनीकी जानकारी नहीं दी है, माना जा रहा है कि संबंधित अधिकारियों और साइबर सुरक्षा टीमों की मदद से इसकी जांच चल रही है। नोवो नार्डिस्क 1994 से भारत में सक्रिय है और इसका मुख्यालय बेंगलुरु में है। भारत में कंपनी के 1,600 से अधिक कर्मचारी हैं।

उपभोक्ताओं को गुमराह करने पर एफएसएसएआई सख्त, कई फूड ब्रांड्स को नोटिस

मैरिको, फेरेरो, बीकानेरवाला समेत 14 कंपनियों पर नो एडेड शुगर व स्वच्छता उल्लंघन मामला

नई दिल्ली

खाद्य सुरक्षा नियामक भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने भ्रामक दावों, ब्रांडिंग और लेबलिंग के जरिए उपभोक्ताओं को गुमराह करने वाले कई फूड बिजनेस के खिलाफ कड़ा रुख अपनाया है। ग्राहकों से मिली शिकायतों के आधार पर एफएसएसएआई ने इन कंपनियों को नोटिस जारी कर तत्काल सुधार के उपाय करने का निर्देश दिया है। यह कार्रवाई फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स एक्ट, 2006 और फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स (एडवरटाइजिंग एंड क्लेम्स) रेगुलेशंस, 2018 के नियमों के उल्लंघन पर की गई है। नियामक की

ओर से जारी जानकारी के मुताबिक ये नोटिस भ्रामक ब्रांड नामों, उत्पाद दावों और लेबलिंग से संबंधित नियमों के उल्लंघन के लिए भेजे गए हैं। एफएसएसएआई ने स्पष्ट किया कि कई खाद्य आपरेटर्स ऐसे दावे कर रहे थे जो ग्राहकों को गुमराह कर सकते थे या वैज्ञानिक प्रमाणों के बिना स्वास्थ्य लाभ का दावा करते थे। कार्रवाई के दायरे में आए कुछ प्रमुख उदाहरणों में प्लक्क का आम का जूस शामिल है, जिस पर नो एडेड शुगर का दावा किया गया था, जबकि जांच में उसमें गन्ने का रस पाया गया। इसी तरह, नेचुरल पनीर शब्द का इस्तेमाल भी मिश्रित खाद्य पदार्थों के लिए नेचुरल शब्द के उपयोग से संबंधित नियमों का उल्लंघन पाया गया। मास्टरचाउ फूड्स प्राइवेट लिमिटेड को 100 परसेंट नेचुरल, फ्रेशली मेड जैसे दावों और आर्गेनिक आटा के उल्लेख पर नोटिस मिला। फेरेरो इंडिया के किंडर जाय पर रिच इन मिल्क सालिड्स के दावे और मैरिको लिमिटेड के सैफोला टोटल हार्ट प्रो कुकिंग आयल से जुड़े स्वास्थ्य दावों पर भी सवाल उठाए गए हैं। इसके अतिरिक्त, मेडिजेन लैब्स, नेक्सा इंडस्ट्रीज और रा प्रेसरी जैसी कंपनियों के स्वास्थ्य और प्रदर्शन संबंधी दावों के लिए वैज्ञानिक सबूतों की कमी पाई गई। सिर्फ भ्रामक दावों ही नहीं, बल्कि स्वच्छता मानकों के उल्लंघन पर भी कार्रवाई हुई है। बीकानेरवाला को एक स्टाफ सदस्य के काम के घंटों के दौरान सर्विस एरिया में खाने की शिकायत पर नोटिस भेजा गया। वहीं परम डेयरी लिमिटेड को आईआरसीटीसी कैटरिंग सर्विस को सप्लाई किए गए दही और रबड़ी में फंगस मिलने के गंभीर आरोपों पर जवाब-तलब किया गया है। एफएसएसएआई ने सभी संबंधित एफबीओ को कड़े निर्देश दिए हैं कि वे तुरंत सुधारात्मक उपाय करें और लागू खाद्य सुरक्षा, विज्ञापन तथा लेबलिंग नियमों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करें। यह कदम उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य और उनके अधिकारों की सुरक्षा की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

एफआईएच महिला हाकी नेशंस कप 2025-26 : भारत ने चिली को 6-0 से रौंदकर फाइनल में बनाई जगह

आकलैंड

भारतीय महिला हाकी टीम ने शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए एफआईएच महिला हाकी नेशंस कप न्यूजीलैंड 2025-26 के सेमीफाइनल में शनिवार को चिली को एकतरफा मुकाबले में 6-0 से हराकर लगातार चौथी जीत दर्ज की और फाइनल में प्रवेश कर लिया।

भारतीय टीम की इस शानदार जीत में नवनीत कौर और दीपिका ने दो-दो गोल दागे, जबकि नेहा और ऋतुजा दादासो पिसाल ने एक-एक गोल किया। कप्तान सलीमा टेटे को उनके बेहतरीन आलराउंड प्रदर्शन के लिए प्लेयर आफ द मैच चुना गया।

भारत अब फाइनल में अमेरिका और मेजबान न्यूजीलैंड के बीच होने वाले दूसरे सेमीफाइनल की विजेता टीम से भिड़ेगा।

भारत ने मुकाबले की शुरुआत से ही गेंद पर नियंत्रण बनाए रखा और छठे मिनट में मिले पहले पेनल्टी कार्नर को गोल में बदलते हुए बढ़त हासिल की। नवनीत कौर ने सटीक शाट लगाकर भारत को 1-0 की बढ़त दिलाई।

13वें मिनट में कप्तान सलीमा टेटे ने बाएं फ्लैंक से शानदार मूव बनाते हुए गेंद नवनीत तक पहुंचाई और उन्होंने अपना दूसरा गोल दागकर भारत की बढ़त दोगुनी कर दी।

इसके बाद दीपिका ने लगातार दो पेनल्टी कार्नर को गोल में बदलते हुए 14वें और 18वें मिनट में गोल दागे और भारत ने पहले हाफ में ही 4-0 की मजबूत बढ़त बना ली।

दीपिका के इन दो गोलों के साथ टूर्नामेंट में उनके कुल गोलों की संख्या छह हो गई और वह शीर्ष गोल स्कोरर बन गईं।

दूसरे हाफ में भी भारतीय टीम ने आक्रामक खेल जारी रखा। नेहा ने 32वें मिनट में पेनल्टी कार्नर को गोल में बदलकर स्कोर 5-0 किया। इसके बाद ऋतुजा दादासो पिसाल ने 39वें मिनट में ओपन प्ले से शानदार रिवर्स हिट लगाकर भारत का छठा गोल दाग दिया। अंतिम क्वार्टर में चिली ने कुछ मौके बनाए, लेकिन भारतीय गोलकीपर सविता ने बेहतरीन बचाव करते हुए विपक्षी टीम को कोई गोल नहीं करने दिया। भारत ने अंत तक अपना दबदबा बनाए रखा और 6-0 की बड़ी जीत के साथ खिताबी मुकाबले में जगह पक्की कर ली।

न्यूज ब्रीफ

आईएसएसएफ जूनियर विश्व चैंपियनशिप : समीर, रोहित ने दिलाया स्वर्ण, भारत ने दूसरे दिन जीते पांच पदक

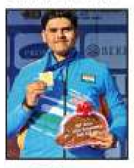

सुहल (जर्मनी)। भारतीय निशानेबाजों ने आईएसएसएफ जूनियर विश्व चैंपियनशिप 2026 में शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए दूसरे दिन शुक्रवार को कुल पांच पदक अपने नाम किए। इस प्रदर्शन के साथ भारत ने दो दिन में कुल आठ पदक (4 स्वर्ण, 1 रजत और 3 कांस्य) हासिल कर पदक तालिका में शीर्ष स्थान बरकरार रखा। भारत के लिए समीर ने 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल जूनियर पुरुष वर्ग में स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने फाइनल में शानदार संयम दिखाते हुए 28 हिट्स के साथ पहला स्थान हासिल किया। वहीं 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन जूनियर पुरुष वर्ग में रोहित कन्यान ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए भारत को दूसरा स्वर्ण पदक दिलाया और भारतीय अभियान को और मजबूत किया। महिला वर्ग में प्राची गायकवाड़ ने 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन जूनियर महिला स्पर्धा में 354.7 अंक के साथ रजत पदक जीतकर भारत की झोली में एक और सफलता जोड़ी। टीम स्पर्धाओं में भी भारतीय निशानेबाजों ने दमदार प्रदर्शन किया। 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन जूनियर पुरुष टीम स्पर्धा में रोहित कन्यान, वेदांत नितिन वाघमारे और हितेश शिनियासन की तिकड़ी ने कांस्य पदक जीता। इसके अलावा 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल जूनियर पुरुष टीम स्पर्धा में समीर, अभिनव चौधरी और साहिल चौधरी ने कांस्य पदक हासिल कर भारत के पदकों की संख्या बढ़ाई। लगातार दूसरे दिन शानदार प्रदर्शन के दम पर भारतीय दल ने चैंपियनशिप में अपनी मजबूत दावेदारी पेश की है और व्यक्तिगत व टीम दोनों वर्गों में प्रभावशाली शुरुआत की है।

फीफा विश्व कप 2026 : मोरक्को ने स्काटलैंड को 1-0 से हराया

फाक्सबोरो। फीफा विश्व कप 2026 में मोरक्को ने शानदार प्रदर्शन करते हुए शुक्रवार को स्काटलैंड को 1-0 से हराकर टूर्नामेंट में अपनी पहली जीत दर्ज की और नाकआउट चरण की ओर मजबूत कदम बढ़ाया। मुकाबले का एकमात्र और निर्णायक गोल इस्माइल साइबारी ने मैच शुरू होने के केवल 71 सेकंड बाद दागा, जो अब तक इस विश्व कप का सबसे तेज गोल बन गया है। मोरक्को के लिए यह जीत बेहद अहम रही। टीम अब दो मैचों में चार अंक लेकर ग्रुप-सी में मजबूत स्थिति में पहुंच गई है और अंतिम-32 में जगह बनाने के करीब है। 25 वर्षीय इस्माइल साइबारी ने पिछले मुकाबले में ब्राजील के खिलाफ भी गोल किया था। इस बार उन्होंने शुरुआती मिनट में मिले मौके को शानदार तरीके से गोल में बदलकर स्काटलैंड की शुरुआत झटका दिया। बताया जा रहा है कि साइबारी जल्द ही नीदरलैंड्स क्लब पीएसवी आइंडहोवन से जर्मनी के क्लब बायर्न म्यूनिख में बड़ी राशि पर स्थानांतरण कर सकते है। मोरक्को ने पूरे मैच में बेहतर नियंत्रण बनाए रखा और कई मौके बनाए, लेकिन टीम बढ़त को बड़ा अंतर नहीं दे सकी। पहले हाफ में बिलाल एल खन्नूस एक अच्छा मौका गंवा बैठे। दूसरे हाफ में भी मोरक्को ने दबाव बनाए रखा। 50वें मिनट में साइबारी का एक और प्रयास क्रासबार से टकरा गया। इसके कुछ देर बाद स्काटलैंड के गोलकीपर एंगस गन ने शानदार बचाव करते हुए टीम को दूसरा गोल खाने से बचाया। स्काटलैंड की टीम पूरे मुकाबले में आक्रामक खेल नहीं दिखा सकी और मोरक्को के गोलकीपर यासीन बूनू को ज्यादा चुनौती नहीं दे पाई। रयान क्रिस्टी और स्काट मैकटोमिनय ने अंत में प्रयास जरूर किए, लेकिन बराबरी का गोल नहीं मिल सका।

दोहा डायमंड लीग 2026 में चौथे स्थान पर रहे नीरज, राष्ट्रमंडल खेलों के लिए किया क्वालिफाई

दोहा। भारतीय भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा ने लगभग आठ महीने बाद प्रतियोगी वापसी करते हुए शुक्रवार रात दोहा डायमंड लीग 2026 में चौथा स्थान हासिल किया। हालांकि वह पदक से चूक गए, लेकिन उन्होंने राष्ट्रमंडल खेल 2026 के लिए निर्धारित क्वालिफिकेशन मार्क पार कर लिया। 28 वर्षीय नीरज पीठ की चोट के कारण लंबे समय से मैदान से बाहर थे। प्रतियोगिता में उनका पहला प्रयास फाउल रहा, लेकिन इसके बाद उन्होंने लय हासिल की और तीसरे प्रयास में 85.69 मीटर भाला फेंककर तीसरे स्थान पर पहुंच गए। इसके बाद चौथे प्रयास में उन्होंने 83.45 मीटर का थ्रो किया। अंतिम चरण में जगह बनाने के लिए उन्हें पांचवें प्रयास में 86 मीटर से अधिक दूरी हासिल करनी थी, लेकिन उनका यह प्रयास भी फाउल हो गया और वह चौथे स्थान पर खिसक गए। हालांकि नीरज अपनी वापसी को यादगार जीत में नहीं बदल सके, लेकिन उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 85.69 मीटर राष्ट्रमंडल खेल 2026 के क्वालिफिकेशन मानक 82.61 मीटर से बेहतर रहा।प्रतियोगिता का खिताब श्रीलंका के रुमेश थरंगा पथिरागे ने 88.68 मीटर के थ्रो के साथ जीता। उन्होंने हाल ही में रोम डायमंड लीग में 92.62 मीटर का शानदार प्रदर्शन किया था।

फीफा विश्व कप 2026 : कुन्हा के दो गोल से ब्राज़ील ने हैती को 3-0 से हराया, नाकआउट की राह आसान

फिलाडेल्फिया

पांच बार की विश्व चैंपियन ब्राज़ील ने फीफा विश्व कप 2026 के ग्रुप-सी मुकाबले में शनिवार को हैती को 3-0 से हराकर टूर्नामेंट में अपनी पहली जीत दर्ज की। इस जीत के साथ ब्राज़ील ने नाकआउट चरण की ओर मजबूत कदम बढ़ाया, जबकि हैती विश्व कप से बाहर होने वाली पहली टीम बन गई।

ब्राज़ील की जीत के नायक रहे मैथियस कुन्हा, जिन्होंने विश्व कप में अपने पहले दो गोल दागे। वहीं विनीसियस जूनियर ने एक गोल करने के साथ दोनों गोल में सहायता भी की।

मोरक्को के खिलाफ पहले मैच में 1-1 की निराशाजनक बराबरी के बाद ब्राज़ील इस मुकाबले में कहीं अधिक आक्रामक और संतुलित नजर आया।

ब्राज़ील को पहला गोल 23वें मिनट में मिला। विनीसियस जूनियर ने बाएं छोर से अंदर आते हुए शाट लगाया जिसे हैती के गोलकीपर ने रोकने की कोशिश की, लेकिन गेंद पूरी तरह नियंत्रण में नहीं रह सकी। इसी मौके का फायदा उठाते हुए मैथियस कुन्हा ने गेंद को गोल में पहुंचाकर ब्राज़ील को बढ़त दिला दी।

36वें मिनट में ब्राज़ील ने अपनी बढ़त दोगुनी कर दी। हैती की गलती के बाद तेज पलटवार में विनीसियस जूनियर ने शानदार पास दिया, जिस पर मैथियस कुन्हा ने सटीक फिनिश करते हुए अपना दूसरा गोल दाग दिया।

पहले हाफ के अतिरिक्त समय में विनीसियस जूनियर ने भी अपना नाम स्कोरशीट में दर्ज कराया। उन्होंने लुकास पाकेता के लंबे पास पर शानदार नियंत्रण दिखाते हुए गेंद को गोलकीपर के पार पहुंचा दिया।

हालांकि ब्राज़ील को एक झटका भी लगा जब विंगर राफिन्या दूसरे गोल के कुछ देर बाद चोटिल होकर मैदान से बाहर चले गए। उनकी चोट की गंभीरता पर अभी आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है।

दूसरे हाफ में हैती ने संघर्ष जारी रखा और एक मौके पर रिकार्डो अडे के हेडर को ब्राज़ील के गोलकीपर एलिसन ने शानदार बचाव करते हुए गोल में जाने से रोका। इस जीत के साथ ब्राज़ील के दो मैचों में चार अंक हो गए और वह गोल अंतर के आधार पर ग्रुप-सी में शीर्ष स्थान पर पहुंच गया। दूसरी ओर, हैती लगातार दूसरी हार के बाद विश्व कप से बाहर हो गया।

फीफा विश्व कप 2026 : अमेरिका ने आस्ट्रेलिया को 2-0 से हराकर अंतिम-32 में बनाई जगह

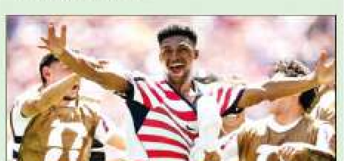

सिएटल। सह-मेजबान अमेरिका ने फीफा विश्व कप 2026 के ग्रुप-डी मुकाबले में शुक्रवार को आस्ट्रेलिया को 2-0 से हराकर लगातार दूसरी जीत दर्ज की और एक मैच शेष रहते हुए नाकआउट चरण (अंतिम-32) में अपनी जगह पक्की कर ली। अमेरिका ने मुकाबले की शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया और 11वें मिनट में बढ़त हासिल कर ली। अमेरिकी खिलाड़ी फोलारिन बालोगुन ने शानदार दौड़ लगाते हुए गेंद को आस्ट्रेलियाई रक्षा पंक्ति के बीच पहुंचाया, जिसे रोकने के प्रयास में आस्ट्रेलिया के डिफेंडर कैमरून बर्गेस ने गलती से गेंद अपने ही गोल में पहुंचा दी। पहला गोल खाने के बाद आस्ट्रेलिया वापसी की कोशिश करता रहा, लेकिन अमेरिकी टीम ने दबाव बनाए रखा। पहले हाफ के अंत से ठीक पहले अमेरिका ने अपनी बढ़त दोगुनी कर दी। एलेक्स फ्रीमैन ने नजदीक से हेडर लगाकर गेंद को जाल में पहुंचाया। शुरुआत में इस गोल को आफसाइड करार दिया गया, लेकिन वीडियो सहायक रेफरी (वीएआर) की समीक्षा के बाद गोल को मान्यता दे दी गई। इसके बाद स्टेडियम में मौजूद अमेरिकी समर्थकों में जश्न का माहौल बन गया। इस जीत के साथ अमेरिका के दो मैचों में छह अंक हो गए और टीम ग्रुप से बाहर होने के खतरे से पूरी तरह बाहर निकलकर अंतिम-32 में पहुंच गई।

महिला टी20 विश्व कप 2026 : उलटफेर से बची न्यूज़ीलैंड की टीम आयरलैंड को 4 रन से हराया

साउथम्पटन

महिला टी20 विश्व कप 2026 में मौजूदा चैंपियन न्यूज़ीलैंड ने शुक्रवार देर रात बेहद रोमांचक मुकाबले में आयरलैंड को 4 रन से हराकर टूर्नामेंट में अपनी पहली जीत दर्ज की। लगातार दो हार के बाद दबाव में उतरी न्यूज़ीलैंड टीम अंत तक संघर्ष करती रही और मुश्किल मुकाबले में दो अहम अंक हासिल कर प्रतियोगिता में अपनी उम्मीदें कायम रखीं। 141 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी आयरलैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही, लेकिन कप्तान गैबी लुईस और आर्ला प्रेंडरगास्ट ने शानदार बल्लेबाज़ी करते हुए मैच को न्यूज़ीलैंड के हाथों से लगभग छीन लिया। दोनों ने दूसरे विकेट के लिए 95 गेंदों में 110 रन जोड़कर टीम को जीत की दहलीज तक पहुंचा दिया।

आर्ला प्रेंडरगास्ट ने गेंद और बल्ले दोनों से शानदार प्रदर्शन करते हुए पहले 2 विकेट लिए और फिर 53 गेंदों पर 59 रन बनाए। वहीं कप्तान गैबी लुईस ने 53 गेंदों में 58 रन की महत्वपूर्ण पारी खेली। एक समय आयरलैंड को अंतिम चार ओवर में 34 रन चाहिए थे और उसके नौ विकेट शेष थे। लेकिन न्यूज़ीलैंड ने वापसी की। जेस केर और कप्तान अमेलिया केर ने दबाव बनाया। अमेलिया ने 18वें ओवर में दो विकेट लेकर मुकाबले का रुख बदल दिया। आखिरी ओवर में आयरलैंड को 15 रन चाहिए थे। कप्तान अमेलिया केर ने अनुभवी सूजी बेट्स को गेंद सौंपी। सूजी ने शानदार संयम दिखाते हुए बल्लेबाज़ों को बड़े शाट नहीं लगाने दिए और मुकाबला न्यूज़ीलैंड के पक्ष में कर दिया। आयरलैंड अंतिम गेंद पर 6 रन नहीं बना सकी और जीत से सिर्फ चार रन दूर रह गई। इससे पहले न्यूज़ीलैंड की शुरुआत बेहद खराब रही और टीम सिर्फ 10 रन पर 3 विकेट गंवा बैठी। आर्ला प्रेंडरगास्ट और कारा मरे ने शुरुआती झटके दिए। इसके बाद ब्रुक हालिडे और इज़ी शार्प ने उपयोगी पारियां खेलते हुए टीम को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया। इज़ी शार्प ने 28 गेंदों में 36 रन बनाए, जबकि ब्रुक हालिडे ने 34 रन की अहम पारी खेली।

सरांश का आलराउंड' कहर; छक्के से दिलाई रायल निमाड़ को रोमांचक जीत

इंदौर। मध्य प्रदेश प्रीमियर लीग 2026 में शुक्रवार को होलकर स्टेडियम में रोमांच की पराकाष्ठा देखने को मिली। कप्तान सरांश जैन के शानदार हरफनमौला प्रदर्शन (4 विकेट और नाबाद 39 रन) की बदौलत रायल निमाड़ ईगल्स ने बुंदेलखंड बुल्स को 4 विकेट से हराकर प्लेआफ की दावेदारी को और मजबूत कर लिया। टास जीतकर पहले गेंदबाजी करने का सरांश जैन का फैसला टीम के लिए सही साबित हुआ। रायल निमाड़ के गेंदबाजों ने अनुशासित प्रदर्शन करते हुए बुंदेलखंड बुल्स को 19.4 ओवर में 166 रन पर समेट दिया। बुंदेलखंड की ओर से कप्तान अभिषेक अरुण कुमार पाठक ने 13 गेंदों में 31 रन की तूफानी पारी खेली, जिसमें पांच छक्के शामिल थे। शिवांग कुमार ने 18 गेंदों में 31 रन बनाए, जबकि पार्थ गोस्वामी (25) और अनंत दुबे (21) ने उपयोगी योगदान दिया। रायल निमाड़ की ओर से कप्तान सरांश जैन ने गेंद से शानदार प्रदर्शन करते हुए 4 ओवर में 28 रन देकर चार विकेट झटके। वहीं परुष मंडल ने भी प्रभावी गेंदबाजी करते हुए 3.4 ओवर में 31 रन देकर चार बल्लेबाजों को पवेलियन भेजा। 167 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए रायल निमाड़ की शुरुआत खराब रही और टीम ने 38 रन के भीतर तीन विकेट गंवा दिए। दबाव के समय शिवांश चतुर्वेदी ने 16 गेंदों में 30 रन की तेजतर्रार पारी खेली।

फीफा विश्वकप में दिग्गजों को टक्कर दे रहे युवा खिलाड़ी

कैलिफोर्निया

फीफा विश्वकप में इस बार शामिल 48 टीमों में उम्रदराज और युवा दोनो ही तरह के खिलाड़ी शामिल हैं। जहां 40 साल की उम्र के अर्जेंटीना के स्टार खिलाड़ी लियोनल मैसी और 41 पुर्तगाल के क्रिस्टियानो रोनाल्डो व 40 साल के क्रोएशिया के लुका मोड्रिक सहित कई टीमों के दिग्गज खिलाड़ी उतरे हैं। वहीं इनसे आधी उम्र के उभरते हुए फुटबालर इन्हें टक्कर देते हुए दिख रहे हैं। वहीं सेनेगल के 18 साल के फारवर्ड इब्राहिम एमबाए ने टूर्नामेंट के अपने पहले ही मैच में गोल दागकर अपने स्टार बनने के संकेत दिए हैं। इसके अलावा स्पेन के 19 साल के होने जा रहे लामिन यामल सबसे होनहार खिलाड़ियों में से एक के रुप में उभरकर सामने आये हैं। मांसपेशियों में खिंचाव के बाद वापसी करते हुए उन्हें केप वर्डे के साथ ड्रा मैच में स्थानापन्न खिलाड़ी के रूप में मैदान पर उतारा गया था। इस विश्व कप में खेलने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी मैक्सिको के 17 वर्षीय मिडफील्डर गिलबर्टो मोरा हैं, जिन्होंने दक्षिण अफ्रीका पर 2-0 की जीत के दूसरे हाफ में मैदान पर उतरकर अपने अच्छे प्रदर्शन से घरेलू दर्शकों की प्रशंसा बटोरी। सेनेगल के फारवर्ड इब्राहिम एमबाए ने पहली बार विश्व कप में खेलते हुए शानदार प्रदर्शन किया; फ्रांस में जन्मे इस 18 वर्षीय खिलाड़ी ने फ्रांस के खिलाफ 75वें मिनट में मैदान पर आकर एक महत्वपूर्ण गोल दागा। मोरक्को के 18 वर्षीय अय्यूब बौआदी ने ब्राजील के खिलाफ 1-1 से ड्रा रहे मैच में अपनी छाप छोड़ी, जबकि मिस्र के 18 वर्षीय फारवर्ड हमजा अब्देलकरीम बेल्जियम के साथ 1-1 से ड्रा रहे मैच में 76वें मिनट में स्टार खिलाड़ी मोहम्मद सलाह की जगह मैदान पर उतरे।

दूसरी ओर अनुभवी खिलाड़ियों की राह आसान नहीं है। 41 साल के क्रिस्टियानो रोनाल्डो का नाम आता है। पुर्तगाल के इस दिग्गज खिलाड़ी पहले मैच में गोल नहीं कर पाए, जिससे उनकी टीम को कांगो के खिलाफ 1-1 से ड्रा खेलना पड़ा। 40 वर्षीय लुका मोड्रिक, जिन्होंने 2018 विश्व कप में क्रोएशिया को फाइनल तक पहुँचाया था, इस बार इंग्लैंड के खिलाफ उनकी शुरुआत अच्छी नहीं रही। उनके फाउल की वजह से इंग्लैंड को पेनल्टी मिली, जिसे हैरी केन ने गोल में बदल दिया।हालांकि, कुछ उम्रदराज खिलाड़ियों ने अपनी छाप छोड़ी है। विश्व कप टीमों में कई गोलकीपर ऐसे हैं जिनकी उम्र 40 साल है, जिनमें जर्मनी के मैनुअल नेउर सबसे मशहूर हैं। लेकिन इस सूची में अब केप वर्डे के वोज़िन्हा का नाम भी जुड़ गया है, जिन्होंने स्पेन को गोलरहित ड्रा पर रोकने में अहम भूमिका निभाई और एक गुमनाम गोलकीपर से स्टार बन गए। लियोनेल मेसी, जो 38 साल के हैं और काफी फिट हैं तथा अगले हफ्ते 39 साल के हो जाएंगे, उन्होंने अल्जीरिया के खिलाफ हैट्रिक लगाकर अर्जेंटीना को अपने पहले मैच में जीत दिलाई।

टी20 महिला विश्व कप में अब भारतीय टीम को दक्षिण अफ्रीका और आस्ट्रेलिया से मिलेगी चुनौती

लंदन

आईसीसी महिला टी20 विश्व कप 2026 में भारतीय टीम की शुरुआत बेहद अच्छी रही है और उसने अपने शुरुआती दोनों ही मैच जीते हैं। भारतीय टीम ने पहले मैच में पाकिस्तान और दूसरे में नीदरलैंड्स को आसानी से हराया है। इन दोनों ही मुकाबलों में मिली जीत से भारतीय टीम खिताब की प्रबल दावेदार बन गयी है हालांकि उसकी राह इतनी भी आसान नहीं है।

भारतीय टीम को अब दक्षिण अफ्रीका और आस्ट्रेलिया जैसी मजबूत टीमों से खेलना है। इसके अलाव उसे बांग्लादेश से भी खेलना है। ऐसे में उसे इन मैचों में पूरी तैयारी और दृढ़ता के साथ मैदान पर उतरना होगा। पहले दोनो ही मैच जीतकर भारतीय टीम अभी अंक तालिका में नंबर एक पर है। भारत के अलावा, आस्ट्रेलिया ने भी अपने शुरुआती दो मैच जीते हैं और उसके भी 4 अंक हैं, हालांकि बेहतर नेट रन रेट के चलते भारतीय टीम शीर्ष पर है। वहीं, दक्षिण अफ्रीका ने पाकिस्तान के खिलाफ एक मैच जीतकर और आस्ट्रेलिया से हारकर अपनी स्थिति बनाए रखी है।

ग्रुप-ए से सेमीफाइनल के लिए ये तीनों टीमें - भारत, आस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका - ही सबसे प्रबल दावेदार मानी जा रही हैं। ऐसे में, भारतीय टीम के लिए सेमीफाइनल तक का सफ़र अब निर्णायक और चुनौतीपूर्ण होने वाला है। भारत के ये तीन महत्वपूर्ण मुकाबले 21 जून को दक्षिण अफ्रीका, 25 जून को बांग्लादेश और 28 जून को आस्ट्रेलिया से होने वाले हैं। सेमीफाइनल में जगह पक्की करने के लिए टीम इंडिया को इन तीन मैचों में से कम से कम दो में जीत हासिल करना अनिवार्य होगा। यदि भारतीय टीम ऐसा करने में असफल रहती है और सिर्फ एक मैच जीत पाती है, तो उसकी मुश्किलें काफी बढ़ सकती हैं और उसे सेमीफाइनल में प्रवेश के लिए अन्य टीमों के मैचों के परिणामों पर निर्भर रहना पड़ सकता है। आंकड़ों पर गौर करें तो, टी20 विश्व कप में आस्ट्रेलिया की टीम भारत पर भारी पड़ी है, जहां वह हेड-टू-हेड रिकार्ड में 5-2 से आगे है। हालांकि, दक्षिण अफ्रीका और बांग्लादेश के खिलाफ भारतीय टीम का प्रदर्शन और रिकार्ड अच्छा रहा है जो टीम के लिए एक सकारात्मक पहलू है।

खूबसूरत त्वचा के लिए खाएं इन्हें कच्चा

हमारी त्वचा से हमारे शरीर की स्वस्थता के बारे में पता चलता है। हमारा शरीर जितना हेल्दी होगा। हम उतने की स्वस्थ होंगे। कई ऐसे फूड होते हैं जिनका सेवन करने से त्वचा दमक उठती है और शरीर पर भी उनका प्रभाव अच्छा पड़ता है। आइए जानते हैं ऐसे फूड के बारे में जो त्वचा को स्वस्थ व दमकदार बनाते हैं।

पालक

पालक में फाइटोन्यूट्रियन्स होते हैं जो त्वचा को सूर्य की पराबैंगनी किरणों के दुष्प्रभाव से बचाते हैं। पालक के सेवन से शरीर में कैल्शियम की मात्रा भी अच्छी हो जाती है और बीटा कारोटेन और ल्यूटेन की मात्रा भी अच्छी हो जाती है जो त्वचा में नरमी ला देते हैं। साथ ही इसमें एंटी इंफ्लामेंट्री गुण भी होते हैं।

अखरोट

अखरोट विटामिन बी से भरपूर होता है जो शरीर में रक्त के संचार को बढ़ाता है और इसकी वजह से त्वचा स्वस्थ बनी रहती है। साथ ही इसमेंए विटामिन ई और ऑक्सीडेंट भी होते हैं जो बढ़ती उम्र को थाम लेते हैं। अखरोट में ओमेगा 3 होता है जो त्वचा को बेकार होने से बचाता है।

सेब

सेब ए विटामिन का भंडार है जो शरीर को स्वस्थ बना देते हैं। सेब की मदद से मेलेनिन बनने में सहायता मिलती है और बाल काले होते हैं। विटामिन ए से त्वचा में दमक आती है। साथ ही प्रतिदिन एक सेब खाने से चेहरे पर लालिमा बनी रहती है।

आम

आम एक एंटीएजिंग फ्रूट है जो विटामिन ए और सी से भरपूर है। ये विटामिन त्वचा को शाइनी बना देते हैं।

बादाम वाला दूध

बादाम पड़ा हुआ दूध विटामिन ई से भरपूर होता है जो यूवी क्षति से त्वचा की रक्षा करता है। इसमें एंटी. ऑक्सीडेंट गुण भी होते हैं जो त्वचा को स्वस्थ और चमकदार बनाते हैं।

बेरी

बेरी में भरपूर मात्रा में फाइबर होता है जो शरीर से टॉक्सिक बाहर निकाल देता हैए साथ ही बढ़ती त्वचा को थाम लेता है। बेरी में फ्लेवोनॉयड भी होते हैं जो त्वचा को बुरे प्रभावों से बचाते हैं और उसे जवां बनाएं रखते है।

सिट्रस

सिट्रस वाले फल जैसे संतरा नींबू अंगूर आदि में विटामिन सी की मात्रा काफी ज्यादा होती है। यह कोलेजन के निर्माण मे आवश्यक होता है और त्वचा को मुलायम बनाए रखता है। साथ ही इससे त्वचा मे भीतरी चमक आती है।

सर्दी-खांसी से तुरंत राहत दिलाए तेजपत्ता

तेजपत्ता न सिर्फ जायके को बढ़ाता है, बल्कि स्वास्थ्य और सौंदर्य वृद्धि के लिए भी कई तरह से फायदेमंद है। यह दांतों की चमक व सफेदी बढ़ाता है। सांस की समस्या होने पर इसे पानी में उबाल लें और उसमें 2-3 तेजपत्ते डाले। अब इसमें 10 मिनट तक भाप बनने दें। फिर इस पानी में एक कपड़ा भिगोए और यह कपड़ा सीने पर रखे। इससे फ्लू, सर्दी और खांसी कम हो जाती है।

इसलिए जरूरी है ब्रश करना

दांतों की रोज दिन में दो बार सफाई करना बेहद जरूरी है। दांतों की सफाई करने से सांसों की तकलीफ व मुंह की अन्य बीमारियां नही होती। इसके साथ ही एक हालिया शोध कहता है वयस्कों द्वारा अपने दांतो की उचित देखभाल करना यानी नियमित रूप से ब्रश करना याददाश्त बनाए रखने में मददगार साबित होता है। दांतों और मसूढ़ों की उचित देखभाल न करने से डिमेंशिया का खतरा पैदा हो सकता है।

सेहत के लिए फायदेमंद हैं ये चाय

कमेलिया सिनेंसिस एक सदाबहार झाड़ीनुमा छोटा पौधा है, जिसकी पत्तियों और कलियों का इस्तेमाल खास तरह की चाय बनाने में किया जाता है। वैसे कमीलया थीएसीआई प्लांट का ही जीनस है, जिसे आमतौर पर टी प्लांट, टी शर्ब (झाड़ी) और टी ट्री भी कहा जाता है। इसकी दो प्रमुख किस्में हैं, एक कमेलिया सिनेंसिस की चाइनीस टी और दूसरी कमेलिया, भारत के असम की अस्समिका टी।

सफेद, पीली, हरी, उलोंग, पुऐर और काली चाय सभी इसी पौधे द्वारा प्राप्त की जाती है लेकिन पत्तियों की कटाई की प्रक्रिया और इसे बनाने की विधि सबकी अलग-अलग है। हर एक चाय को ऑक्सीकरण के स्तर पर अलग- अलग ढंग से प्राप्त किया जाता है। कमेलिया चाय के गुण इस बात पर निर्भर करते हैं कि उसकी पत्तियों को कब और कैसे काटा जा रहा है। कुकिचा टी भी कमीलया पौधे से ही बनाई जाती है, इसे बोचा भी कहते हैं। इस चाय की खास बात यह है कि यह पत्तियों से नहीं बल्कि पौधे के तने और टहनियों से तैयार की जाती है। कमेलिया से बनी हर एक चाय को अपने ही औषधीय और रासायनिक गुण है, जिसे गर्म और ठंडे, दोनों रूप में पिया जाता है।

ग्रीन टी

ग्रीन टी यानि हरी चाय, कमेलिया सिनेंसिस पौधे की पत्तियों से ही बनाई जाती है। पहले तो चीन के लोग इसका ज्यादा सेवन करते थे लेकिन अब तो हर जगह इसका सेवन आम हो गया है। आज ग्रीन टी को सेहत के सुपरस्टार के रूप में जाना जाता है। कमेलिया की युवा हरी पत्तियों को काटकर उबाला जाता, फिर सुखाया और पिसा जाता है। इसके बनाने की प्रक्रिया में ऑक्सीकरण न्यूनतम होती है। ग्रीन टी के सेवन से ब्रेन सिस्टम और इम्यून सिस्टम भी दुरुस्त रहता हैं साथ ही शरीर फुर्तीला बनता हैं।

फायदे

- इसका नियमित सेवन करने से सिर्फ रोगों से ही छुटकारा नहीं मिलता बल्कि इससे हमारी प्रतिरोधक क्षमता भी बढ़ती है।
- इसका रोजाना सेवन मोटापा कम करने में मदद करता है। इससे शरीर का मेटाबोलिज्म बढ़ता है और डाइजेस्टिव सिस्टम से जुड़ी परेशानियां खत्म होती है।
- ग्रीन टी में मौजूद एंटीआक्सीडेंट फ्री रेडिकल्स से स्किन की रक्षा करते हैं। चेहरे पर झुर्रियां कम और फेस ग्लोइंग होता है। इसमें मौजूद कैमिकल स्ट्रैस कम करने में सहायक है।
- ग्रीन टी कैंसर के विषाणुओं को मारती है। शोधों की बात करें तो ग्रीन टी पीने वाले लोगों में ब्रेस्ट कैंसर का खतरा 25 प्रतिशत कम होता है। इससे त्वचा के कैंसर की संभावना भी कम होती है।
- इससे कॉलेस्ट्रोल सही और हाई ब्लड प्रैशर को रोकने में मदद करती है।
- ग्रीन टी के सेवन से अल्जेरिया जैसी बीमारियां ठीक होती है। यह ब्रेन सेल्स को बचाती हैं और डैमेज सेल्स को रिकवर भी करती हैं।

कमेलिया ब्लैक टी के फायदे

रंग गहरा होने की वजह से इसे ब्लैक टी कहा जाता है लेकिन अगर आप इसे गौर से देखें तो यह गहरे सिंदूरी रंग में दिखेगी। इसलिए इसे कई जगहों पर रैड टी भी कहा जाता है। कमेलिया सिनेंसिस की झाड़ी से मिलने वाली यह चाय, ग्रीन व्हाइट और उलोंग टी की पत्तियों से ज्यादा ऑक्सीकृत होती हैं। इसका स्वाद बाकियों के मुकाबले ज्यादा कड़क होता है।ब्लैक चाय में मसाले, लौंग, इलायची और अदरक का मिश्रण तैयार करके भी बनाया जाता है।

फायदे

- ब्लैक टी का स्वाद अधिक समय तक बरकरार रहता है। यह दिल की बीमारियों, कोलेस्ट्रॉल, कैंसर, जैसे समस्याओं से बचाए रखने में मदद करती है।
- दिमागी फुर्ती, प्रतिरक्षा प्रणाली, हड्डियों की मजबूती, वजन को कंट्रोल और एनर्जी को बनाए रखने में भी सहायक होती हैं।
- ब्लैक टी शरीर में तनाव हार्मोन के स्तर को कम करने में सहायक होती है।
- ब्लैक टी में कैटचिन एंटीऑक्सीडेंट होता है जो मुंह के कैंसर के खतरे को कम करता है। ब्लैक टी में फ्लोराइड्स होते हैं जो सांसों की दुर्गंध के साथ कैविटी से हानिकारक बैक्टीरिया को भी बाहर निकालते हैं।

कमेलिया व्हाइट टी

व्हाइट टी बनाने के लिए कमेलिया सिनेंसिस पौधे की यंगेस्ट कलियों और पत्तियों को खिलने से पहले ही बसंत ऋतु में ही काट लिया जाता है। यह आक्सीकृत नहीं होती है। व्हाइट टी में कैफीन की मात्रा पत्तियों की गुणवत्ता पर निर्भर करता है। फ्लेवर की बात करें तो यह बाकी चायों के मुकाबले मीठी होती है।

फायदे

- चीन के लोग कई सालों से लंबी उम्र और स्वस्थ रहने के लिए व्हाइट टी पीते आ रहे हैं। यह कई बीमारियों से सुरक्षित रखती है।
- वाइट टी, ब्लैक और ग्री टी से कहीं ज्यादा फायदेमंद मानी जाती है। कैंसर से लड़ने की क्षमता, एमिनो एसिड, अधिक जीवाणुरोधी क्षमता, तनाव से राहत पहुंचाने में फायदेमंद साबित होती है।
- यह ब्लड सर्कुलैशन को सही रखने और दिल को सेहतमंद रखने में फायदेमंद है।
- दांतों के बैक्टीरिया से लड़ने में मददगार साबित होती है।

ऊलांग टी

ऊलांग टी काफी हद तक ब्लैक टी की तरह ही होती है लेकिन इसमें चाय की पत्तियों को मशीन में ज्यादा देर तक सुखाया जाता है। फर्मेंट होने की वजह से इसका स्वाद कड़क होता है। ब्लैक टी के मुकाबले इसमें अधिक मात्रा में टैनिन होता है। तुरंत चुस्ती और एनर्जी पाने के लिए इसका सेवन कारगार माना जाता है।

फायदे

- ऊलांग टी स्किन की एलर्जी को दूर करने में मददगार है। रोजाना 3 कप ऊलांग टीन पीने से एग्जिमा से निजात पाई जा सकती है। त्वचा की समस्याओं, जलन और सूजन और स्किन इरीटेशन से राहत दिलाता है।

हर्बल टी

हर्बल टी सुखे मेवे, तरह तरह के फल और जड़ी बुटियां डालकर बनाई जाती है इसमें इस्तेमाल की गई अनेक तरह की जड़ी बुटियों से डायबिटीज, नींद और हार्ट से जुड़ी परेशानियों से निजात पाई जा सकती हैं।

पुऐर टी

कमेलिया सिनेंसिस पौधे की पत्तियों और तने से ही तैयार की जाने वाली पुऐर टी रैड ब्राऊन कलर की होती है। ब्लैक और ऊलांग टी की तरह पुऐर टी की पत्तियों भी फर्मेन्टेड होती है।

फायदे

- यह ब्रेन और हार्ट के लिए फायदेमंद होती है।
- फैट बर्न कर वजन को कंट्रोल में रखती है।

यैलो टी

यैलो यानी पीली चाय बहुत ही महंगी और दुर्लभ चाय है। इसे बनाने का तरीका भी यूनिक है। इसे डैम्प कपड़े में भाप (बहुत कम समय के लिए) दी जाती है। आक्सीडेशन के बाद पत्तियों का रंग पीला हो जाता है। इसे उच्च गुणवता वाली चाय में शामिल किया गया है।

फायदे

- कैलेस्ट्रोल कम करने में सहायक
- ब्लड कैंसर और ब्रेस्ट कैंसर से रोकथाम
- डायबिटीज और लिवर से जुड़ी समस्या में मददगार

फ्लेवर्ड टी

किसी भी तरह की चाय में (ब्लैक, व्हाइट,ग्रीन टी) तरह तरह के फ्लेवर जैसे लौंग, अनार, दालचीनी, ओरेंज, पुदीना, कैफिन आदि डालकर फ्लेवर्ड टी बनाई जाती है। ऐसी चाय से सेहत के साथ साथ जायकों का लुफ्त उठाया जाता है।

ध्यान में रहें

भले ही इन चायों में औषधि गुण भरपूर मात्रा में हैं लेकिन फिर भी इनका सेवन करने से पहले डॉक्टरी परामर्श जरूर लें।

बोलने की प्रैक्टिस करें...

अगर आप लोगों से संपर्क करने और उनके बीच खुल कर बोलने में असहज महसूस करते हैं तो आज से ही इसे बदलने की कोशिश शुरू करें। अंतर्मुखी प्रकृति सफलता में बड़ी बाधा भी बन सकती है। खुद पर विश्वास है तो लोगों के बीच घबराना कैसा? अगर किसी को अचानक एक बड़े जनसमूह के सामने कुछ बोलने के लिए कह दिया जाए तो अधिकतर लोग बुरी तरह घबरा जाते हैं। हालांकि इस बात का आपकी योग्यता से कोई लेना-देना नहीं होता, फिर भी यह बात आपकी छवि को नकारात्मक रूप से प्रभावित करती है। ऐसा पढ़ाई के दिनों में, नौकरी के लिए दिए जाने वाले साक्षात्कार के समय, नौकरी के दौरान या कभी भी हो सकता है। इससे लोग आपका सही मूल्यांकन नहीं कर पाते और आप कई अवसरों से चूक जाते हैं। इस हिचक को तोड़ना बहुत मुश्किल भी नहीं है। यह हिचक तोड़ कर आप सफलता के कुछ और करीब हो जाएंगे। बस आपको अपने डर पर काबू पाना होगा।

मजबूत पक्ष याद रखें

दूसरों के सामने बोलने में होने वाली हिचक दरअसल सोशल एंग्जाइटी का नतीजा होती है। ऐसे में आप अपना उद्देश्य याद रखें, ना कि उसमें अपनी सफलता या असफलता। अपनी कमजोरियों के बारे में सोचने की बजाय अपने व्यक्तित्व के मजबूत पक्ष के बारे में सोचें। उन वजहों को तलाशने की कोशिश करें, जिनके कारण आपको झिझक या संकोच महसूस होता है। इसकी तीन संभावित वजहें हो सकती हैं। मुमकिन है कि आप खुद को लेकर आश्वस्त न हों। खुद के बारे में जरूरत से ज्यादा सोचते हों या जब कोई आपकी तारीफ करता है तो आप उस पर यकीन न कर पाते हों। इसे दूर करने के लिए लोगों के बीच बोलने की प्रैक्टिस कर सकते हैं। प्रेरक किताबें पढ़ें। यदि आवश्यकता लगे तो काउंसलर की सहायता भी ले सकते हैं।

परिचितों से करें शुरुआत

लोगों के बीच आत्मविश्वास से बोलने के अभ्यास की पहल दोस्तों से करें। जब आप यहां सहज महसूस करने लगें, तब अपरिचितों के बीच इसे आजमाएं। इसे भी एक-दो लोगों से ही शुरू करें। अगर आप शुरू में ही सीधे बड़े समूह में बात रखने की कोशिश करेंगे तो बहुत अधिक दबाव होने के कारण संभवतः कठिनाई भी ज्यादा होगी। आप पाएंगे कि दो व्यक्तियों के सामने बोलने में आपको तुलनात्मक रूप से ज्यादा आसानी हुई और यह भी कि जल्द ही आपकी हिचक टूट गई और अब विशाल जनसमूह में भी अपनी बात रखने में कोई परेशानी नहीं हो रही है।

अभ्यास की है जरूरत

हिचक मिटाने के लिए आपको नियमित रूप से प्रयास करना जरूरी है। अपने डर पर आपको विजय पानी होगी। उसे खुद पर हावी न होने दें। शुरू-शुरू में ऐसा करने में आप खुद को असहज महसूस करेंगे, लेकिन लगातार प्रयास करते रहें। धीरे-धीरे आप महसूस करेंगे कि आपको अब अपनी बात रखने के लिए प्रयास नहीं करना पड़ रहा है, आप बड़ी सहजता से अपनी बात रख पा रहे हैं।

बेवजह के परिचय से बचें

बड़ा सामाजिक दायरा होने का एक अर्थ यह भी है कि आपको लोगों का सामना करने में हिचक नहीं होती। यह आपके आत्मविश्वासी व्यक्तित्व का द्योतक भी है। आप भी अपना सोशल सर्कल बड़ा करें। इसके लिए खुद अपने क्षेत्र से जुड़े कार्यक्रमों पर नजर रखें। अपने परिचितों से यह कह सकते हैं कि वे ऐसे कार्यक्रमों की जानकारी आपको दे दिया करें। एक समय के बाद आप अपनी मर्जी से भी आयोजनों को चुनें कि कहां जाना है या नहीं जाना है। इसका एक कारण यह भी है कि अंतर्मुखी ना होने का मतलब यह नहीं है कि हर जगह या समूह में आपकी उपस्थिति जरूरी हो। बेमतलब किसी ईवेंट या समूह में न जाएं।

अपनी तैयारी पूरी रखें

अगर आप सच में लोगों का ध्यान अपनी ओर आकर्षिक करना चाहते हैं तो इस नुस्खे को आजमाएं। अगर आप किसी सामूहिक आयोजन में जा रहे हैं या कई लोगों के सामने आपको कुछ बोलना है तो विषय आदि के बारे में पूरी जानकारी कर लें। अपनी भाषा पर भी खास ध्यान दें। ऐसी स्थिति में उच्चारण, शब्दों के उचित चयन आदि का विशेष महत्व होता है। उस कार्यक्रम की पूरी रूप-रेखा और वहां आने वाले मेहमानों के बारे में मुकम्मल जानकारी रखें।

अनौपचारिक आयोजनों में वहां आने वाले आगंतुकों की मदद करें, उन्हें कार्यक्रम और मेहमानों के बारे में अपनी तरफ से पहल कर बताएं। इस तरह से आप वहां आने वाले दूसरे लोगों की मदद कर अपनी छवि बेहतर बना सकते हैं और लोग आप पर ध्यान देंगे।

मुस्कराहट से काम लें

किसी भी प्रेजेंटेशन में या कि किसी सामाजिक स्थिति में कई लोगों के बीच मुस्कराहट से आपकी छवि का तुरंत प्रभाव बनता है। इसी से अपनी बात की शुरुआत करें। मुस्कराहट से मानसिक तनाव भी कम हो जाता है और आप ज्यादा आत्मविश्वास अनुभव करते हैं। सुनने वालों से आपका एक जुड़ाव तुरंत बन जाता है। औपचारिक या अनौपचारिक माहौल में भी बोलते समय मुस्कराहट महत्वपूर्ण मानी जाती है।

रेसिपी

स्पिनॅच एंड चिक पि सूप

सामग्री

1 1/2 कप पतली लंबी कटी हुई पालक, 3/4 कप भिगोए और उबले हुए काबूली चने, 2 टी-स्पून जैतून का तेल, 2 टी-स्पून बारीक कटा हुआ लहसुन, 1 टी-स्पून बारीक कटी हुई हरी मिर्च, 1/4 कप बारीक कटा हुआ हरी प्याज़ का सफेद भाग, 3 कप बेसिक वेजिटेबल स्टॉक, नमक और ताज़ी पीसी काली मिर्च स्वादअनुसार, 1 टी-स्पून सूखा ऑरेगानो, 1 टेबल-स्पून नींबू का रस

विधि

एक गहरी नॉन-स्टिक कढ़ाई में जैतून का तेल गरम करें, लहसुन, हरी मिर्च और हरी प्याज़ का सफेद भाग डालकर मध्यम आंच पर एक मिनट तक भुनें। पालक और काबुली चना डालकर मध्यम आंच पर और 2 मिनट तक भुनें। बेसिक वेजिटेबल स्टॉक, नमक, काली मिर्च, ऑरेगानो और नींबू का रस डालकर अच्छी तरह मिलायें और उबाल लें। तुरंत परोसें।

ओट्स भुर्जी

सामग्री

2 चम्मच ओट्स

2 अंडे और 4 अंडे के सफेद भाग

(वेजिटेरियन इसे पनीर से बदल सकते हैं)

तेल,1 कटी प्याज

हरी मिर्च, टमाटर (पसंद अनुसार) नमक

विधि

एक बड़े कटोरे में अंडे, ओट्स, सब्जियां, हरी मिर्च और नमक मिक्स करें। एक बड़े पैन में गरम करें, उसमें अंडे वाला तैयार मिश्रण डालें। इसे कुछ देर के लिए पकने दें, जब यह पक जाए तब इसे कल्छुली से चलाते हुए भुर्जी बनाएं। फिर इसे आंच से हटा कर इस पर हरी धनिया छिड़कें और सर्व करें।

टिप्स: अगर आप नॉन वेज नही खाती, तो अंडे की जगह पर पनीर का प्रयोग करें। इसके लिए तेल में सब्जियां पकाएं, फिर ओट्स मिला कर थोड़ा पानी डाल कर पकाते हुए उसमें पनीर डालें। फिर जब मिश्रण सूख जाए तब इसे उतार लें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : प्रदीप शील ● सहयोगी संपादक : रवि शंकर चौधरी ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**